शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 335 | गुवाहाटी | मंगलवार, 8 जुलाई, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

छत्तीसगढ़ के 2161 करोड़ के शराब घोटाले में 28 आबकारी अधिकारियों ... पेज 2
कांग्रेस बीटीआर में नहीं पाकिस्तान में है : मुख्यमंत्री शर्मा पेज 3
पंजाब : होशियारपुर में कार से टकराकर पलटी बस, छह की मौत व 17 घायल पेज 5
मनु भाकर के नेतृत्व में एशियन शूटिंग चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम घोषित पेज 7

पीएम मोदी का ब्रिक्स में सख्त संदेश–

आतंकवाद पर नीति नहीं, नैतिकता चाहिए

नई दिल्ली (हि.स.)। ब्रिक्स सम्मेलन में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक शांति और सुरक्षा पर एक स्पष्ट और प्रभावशाली वक्तव्य देते हुए आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक रुख अपनाने की अपील की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि शांति और सुरक्षा केवल एक आदर्श नहीं, बल्कि साझा हितों और वैश्विक भविष्य की नींव है। प्रधानमंत्री मोदी ने जोर देकर कहा कि एक शांतिपूर्ण और सुरक्षित वातावरण में ही मानवता का सर्वांगीण विकास संभव है, और इस दिशा में ब्रिक्स देशों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी सदस्य देशों से साझा चुनौतियों से निपटने के लिए सामूहिक और एकजुट प्रयास करने का आह्वान किया। पीएम मोदी ने हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का उल्लेख करते हुए कहा कि 22 अप्रैल को हुआ हमला भारत की आत्मा और गरिमा पर सीधा प्रहार था। उन्होंने इसे केवल भारत नहीं, बल्कि पूरी मानवता पर आघात बताया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद की निंदा हमारा सिद्धांत होना चाहिए, न कि सुविधा। अगर हम यह देखेंगे कि हमला किस देश में हुआ, तो यह मानवता के साथ विश्वसघात होगा। उन्होंने यह भी कहा कि आतंकवादियों पर प्रतिबंध लगाने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए और राजनीतिक या निजी स्वार्थ के लिए आतंकवाद पर चुप्पी कतई स्वीकार्य नहीं है। प्रधानमंत्री ने गाजा में बिगड़ती मानवीय स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि भारत का विश्वस है कि चाहे परिस्थितियां कितनी भी कठिन हों, शांति का मार्ग ही मानवता के लिए एकमात्र विकल्प है। उन्होंने भारत की गांधी और बुद्ध की परंपरा का हवाला देते हुए स्पष्ट किया कि युद्ध और हिंसा के लिए भारत में कोई स्थान नहीं है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत हर उस वैश्विक प्रयास का समर्थन करता है जो दुनिया को संघर्ष और विभाजन से निकालकर संवाद, सहयोग और विश्वस की दिशा में ले जाए। अपने संबोधन के आखिर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी ब्रिक्स सदस्य देशों को अगले वर्ष भारत में आयोजित होने वाले ब्रिक्स सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया और कहा कि यह अवसर वैश्विक सहयोग और साझेदारी को एक नई ऊंचाई देगा।

राज्य में जारी रहेगा बेदखली अभियान : मुख्यमंत्री

कोकराझाड़। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को असम भर में बेदखली अभियान तेज करने की अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई, जिसका लक्ष्य कथित रूप से अवैध प्रवासियों द्वारा सरकारी भूमि पर अतिक्रमण को हटाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अभियान आने वाले दिनों में नगांव, ग्वालपाड़ा और धुबड़ी में चलाया जाएगा। कोकराझाड़ में एक कार्यक्रम के दौरान बोलते हुए शर्मा ने कहा कि भाजपा कल चापर, 12 जुलाई को ढिंग और 10 जुलाई को ग्वालपाड़ा में बेदखली अभियान चलाएगी। हमें कोई नहीं रोक सकता। बांग्लादेशी नागरिकों को बेदखल किया जाएगा। कांग्रेस पर *मुद्दे का राजनीतिकरण* करने का आरोप लगाते हुए शर्मा ने कहा कि उनकी रुचि असमिया लोगों के अधिकारों की रक्षा करने में नहीं बल्कि अवैध अप्रवासियों को बचाने में है। करीमगंज, सिलचर, धुबड़ी और अन्य जगहों से आए लोगों ने लखीमपुर में जमीन पर अतिक्रमण किया है और कांग्रेस इसे उचित ठहराना चाहती है। इस बीच, धुबड़ी जिले के बिलासीपारा -शेष पृष्ठ दो पर

बीटीसी चुनाव : कोकराझाड़ में कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल हुए सीएम

कोकराझाड़ (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आगामी बोडोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीसी) चुनाव को ध्यान में रखते हुए *मिशन बीटीआर* के तहत बोडोलैंड टेरिटोरियल रीजन (बीटीआर) का पांच दिवसीय दौरा शुरू किया है। इस अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में विकास को गति देना और पार्टी के जनाधार को और मजबूत करना है। सोमवार को मुख्यमंत्री ने कोकराझाड़ शहर के -शेष पृष्ठ दो पर

खड़गे, राहुल 16 को कर सकते हैं राज्य का दौरा

गुवाहाटी। असम में अगले वर्ष के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं, ऐसे में कांग्रेस कोई भी मौका छोड़ने के मूड में नहीं है। उसने चुनावी लड़ाई की तैयारी शुरू कर दी है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी 16 जुलाई को पूर्वोत्तर राज्य का दौरा कर सकते हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के अनुसार, खड़गे और राहुल गांधी 16 जुलाई को असम का दौरा कर सकते हैं। नेता ने कहा कि हम दोनों नेताओं की ओर से अंतिम पुष्टि का इंतजार कर रहे हैं। पार्टी नेता ने कहा कि अपनी यात्रा के दौरान दोनों नेता राजनीतिक मामलों की समिति, कार्यकर्ता समिति और जिला -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने की कोकराझाड़ में पांच योजनाओं की समीक्षा

कोकराझाड़ (हि.स./नि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज कोकराझाड़ जिला उपायुक्त कार्यालय में बीटीआर के जिला आयुक्त व अन्य प्रमुख अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक का उद्देश्य कोकराझाड़, बाउखुंगरी, दोतमा, गोसाईगांव और पर्बतझोरा विधानसभा क्षेत्रों में संचालित कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करना था। मुख्यमंत्री ने बैठक में *अरुणोदोई 3.0*, मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता अभियान, सीएमएएए (मुख्यमंत्री आय सहायता योजना) और एक कली दो पता योजनाओं के कार्यान्वयन की तैयारियों की विस्तार से जानकारी ली। उल्लेखनीय है कि कोकराझाड़ जिले में वर्तमान में अरुणोदोई योजना के -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

शत्रु दण्ड नीति के ही योग्य है।
– **आचार्य चाणक्य**

पूर्णिया में डायन के शक में एक ही परिवार के पांच लोगों को जिंदा जलाया

पटना। बिहार के पूर्णिया में डायन होने का आरोप लगाकर एक ही परिवार के 5 लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गई। मृतकों में तीन महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं। घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है। लोगों का कहना है कि गांव के कुछ लोगों को बाबू लाल उरांव की मां पर डायन होने का शक था। इसके बाद गांव के लोगों ने ही पहले उनके परिवार के साथ मारपीट की और बाद में जिंदा जला दिया। नृशंस हत्याकांड के बाद आरोपियों ने मृतकों के शवों को किसी सुनसान जगह पर गाड़ दिया है। पुलिस ने बताया है कि मामला मुफस्सिल थाना क्षेत्र के राजीगंज पंचायत के टेटगामा वार्ड-10 का है। दर्दनाक घटना को गांव के लोगों ने मृतक के पुत्र के सामने ही अंजाम -शेष पृष्ठ दो पर

9 को राष्ट्रव्यापी हड़ताल में शामिल होने से राज्यव्यापी परिवहन ठप्प होने की संभावना

गुवाहाटी। 9 जुलाई को अखिल भारतीय आम हड़ताल के राष्ट्रव्यापी आह्वान के साथ एकजुटता प्रदर्शित करते हुए असम में मोटर परिवहन श्रमिक संगठनों ने बुधवार सुबह 5 बजे से 24 घंटे की पूर्ण परिवहन हड़ताल की घोषणा की है। उनका आरोप है कि वे केंद्र की *जन-विरोधी* और *श्रमिक-विरोधी* नीतियों का विरोध कर रहे हैं। देश भर के केंद्रीय ट्रेड यूनियनों (सीटीयू) और राष्ट्रीय फेडरेशनों द्वारा शुरू की गई इस हड़ताल को असम के सभी क्षेत्रों के श्रमिकों का समर्थन प्राप्त है, तथा इसकी *पूर्ण सफलता* सुनिश्चित करने के लिए पूरे राज्य में लामबंदी अभियान और सार्वजनिक बैठकें आयोजित की जा रही हैं। मोटर परिवहन श्रमिक संगठनों ने सोमवार को एक संयुक्त बयान में कहा कि हड़ताल में उठाई गई मांगें हमारी आबादी के हर वर्ग के ज्वलंत मुद्दों को प्रतिबिंबित करती हैं। 24 घंटे की हड़ताल से राज्य भर में सभी प्रकार के मोटर परिवहन वाहन प्रभावित हो सकते हैं, सामान्य परिचालन 10 जुलाई को सुबह 5 बजे से बहाल होने की उम्मीद है। परिवहन यूनियनों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार द्वारा पारित कई कानूनों और नीतिगत उपायों का हवाला दिया, जिनके बारे में उनका दावा है कि इनसे -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

नेपाल में हड़ताल के कारण चिकित्सा सेवाएं बाधित

काठमांडू (हि.स.)। नेपाल मेडिकल एसोसिएशन (एनएमए) द्वारा बुलाए गए राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन के बाद आपातकालीन सेवाओं को छोड़कर पूरे नेपाल में चिकित्सा सेवाएं आज से बंद कर दी गई हैं। यह विरोध उपभोक्ता अदालतों के हालिया फैसलों के जवाब में शुरू किया गया, जिसके बारे में डॉक्टरों का -शेष पृष्ठ दो पर

चुनाव से पहले ही करना होगा देश में सुधार, यूनुस को अपनों ने दी धमकी

ढाका। बांग्लादेश की सत्ता संभाले हुए मोहम्मद यूनुस को लगभग 10 महीने हो गए हैं, लेकिन देश के हालात दिन बा दिन बिगड़ते जा रहे हैं। यूनुस ने सत्ता संभालते हुए देशवासियों को जो सपने दिखाए थे, उनको अभी तक पूरा नहीं किया जा सका है। राजनीतिक दलों के दबाव के बाद अंतरिम सरकार दिसंबर से जून 2026 तक चुनाव कराने की बात कर चुकी है, लेकिन अब यूनुस के सहयोगी ने ही उनके खिलाफ मोर्चा -शेष पृष्ठ दो पर

बिहार में 17 राजनीतिक दलों की मान्यता पर संकट, कारण बताओ नोटिस किया जारी

पटना। बिहार में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जिसको लेकर सभी राजनीतिक दल तैयारियों में जुट गए हैं। इस बीच चुनाव से पहले 17 मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की मान्यता पर खतरा मंडरा रहा है। निर्वाचन आयोग ने इन दलों को डीलिस्टिंग की चेतावनी जारी की है। आयोग के अनुसार, इन दलों ने 2019 से अब तक कोई भी चुनाव नहीं लड़ा है, जिससे उनकी सक्रियता पर सवाल उठे हैं। चुनाव आयोग ने सभी दलों को 15 जुलाई तक स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया है। समय पर जवाब नहीं देने की स्थिति में इन दलों की मान्यता रद्द की जा सकती है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि इन दलों -शेष पृष्ठ दो पर

हर मंडल, हर बस्ती में हिंदू सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे

संघ ने घर-घर संपर्क की भी योजना बनाई

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की दिल्ली में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में देश की सुरक्षा के साथ-साथ मणिपुर के हालात पर भी चर्चा की गई है। मणिपुर में हालात काफी बेहतर हुए हैं, हालांकि इसे पूरी तरह से स्थिति सामान्य होने में कुछ समय लग सकता है। संघ का मानना है कि देश हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण विकास हासिल कर रहा है। हालांकि, इस विकास को हर दृष्टि से सर्व समावेशी बनाने के लिए संघ काम करेगा। इसके लिए हर मंडल और हर बस्ती में हिंदू सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। 11360 से अधिक सामाजिक सद्भाव बैठकों को आयोजित करने का निर्णय किया गया है। इस बार विजयादशमी को संघ के ड्रेस कोड में स्वयंसेवक पहुंचेंगे और लोगों से संपर्क स्थापित करेंगे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील अंबेकर ने सोमवार को एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि समाज को सुदृढ करने के -शेष पृष्ठ दो पर

उपराष्ट्रपति ने न्यायपालिका की गिरती साख पर जताई चिंता

कोच्चि (हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को केरल के कोच्चि में नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ एडवांस्ड लीगल स्टडीज (एनयूएएलएस) के छात्रों को संबोधित करते हुए न्यायपालिका की स्वतंत्रता का समर्थन करते हुए उसकी पारदर्शिता और जवाबदेही पर गंभीर सवाल उठाए। उपराष्ट्रपति ने गत 14 मार्च को दिल्ली उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश के सरकारी आवास पर आग लगने की घटना में अग्निशमन अभियान के दौरान भारी मात्रा में नकदी मिलने पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह कोई मामूली बात नहीं है। इतना पैसा कहां से आया? यह किसका था? -शेष पृष्ठ दो पर

देश में पहली बार लोग खुद भर सकेंगे जनगणना का फॉर्म, केंद्र सरकार ने की खास तैयारी

नई दिल्ली। भारत में होने वाली अगली जनगणना को लेकर सरकार ने एक बड़ा एलान किया है। यह देश की पहली डिजिटल जनगणना होगी, जिसमें आम लोग खुद भी अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे। इसके लिए सरकार एक खास वेब पोर्टल लॉन्च करने जा रही है। इसके अलावा, मोबाइल ऐप के जरिए भी जनगणना का काम पूरा किया जाएगा। भारत में अब तक जनगणना के लिए घर-घर जाकर सरकारी कर्मचारी कागज पर जानकारी इकट्ठा करते थे। लेकिन अब सरकार इस प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल बनाने जा रही है। पहली बार मोबाइल ऐप और ऑनलाइन पोर्टल के जरिए लोगों की जानकारी ली जाएगी। इससे न केवल काम तेजी से होगा, बल्कि डेटा भी सुरक्षित तरीके से सीधे सरकार के केंद्रीय सर्वर पर पहुंचेगा। सरकार ने कहा है कि नागरिक चाहें तो खुद ही अपनी जनगणना की जानकारी वेब पोर्टल पर दर्ज कर सकते हैं। इसके लिए दो चरणों में जनगणना होगी। पहला चरण *हाउस लिस्टिंग एंड हाउसिंग सेंसस* यानी घर और मकान की -शेष पृष्ठ दो पर

चमत्कार! हिंदू परिवार के 20 लोगों की मौत लेकिन तीन महीने के बच्ची को नहीं आई खरोंच

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में एक इमारत गिरने के बाद एक चमत्कार सामने आया है। कराची के ल्यारी इलाके में एक पांच मंजिला इमारत गिर गई। ये हादसा इतना बड़ा था कि बचाव अभियान लगभग 53 घंटों में पूरा किया गया। अधिकारियों के मुताबिक कुल 27 शव बरामद किए गए हैं, जिनमें से 20 एक ही परिवार के थे। एक रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने बताया कि 27 में से 20 लोग हिंदू समुदाय के थे और वे एक ही परिवार के सदस्य थे जो आपस में रिश्तेदार भी थे। साथ ही बताया कि इस खतरनाक हादसे में तीन महीने की बच्ची को आश्चर्यजनक रूप से कोई नुकसान नहीं पहुंचा, उसे सिर्फ मामूली चोटें आईं। बच्ची के साथ हुए चमत्कार को सुन हर कोई हैरान। इस दुर्घटना के बाद सवाल उठ रहा है कि इतना बड़ा हादसा क्यों और किसकी लापरवाही से हुआ है। अधिकारियों ने अभी तक इसके पीछे की वजह के बारे में कुछ नहीं कहा है, हालांकि -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

छत्तीसगढ़ के 2161 करोड़ के शराब घोटाले में 28 आबकारी अधिकारियों के खिलाफ चालान

रायपुर(हि.स.)। छत्तीसगढ़ के चर्चित 2161 करोड़ के शराब घोटाले में आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (ईओडब्ल्यू) ने सोमवार को इस मामले में आरोपित बनाए गए 28 आबकारी अधिकारियों के खिलाफ करीब 2300 पन्नों का चालान विशेष आर्थिक अपराध न्यायालय (स्पेशल कोर्ट) में पेश किया है। छत्तीसगढ़ में पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में हुए इस शराब घोटाले का खुलासा ईडी और ईओडब्ल्यू की जांच में हुआ था। शनिवार को घोटाले से जुड़े प्रमुख 3 शराब निर्माता कंपनियों के मालिकों की याचिका पर भी सुनवाई की जाएगी। आरोप पत्र में बताया गया है कि आबकारी विभाग में 2019 से 2023 तक भ्रष्टाचार हुआ। शुरुआत में हर महीने 800 पेटी शराब से भरी 200 ट्रक डिस्टलरी से निकलती थी। एक पेटी को 2840 रुपए में बेचा जाता था। उसके बाद हर माह 400 ट्रक शराब की सप्लाई शुरू हो गई। प्रति पेटी शराब 3880 रुपए में बेचा जाने लगा। ईओडब्ल्यू की प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि तीन साल में 60 लाख से ज्यादा शराब की पेटियां अवैध रूप से बेची गई। इस दौरान डिस्टलरी से जिलों में पदस्थ आबकारी अधिकारियों की निगरानी में डुप्लीकेट होलोग्राम लगा अवैध शराब डिस्टलरी से निकलकर सीधे दुकान जाता था। तत्कालीन सहायक आयुक्त जनार्दन कौरव की निगरानी में डुप्लीकेट होलोग्राम प्रिंट होकर अमित सिंह, दीपक दुआरी और प्रकाश शर्मा के माध्यम से तीनों डिस्टलरी में जाती थी। वहां होलोग्राम लगाकर अवैध शराब सीधे दुकान पहुंचता था। डुप्लीकेट होलोग्राम लगी शराब की बिक्री से अरुणपति त्रिपाठी को 20 करोड़ का कमीशन मिला है। बता दें कि, इससे पूर्व 30 जून को पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा के खिलाफ ईओडब्ल्यू ने विशेष कोर्ट में लगभग 1200 पन्नों का चौथा पूरक चालान पेश किया था, जिसमें लखमा की अहम भूमिका का उल्लेख किया गया है। ईओडब्ल्यू ने बताया कि पूर्व मंत्री कवासी लखमा को आबकारी घोटाले में उनके हिस्से का 64 करोड़ मिला है, जिसमें 18 करोड़ की अवैध धनराशि के निवेश और खर्च से जुड़े दस्तावेजी साक्ष्य भी मिले हैं। जिन आबकारी अधिकारियों के खिलाफ चालान पेश किया गया है उनमें गरीबपाल दर्दी, नोहर सिंह ठाकुर, सोनल नेताम, अलेख राम सिदार, प्रकाश पाल, एके सिंग, आशीष कोसम, जेआर मण्डावी, राजेश जयसवाल, जीएस नुखटी, जेआर पैकरा, देवलाल वैद्य, एके अनंत, वेदराम लहरे, एलएल ध्रुव, जनार्दन कोरव, अनिमेष नेताम, विजय सेन, अरविंद कुमार पाटले, प्रमोद कुमार नेताम, राम कृष्णा मिश्रा, विकास कुमार गोस्वामी, इकबाल खान, नितिन खंडुजा, नवीन प्रताप भिंग, सौरभ बख्शी, दिनकर वासनिक, मोहित कुमार जयसवाल, नीलू नोतानी एवं मंजू कसेर शामिल हैं। अब तक तीन पूरक अभियोग पत्रों सहित कुल चार अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किए जा चुके हैं। इसके अलावा मामले में 13 आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

पूसीरे ने मानसून के दौरान ट्रेन परिचालन के लिए संरक्षा उपायों को किया सुदृढ़

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) ने मानसून के दौरान ट्रेनों के सुरक्षित और निर्बाध परिचालन को सुनिश्चित करने के लिए एक श्रृंखलाबद्ध रणनीतिक तैयारियों को लागू किया है। इस क्षेत्र में भारी बारिश, भूस्खलन और बाढ़ की प्रवृत्ति को देखते हुए, संवेदनशील स्थानों पर स्थायी तौर पर वॉचमेन की तैनाती की गई है, जो निरंतर पटरियों की अवस्था की निगरानी करते हैं और किसी भी खतरे की स्थिति में तुरंत अलर्ट करते हैं। बहाव-प्रवण और बाढ़-संवेदनशील क्षेत्रों को मजबूत तटबंधों, बेहतर जल निकासी प्रणाली और प्राकृतिक जल प्रवाह मार्गों की सफाई के माध्यम से सुदृढ़ किया गया है। इसके अलावा, संकटपूर्ण स्थानों विशेष रूप से पहाड़ी सेक्शनों पर जल स्तर मापने वाले गेज लगाए गए हैं, ताकि सटीक समय पर जल स्तर की निगरानी की जा सके। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने सोमवार को बताया है कि आपातकालीन स्थितियों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए, पूसीरे ने प्रमुख स्थानों पर बोल्डर, बालू की बोरियां और वायर मेश जैसी सुरक्षा सामग्रियां पहले से ही इकट्ठा कर रखा है। *इमरजेंसी ऑन व्हील्स* ट्रेनें पूरी तरह से सज्ज हैं और किसी भी स्थिति से तुरंत निपटने के लिए आवश्यक उपकरणों के साथ तकनीकी स्टाफ को भी तैयार रखा गया हैं। सभी मंडलों में रैपिड रिस्पॉन्स टीमों का गठन भी किया गया है, जो भूस्खलन, पटरियों के बहाव और जलभराव जैसी घटनाओं का कम से कम समय में समाधान सुनिश्चित करती हैं। ये टीमें सामान्य रेल परिचालन को शीघ्र पुनर्बहाल करने के लिए प्रशिक्षित हैं, जिससे यात्री और माल परिवहन सेवाओं में किसी भी प्रकार के व्यवधान को कम से कम किया जा सके। केवल लामडिंग मंडल में ही कुल 197 वैगनों में बोल्डर और क्वारी/डस्ट/शिंगल लोड कर रणनीतिक स्थानों पर जमा किए गए हैं, जिनमें 144 वैगन बोल्डर और 53 वैगन क्वारी/डस्ट/शिंगल शामिल हैं। ये वैगन जागीरोड, खटखटी, शुखोवि, माईबांग और बदरपुर जैसे प्रमुख स्थानों पर रखे गए हैं। अन्य मंडलों में भी मानसून की तैयारी के अनुसार आपूर्ति की गई है- तिनसुकिया में 52 वैगन, रंगिया में 36 वैगन, अलीपुरद्वार में 20 वैगन और कटिहार मंडल में 40 वैगन सामग्री उपलब्ध कराई गई है।

DDB-266/SOPD-G/2025-26/ *Date 03/07/2025*

NOTICE INVITING TENDER

Sealed Tenders are invited with affixing non-refundable court fee of Rs. 8.25 (Rupees Eight and twenty-five paise) only by the undersigned, BTC, Kokrajhar from the intending Contractors/Suppliers/Firms for the works mentioned below under SOPD-G-V-BE Under Tribal Affairs (P) Deptt. during the Financial year 2025-26.

Sl. No.	Name of Activity.	Estimated value (in. Rs.)	EMD/Bid Security (in Rs.1% ST, SC & 2% Oth)	Tender fees (in Rs.)
1	Const. of Ramfalbil Primary BSS Office Building at Serfanguri Bazar, under Nepalpara VCDC.	Rs. 15,95,000.00	1% for reserve category & 2% for unreserve.	Rs. 500.00

Pre-bid Date & Time :- 08/07/2025 at 10:30 Hrs.
Last Date & Time of Bid Submission :- 24/07/2025 at 10:30 Hrs.
Date & Time of Bid Opening :- 24/07/2025 at 14:30 Hrs.

The Tender document can be seen/obtained from the undersigned during Office hours a pre-bid meeting will be held as mentioned above. The address for the meeting is BDO's Chamber Dotma Dev. Block, Dotma. The bid will be opened in the Office of the undersigned as per the schedule mentioned above. The TIA reserves the right to accepts or reject any bid/tender and to cancel/annual the bidding process and reject all bids at any time prior to contract award.

Sd/- Block Development Officer,
Dotma Dev. Block Dotma

IPR(BTC)/C/2025-26/1455

भाषा विवाद पर राज्यमंत्री ने महाराष्ट्र के सीएम को लिखा पत्र

सिरोही (हिंस)। पंचायतीराज एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री ओटाराम देवासी ने महाराष्ट्र के भायंदर क्षेत्र में राजस्थानी मूल के एक प्रवासी नागरिक के साथ हुई मारपीट और दुर्व्यवहार की घटना को गंभीर और चिंताजनक बताया है। इस मामले में उन्होंने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर घटना की कड़ी निंदा करते हुए दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की है। भायंदर में एक व्यक्ति को केवल इसलिए निशाना बनाया गया क्योंकि वह मराठी भाषा में वार्तालाप नहीं कर सका।

पूर्व सीएम अखिलेश यादव पर अभद्र टिप्पणी, मुकदमा दर्ज

फतेहपुर (हिंस)। जिले में पुलिस ने पूर्व सीएम व सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में सोमवार को सदर कोतवाली पुलिस ने आरोपी पर मुकदमा दर्ज किया है। जिले का कैलाश दीक्षित नामक एक युवक ने अपने फेसबुक अकाउंट पर सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव के खिलाफ अभद्र टिप्पणी किया था। सोशल मीडिया में वायरल टिप्पणी के बाद जिले समेत प्रदेश के सपाइयों में जबरदस्त नाराजगी है। सदर कोतवाली क्षेत्र के शहर स्थित आवास विकास मोहल्ला निवासी जगदीश सिंह चौहान, जो पेशे से अधिवक्ता है और सपा के कद्दावर नेता भी हैं।

पुलिस ने कुख्यात चोर को किया गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। विशेष सूचना के आधार पर बशिष्ठ थाना पुलिस ने एक छापामारी अभियान चलाते हुए एक कुख्यात चोर फिरतूज अली (24) को बशिष्ठ स्थित बंगाली बस्ती क्षेत्र से गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी के दो मोबाइल हैंडसेट भी बरामद किए हैं। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

पृष्ठ एक का शेष

राज्य में जारी रहेगा ...

में तैयारियां चल रही हैं, जहां 8 जुलाई को बेदखली अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान संतोषपुर, चारुवाबाखरा और चिरकुटा जैसे क्षेत्रों में चलाया जाएगा। कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए तिलपारा और संतोषपुर के आसपास बड़ी संख्या में पुलिस और सशस्त्र कर्मियों को तैनात किया गया है। प्रशासन ने प्रतिरोध की आशंका के चलते बुलडोजर और बैकहो लोडर मंगवाए हैं। साफ की जा रही भूमि, लगभग 4,000 बीघा, एक प्रस्तावित ताप विद्युत परियोजना के लिए निर्धारित की गई है। असम सरकार पहले ही इस क्षेत्र का सर्वेक्षण करा चुकी है तथा मुख्यमंत्री शर्मा ने दो बार व्यक्तिगत रूप से इस स्थल का निरीक्षण किया है। अडानी समूह के निदेशक जीत अडानी, जिनके इस परियोजना से जुड़े होने की संभावना है, ने भी स्थान का दौरा किया है। जैसे ही नोटिस भेजे गए, कई परिवारों ने कथित तौर पर स्वेच्छा से अपने घरों को तोड़ना शुरू कर दिया, जिससे उस क्षेत्र में वर्षों से बसी बस्तियों का भावनात्मक अंत हो गया। ग्वालपाड़ा के कृष्णई पैकान संरक्षित वन क्षेत्र में लगभग 1,038 बीघा भूमि पर काबिज लगभग 1,080 परिवारों को नोटिस जारी किए गए हैं। 10 जुलाई के बाद शुरू होने वाली इस बेदखली का उद्देश्य क्षेत्र में बढ़ते मानव-हाथी संघर्ष को कम करना है। प्रभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) तेजस मारिस्वामी ने प्रेस को बताया कि लगभग 40 प्रतिशत निवासी पहले ही स्वेच्छा से घर खाली कर चुके हैं। मारिस्वामी ने कहा कि 10 जुलाई के बाद हम शेष परिवारों को बेदखल करने की प्रक्रिया शुरू करेंगे। यह अभियान हमारे बड़े संरक्षण लक्ष्य का हिस्सा है। हम अभियान के तुरंत बाद बांस के बागान लगाकर जंगल को बहाल करने की योजना बना रहे हैं। नगांव जिले के धींग क्षेत्र में प्रशासन ने अलीतांगनी मौजा में सरकारी जमीन पर अतिक्रमण करने वालों को नोटिस जारी किया है। सर्किल अधिकारी ने 5 जुलाई को जारी नोटिस में निवासियों से सात दिनों के भीतर क्षेत्र खाली करने को कहा, अन्यथा कानूनी प्रावधानों के तहत बेदखली का सामना करने को तैयार रहें। जबकि सरकार का कहना है कि सभी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन किया जा रहा है और अभियान शांतिपूर्ण ढंग से चलाया जा रहा है, फिर भी इन अभियानों ने चिंता और राजनीतिक विवाद को जन्म दिया है। विपक्ष ने राज्य पर विकास और संरक्षण की आड़ में हाशिए पर पड़े समूहों को निशाना बनाने का आरोप लगाया है। जैसे-जैसे असम इन अभियानों के लिए तैयार हो रहा है, लक्षित क्षेत्रों में तनाव बढ़ता जा रहा है - जबकि प्रशासन इस बात पर जोर दे रहा है कि ये कदम आवश्यक और अपरिहार्य हैं।

बीटीसी चुनाव : कोकराझाड़...

ग्रीन फील्ड मैदान में पार्टी कार्यकर्ताओं की एक विशाल रैली को संबोधित किया। कोकराझाड़, जो बीटीआर का मुख्यालय है, वहां यह आयोजन भाजपा के लिए क्षेत्रीय मतदाताओं तक पहुंचने का एक अहम क्षण साबित हुआ। पार्टी ने बीटीसी चुनाव और 2026 के असम विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर इस रैली के माध्यम से अपनी रणनीति को स्पष्ट किया। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने भापजा नेतृत्व वाली सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए विशेष रूप से क्षेत्र में शांति स्थापना को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि बीटीआर शांति समझौते के बाद न तो कोई एनकाउंटर हुआ है, न ही कोई बम धमाका। क्षेत्र में शांति लौटी है और यह केवल भाजपा सरकार के प्रयासों के कारण संभव हुआ है। उन्होंने उत्साहित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि जहां पिछले पांच साल शांति स्थापित करने के लिए समर्पित थे, वहीं अगले पांच सालों में क्षेत्र के सभी समुदायों के लिए समग्र विकास सुनिश्चित किया जाएगा। हम चुनाव हारने के लिए मैदान में नहीं हैं। हम जीतने आए हैं- शांति के लिए, विकास के लिए और बीटीआर के लोगों के कल्याण के लिए। मुख्यमंत्री शर्मा ने बीटीसी चुनाव के बाद 2026 के विधानसभा चुनाव के लिए जमीनी स्तर पर काम शुरू करने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि बीटीसी चुनाव के बाद हम पूरी तरह से विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू करेंगे। हमारा लक्ष्य स्पष्ट है— बीटीआर में और पूरे असम में जीत हासिल कर फिर से सरकार बनाना है। इस सभा में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया, मंत्री अशोक सिंघल, बीटीसी के कई कार्यकारी सदस्य (ईएम), विधायक और वरिष्ठ भाजपा नेता शामिल हुए— जो यह दर्शाता है कि पार्टी इस क्षेत्र पर किस हद तक ध्यान केंद्रित कर रही है। विपक्ष पर तीखा हमला करते हुए मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि यहां कोई कांग्रेस नहीं है। कांग्रेस पाकिस्तान में है। उनके इस बयान पर जनसमूह में जोरदार तालियां गूंज उठीं, जो यह दर्शाता है कि जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं, राजनीतिक माहौल गर्माता जा रहा है।

खड़गे, राहुल 16 को...

कांग्रेस समिति की बैठक भी करेंगे। पार्टी नेता ने कहा कि गौरव गोगोई के नेतृत्व में असम कांग्रेस हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार से मुकाबला कर रही है। नेता ने कहा कि देश की सबसे पुरानी पार्टी अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों में सत्ता में वापसी की उम्मीद कर रही है। पार्टी नेता ने कहा कि कांग्रेस खड़गे और राहुल गांधी के दौरे से पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाना चाहती है। नेता ने कहा कि खड़गे और राहुल गांधी अपनी यात्रा के दौरान पूर्वोत्तर राज्य में रणनीति और चुनावी तैयारियों पर चर्चा करेंगे। मुख्यमंत्री शर्मा पिछले कुछ महीनों से राज्य में गोगोई पर निशाना साध रहे हैं। हालांकि, कांग्रेस ने गोगोई को असम का नया इकाई प्रमुख नियुक्त किया है। पिछले एक महीने से गोगोई असम में भाजपा सरकार पर हमले तेज करने और सरकार की विफलताओं को उजागर करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने की ...

तहत 60 हजार लाभार्थियों को शामिल किया गया है, जिसे अरुणोदोई 3.0 के तहत बढ़ाकर 1.40 लाख किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि चयन प्रक्रिया को शीघ्रता से पूरा करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं। सीएमएएए योजना की समीक्षा करते हुए डॉ. शर्मा ने अब तक प्राप्त आवेदनों की संख्या, निगरानी समिति द्वारा चयन प्रक्रिया, एवं लाभार्थियों के बैंक लिंकेज की स्थिति की जानकारी ली। मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता अभियान की समीक्षा के दौरान उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत 1.5 लाख महिलाओं को कोकराझाड़ जिले में लाभान्वित किया जाएगा। वहीं एति कोली दूती पात योजना की समीक्षा में उन्होंने कहा कि इस योजना के अंतर्गत 7,000 कर्मचारियों को लाभ मिलेगा। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री ने जिले में राशन कार्ड वितरण की स्थिति की भी समीक्षा की। उन्होंने बताया कि जिले के पांचों विधानसभा क्षेत्रों में 60 हजार नए लाभार्थियों को राशन कार्ड वितरित किए जाएंगे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि 15 अगस्त, 2025 से पहले सभी प्रशासनिक प्रक्रियाओं को पूरा कर लिया जाए। इस बैठक में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री अशोक सिंघल, हथकरघा एवं वस्त्र मंत्री यूजी ब्रह्म, सांसद जयंत बसुमतारी, विधायकगण, बीटीसी के प्रधान सचिव आकाशदीप एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

पूर्णिया में डायन के ...

दिया है। घटना के बाद पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है और पूछताछ की जा रही हैं। मृतक की पहचान सीता देवी 48 साल, बाबू लाल उरांव 50 साल, कातो देवी 65 साल, मंजीत उरांव 25 साल और रानी देवी 23 साल शामिल हैं। मृतक महिला के बेटे सोनू ने बताया कि गांव के कुछ लोगों को शक था कि उसकी दादी काला जादू करती है, दादी पर डायन होने का आरोप लगाकर रविवार रात गांव प्रमुख नकुल उरांव के नेतृत्व में एक बैठक बुलाई गई थी। बैठक में गांव के करीब 200 लोग शामिल हुए। इसी दौरान डायन का आरोप लगाकर कातो देवी समेत परिवार के अन्य लोगों को बुलाया गया। गांव के लोगों ने सोनू की दादी के बचाव में एक न सुनी और डायन होने की बात कहकर पूरे परिवार के साथ जमकर मारपीट की। पहले सभी को लाठी-डंडों से बेरहमी से पीटा गया। इसके बाद परिवार के सभी सदस्यों पर पेट्रोल छिड़कर जिंदा जला दिया। जब सभी की तड़प-तड़पकर मौत हो गई तो मृतकों के शवों को ट्रैक्टर से ले गए और एक सुनसान जगह ठिकाने लगा दिया। घटनास्थल पर उपस्थित सोनू किसी तरह जान बचाकर वहां से भाग गया। जिसके कारण उसकी जान बच गई। सोनू ने ही पूरी घटना की जानकारी पुलिस को दी है। घटना की सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाना समेत आसपास के 3 थाने की पुलिस मौके पर पहुंची है। एसपी स्वीटी सहरावत और एएसपी आलोक रंजन भी मौके पर पहुंचे हैं। मामले की संगीनता को देखते हुए पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है और जांच की जा रही है। वहीं मुफस्सिल थानाध्यक्ष उत्तम कुमार ने बताया कि डायन का आरोप लगाकर एक ही परिवार के पांच सदस्यों को गांव के प्रधान सहित अन्य लोगों ने मिलकर हत्या की है। घटना के बाद ट्रैक्टर चालक समेत गांव के प्रधान नकुल उरांव को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने देर शाम 3 शवों को बरामद किया।

9 को राष्ट्रव्यापी हड़ताल ...

श्रमिकों की आजीविका खतरे में पड़ गई है, विशेष रूप से परिवहन क्षेत्र में। पिछले विरोध प्रदर्शनों को याद करते हुए यूनियनों ने कहा कि मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने सत्ता में आने के तुरंत बाद सड़क परिवहन और सुरक्षा विधेयक, 2014 पेश किया, जिसे अंतत: देश भर में परिवहन यूनियनों के *चौतरफा विरोध* के बाद वापस ले लिया गया। हालांकि, उन्होंने दावा किया कि मोटर वाहन (संशोधन) अधिनियम, 2019 के पारित होने के बाद भी मूल मुद्दे बने रहे, जिसमें यातायात उल्लंघन के लिए ड्राइवरों पर *अमानवीय जुर्माना* और दंडात्मक उपाय पेश किए गए। यूनियनों ने कहा कि ये जुर्माने अंधाधुंध तरीके से लगाए गए हैं, जिससे कोविड-19 संकट से पहले से ही प्रभावित श्रमिकों का जीवन और अधिक कष्टकारी हो गया है। फोरम ने आरोप लगाया कि अत्यधिक जुर्माने और उत्पीड़न के कारण बड़ी संख्या में ड्राइवर इस पेशे से बाहर हो गए। इसका उद्देश्य सार्वजनिक परिवहन क्षेत्र को नष्ट करना और इसे कॉर्पोरेट घरानों को सौंपना था। मोटर परिवहन कर्मचारियों ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 106(2) का भी विरोध किया है और इसे *हिट एंड रन एक्ट* बताया है, जिसके बारे में उनका कहना है कि यह ड्राइवरों पर अनुचित आपराधिक दायित्व थोपता है। हालांकि सरकार ने पहले बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के बाद इस खंड को वापस लेने पर सहमति व्यक्त की थी, लेकिन यूनियनों का कहना है कि यह अभी भी प्रचलन में है। लंबे समय से वादा किए गए सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम का क्रियान्वयन न होना भी नाराजगी को और बढ़ाता है, जिसमें परिवहन कर्मचारियों के लिए पेंशन, चिकित्सा उपचार और शिक्षा लाभ शामिल हैं। दशकों के आंदोलनों और स्पष्ट आश्वासनों के बावजूद, यूनियनों का दावा है कि कोई महत्वपूर्ण प्रगति नहीं हुई है। इन अनसुलझे मुद्दों के मद्देनजर, संयुक्त मंच ने असम के सभी लोगों से 9 जुलाई की हड़ताल के लिए *सौहार्दपूर्ण और पूर्ण समर्थन* का आह्वान किया है, तथा इस बात पर प्रकाश डाला है कि यह कार्रवाई न केवल परिवहन श्रमिकों के हित में है, बल्कि सभी श्रमिक वर्ग के हित में है। फोरम ने कहा कि यह सिर्फ हड़ताल नहीं है - यह सम्मान, आजीविका और न्याय की लड़ाई है।

बिहार में 17 राजनीतिक...

को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के तहत प्राप्त विशेष लाभों का उपयोग तो हो रहा है, लेकिन उनकी चुनावी सक्रियता न के बराबर रही है। आयोग की इस कार्रवाई से राजनीतिक हलकों में हलचल है। बिहार सरकार के निर्वाचन विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार इस साल 26 जून तक कई ऐसे रजिस्टर्ड और गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल हैं, जिसकी विभाग के स्तर पर सूची जारी की गई है। इन दलों में भारतीय बैकवर्ड पार्टी, भारतीय स्वराज दल, भारतीय युवा पार्टी (डेमोक्रेटिक), भारतीय जनतंत्र सनातन दल, बिहार जनता पार्टी, देसी किसान पार्टी, गांधी प्रकाश पार्टी, हमदर्दी जनरक्षक समाजवादी विकास पार्टी (जन सेवक), क्रांतिकारी साम्यवादी पार्टी, क्रांतिकारी विकास दल, लोक आवाज दल, लोकतांत्रिक समता दल, नेशनल जनता पार्टी (इंडियन), राष्ट्रवादी जन कांग्रेस, राष्ट्रीय सर्वोदय पार्टी, सर्वजन कल्याण लोकतांत्रिक पार्टी और व्यावसायिक किसान अल्पसंख्यक मोर्चा शामिल हैं। निर्वाचन विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि इन सभी राजनीतिक दलों के द्वारा सन 2019 से छह वर्षों में कोई भी चुनाव नहीं लड़ा गया है। जबकि रजिस्ट्रेशन के बाद लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के तहत आयोग द्वारा रजिस्टर्ड राजनीतिक दलों को कई लाभ सुविधा देय होती है। निर्वाचन विभाग द्वारा जानकारी दी गई है कि आयोग द्वारा ऐसे राजनीतिक दलों को कारण पृच्छा संबंधित नोटिस जारी कर दिया गया है और उनका पक्ष प्राप्त करके डिलिस्ट करने की कार्रवाई की जाएगी। उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि इन सभी दलों से अनुरोध है कि वह अपने तथ्यात्मक पक्षों को साक्ष्य के साथ मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, बिहार के कार्यालय में अगले महीने की 15 तारीख तक उपलब्ध कराएं, ताकि कार्यालय स्तर से प्रतिवेदन को भारत निर्वाचन आयोग को समय पर भेजा जा सके।

हर मंडल, हर बस्ती...

लिए घर-घर संपर्क करने की संघ की योजना है। संघ के सभी संगठनात्मक 924 जिलों में राष्ट्र और हिंदुत्व के महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा कराई जाएगी। संघ ने हर समाज और हर वर्ग के लोगों तक पहुंचने की योजना बनाई है। इनके माध्यम से हिन्दू समाज के सभी वर्गों को एकजुट करने की योजना है। संघ ने अपनी इस बैठक में माना है कि देश हर दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसमें देश-विदेश, शिक्षा, व्यापार और आर्थिक क्षेत्र शामिल है। लेकिन इसके साथ साथ संघ पारिवारिक और सामाजिक मूल्यों को मजबूत बनाने के लिए काम करेगा। इसका उद्देश्य समाज को हर क्षेत्र में भागीदार बनाने और समाज को सर्व समावेशी बनाना है। पंच परिवर्तन के द्वारा देश-समाज को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने की भी योजना है। उन्होंने कहा कि अप्रैल से जून के बीच आयोजित प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न हुए हैं। 40 वर्ष से कम आयु के लोगों के लिए आयोजित संघ शिक्षा वर्ग में 17609 लोगों ने प्रशिक्षण हासिल किया। 8812 स्थानों से आये शिक्षार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया है। 40 से 60 वर्ष की आयु के 4270 लोगों ने संघ शिक्षा वर्ग में हिस्सा लिया है। इसमें पढ़े-लिखे वर्ग और किसान-श्रमिक तक सभी शामिल हुए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की अखिल भारतीय प्रांत प्रचारक बैठक 4-6 जुलाई को दिल्ली के झंडेवालान स्थित संगठन के कार्यालय केशवकुंज में हुई। इस बैठक में आरएसएस के सर संघचालक मोहन भागवत, दत्तात्रेय होसबोले, अरुण कुमार, संगठन के 46 प्रांतों के प्रमुख और सहप्रमुख सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी सम्मिलित हुए।

उपराष्ट्रपति ने न्यायपालिका ...

यह एक आपराधिक मामला है और इसकी गहराई से जांच होनी चाहिए। अभी तक कोई एफआईआर दर्ज नहीं हुई है, जो चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका में हालिया घटनाएं लोकतंत्र की नींव को हिला रही हैं। यदि लोगों का विश्वस न्यायपालिका से उठ गया तो देश गंभीर संकट में आ जाएगा। सेवानिवृत्त न्यायाधीशों को दी जाने वाली पोस्टिंग पर भी उन्होंने चिंता जताई। उन्होंने कहा कि जब सभी को पोस्टिंग नहीं मिलती और कुछ को ही दी जाती है, तो इससे चयन में पक्षपात और संरक्षण की संस्कृति जन्म लेती है। यह न्यायपालिका की निष्पक्षता पर सीधा आघात है। आपातकाल के दौरान संविधान की प्रस्तावना में हुए संशोधन पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि यह उस समय हुआ जब लाखों लोग जेल में थे। मौलिक अधिकार पूरी तरह से निलंबित कर दिए गए थे। प्रस्तावना को बदला जाना लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ था। उन्होंने कहा कि आप माता-पिता को नहीं बदल सकते, उसी तरह संविधान की प्रस्तावना भी नहीं बदली जानी चाहिए। उन्होंने संविधान में शक्ति के पृथक्करण के सिद्धांत को सर्वोपरि बताते हुए कहा कि कार्यपालिका, न्यायपालिका और विधायिका तीनों को अपनी-अपनी सीमाओं में रहकर काम करना चाहिए, अन्यथा लोकतंत्र खतरे में पड़ सकता है।

देश में पहली बार ...

जानकारी, और दूसरा चरण *पॉपुलेशन एनुमरेशन* यानी जनसंख्या की गिनती। दोनों चरणों में लोग खुद अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। जनगणना 2026 और 2027 में दो चरणों में होगी। पहला चरण 1 अप्रैल 2026 से शुरू होगा, जिसमें मकानों की गिनती की जाएगी। दूसरा चरण 1 फरवरी 2027 से शुरू होगा, जिसमें लोगों की जनसंख्या, जाति और बाकी जरूरी जानकारियां जुटाई जाएंगी। इसके लिए 16 जून 2024 को सरकारी अधिसूचना जारी की गई है। यह आजादी के बाद भारत की 8वीं और कुल 16वीं जनगणना होगी। इतने बड़े काम के लिए सरकार ने देशभर में करीब 34 लाख लोगों को नियुक्त किया है। इन कर्मचारियों को तीन स्तरों पर ट्रेनिंग दी जाएगी। पहले राष्ट्रीय ट्रेनर, फिर मास्टर ट्रेनर और आखिर में फील्ड ट्रेनर इन्हें तैयार करेंगे। हर गांव और शहर को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटा जाएगा और हर हिस्से के लिए एक कर्मचारी जिम्मेदार होगा। इससे कोई भी घर या व्यक्ति गिनती से न छूटे। सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को आदेश दिया है कि अगर वे अपने जिलों, तहसीलों या पुलिस थानों की सीमाओं में कोई बदलाव करना चाहते हैं, तो उसे 31 दिसंबर 2025 से पहले कर लें। उसके बाद वही सीमाएं जनगणना में अंतिम रूप से मानी जाएंगी। सीमाएं तय करने के तीन महीने बाद ही जनगणना शुरू की जा सकती है। इससे जनसंख्या गिनती में कोई गड़बड़ी नहीं होगी।

चमत्कार! हिंदू परिवार...

सिंध सरकार का दावा है कि ल्यारी में करीब 22 जर्जर इमारतों में से 14 को खाली करा लिया गया है। इस इमारत के भी जर्जर होने की बात कही जा रही है, जो कमजोर होने की वजह से ढह गई। 27 लोगों की जान लेने वाले हादसे में तीन महीने की एक बच्ची चमत्कारी रूप से बच गई है। बचाव कर्मी मजहर अली ने बीबीसी को बताया कि जब वह और उनके सहकर्मी घटनास्थल पर पहुंचे तो तुरंत मलबे के नीचे संभावित जीवित लोगों की तलाश शुरू कर दी गई। उन्होंने कहा कि हमें मलबे के पास तीन महीने की एक बच्ची जिंदा और स्वस्थ मिली, जबकि लड़की की मां और परिवार के कई सदस्यों के शव कुछ दूरी पर मिले। मजहर कहते हैं लड़की के शरीर पर धूल-मिट्टी लगी हुई थी और मामूली चोट के कारण उसकी नाक से खून निकल रहा था। इसके अलावा लड़की के शरीर पर कोई घाव नहीं था। उन्होंने कहा कि लड़की को जहां पाया गया, वहां से थोड़ी दूरी पर उसकी मां के शव को मलबे से काटकर निकाला गया। उसके परिवार के अन्य सदस्यों के शव भी भारी मलबे से निकाले गए। मजहर का मानते हैं कि हो सकता है, जब ऊपर से मलबा गिरने लगा तो मां ने बच्चे को बचाने के लिए उसे अपने से दूर फेंक दिया, जिसके कारण वह बच गई।

नेपाल में हड़ताल ...

कहना है कि उन्होंने चिकित्सा नैतिकता और पेशेवर आचरण की देखरेख करने वाले वैधानिक नियामक निकाय नेपाल चिकित्सा परिषद (एनएमसी) के अधिकार क्षेत्र का अतिक्रमण किया है। आज से शुरू हुई देशव्यापी हड़ताल चिकित्सा समुदाय और न्यायपालिका के बीच हफ्तों से बढ़ते तनाव के चलते है। हाल के फैसलों में, उपभोक्ता अदालत ने चिकित्सा लापरवाही के मामलों में पर्याप्त मुआवजे का आदेश दिया, जिनमें काठमांडू के ओम अस्पताल को 50 लाख रुपए, हिमालय अस्पताल और इसमें कार्यरत डॉक्टरों को एक करोड़ 45 लाख रुपए जुर्माना लगाया था। इसी तरह ग्रांडी सिटी अस्पताल और उसके चिकित्सकों को रोगियों के संबंधित परिवारों को 57 लाख रुपए का भुगतान करने का निर्देश दिया गया था। उपभोक्ता अदालत ने डॉक्टरों और अस्पताल की लापरवाही से मरीजों की हुई मौत के बाद अस्पताल और डॉक्टरों पर भरी भरकम जुर्माना लगाने के विरोध में ही आज से हड़ताल का आह्वान किया गया है। एनएमए के महासचिव ने बयान जारी कर कहा है कि सरकार ऐसा कानून लाए जिससे डॉक्टरों और अस्पताल को लेकर इस तरह का कोई भी फैसला लेने का अधिकार सिर्फ मेडिकल काउंसिल को ही दिया जाना चाहिए। एसोसिएशन ने चेतावनी दी कि यदि उसकी मांगों को विधायी संशोधन के माध्यम से पूरा नहीं किया जाता है तो वह विरोध को और बढ़ा सकता है।

चुनाव से पहले ही...

खोल दिया है। राष्ट्रीय नागरिक पार्टी (एनसीपी) ने रविवार शाम राजशाही में *जुलाई पोडोजात्रा और पोथोसोभा* का आयोजन किया, जिसका मकसद लोकतांत्रिक सुधारों और सत्ता के विकेंद्रीकरण के लिए अपना आह्वान को दोहराना था। एनसीपी उन्ही छात्रों द्वारा बनाई गई पार्टी है, जो शेख हसीना के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शनों का चेहरा थे। इन्ही छात्रों ने यूनुस को देश का मुख्य सलाहकार बनाने का फैसला किया था। अब यही लोग देश में लोकतांत्रिक सुधारों और सत्ता के विकेंद्रीकरण की मांग कर रहे हैं। एक भीड़ को संबोधित करते हुए एनसीपी संयोजक नाहिद इस्लाम ने कहा कि यह पीढ़ी बांग्लादेश के लिए एक नए लोकतांत्रिक संविधान का वादा करती है, ऐसा संविधान जो अपने लोगों के अधिकारों को सुनिश्चित करेगा और निरंकुशता को खत्म करेगा।

कांग्रेस ने असम के लिए राजनीतिक मामलों की समिति गठित की, पार्टी पदाधिकारियों के नाम घोषित

गुवाहाटी। कांग्रेस ने अपनी असम इकाई में फेरबदल करते हुए अपनी राजनीतिक मामलों की समिति का रविवार को गठन किया और प्रमुख पदाधिकारियों के साथ-साथ जिला इकाई प्रमुखों की नियुक्ति की। गौरव गोगोई को पार्टी की राज्य इकाई का अध्यक्ष बनाए जाने के कुछ सप्ताह बाद और अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले यह फेरबदल किया गया है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राजनीतिक मामलों की समिति के गठन और असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों एवं जिला कांग्रेस समिति के अध्यक्षों की नियुक्ति के प्रस्ताव को तत्काल प्रभाव से मंजूरी दे दी है। असम के प्रभारी एआईसीसी महासचिव जितेंद्र सिंह को 19 सदस्यीय राजनीतिक कार्रवाई समिति का अध्यक्ष नामित किया गया है, जिसमें असम कांग्रेस प्रमुख गौरव गोगोई, देबब्रत सैकिया, भूपेन बोरा, प्रद्युत बरदलै, रकीबुल हुसैन और रिपुन बोराह जैसे अन्य लोग शामिल हैं।

कांग्रेस बीटीआर में नहीं पाकिस्तान में है : मुख्यमंत्री शर्मा

कोकराझाड़ (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने बोड़ोलैंड टेरिटोरियल रीजन (बीटीआर) में एक रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। मुख्यमंत्री *मिशन बीटीआर* के तहत पांच दिवसीय दौरे पर हैं, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में विकास को गति देना और आगामी बीटीसी और 2026 विधानसभा चुनावों से पहले पार्टी आधार को मजबूत करना है। कोकराझाड़ शहर के ग्रीन फील्ड मैदान में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि बीटीआर शांति समझौते के बाद से इलाके में न बम विस्फोट हुआ, न मुठभेड़। यह शांति सिर्फ भाजपा सरकार की वजह से संभव हुई है। उन्होंने कहा कि जहां पिछले पांच साल शांति बहाली में लगे, वहीं अब अगले पांच साल क्षेत्र के समग्र विकास को समर्पित होंगे। उन्होंने कहा कि *हम चुनाव हारने नहीं, जीतने के लिए मैदान में हैं। बीटीआर की भलाई, विकास और स्थायित्व के लिए।* उन्होंने कहा कि बीटीआर में कांग्रेस का कोई नामोनिशान नहीं है। कांग्रेस की जगह पाकिस्तान में है। मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि भाजपा की रणनीति बीटीसी चुनावों से शुरू होकर विधानसभा चुनावों तक पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि बीटीसी चुनाव के बाद हम 2026 विधानसभा चुनावों की तैयारी में पूरी ताकत झोंक देंगे। रैली में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया, मंत्री अशोक सिंघल, बीटीसी के कार्यकारी सदस्य, विधायक और कई अन्य वरिष्ठ भाजपा नेता मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि रैली के बाद, मुख्यमंत्री ने जिला उपायुक्त कार्यालय में एक समीक्षा बैठक कर विभिन्न सरकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।

महिला प्रशिक्षणार्थियों के लिए बनेगा 100 बिस्तरों वाला छात्रावास

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार के पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री रंजीत कुमार दास ने सोमवार को गुवाहाटी के खानापाड़ा स्थित गोलाप बोरबोरा राज्य पंचायत एवं ग्रामीण विकास संस्थान में 100 बिस्तरों वाले महिला प्रशिक्षणार्थी छात्रावास का शिलान्यास कर निर्माण कार्य का औपचारिक शुभारंभ किया। करीब 8.54 करोड़ रुपए की केंद्रीय सहायता से जी+5 ढांचे में बनने वाले इस छात्रावास में भूतल पर भोजन कक्ष और ऊपर के पांच मंजिलों में 10-10 कमरे होंगे, हर कमरे में दो बिस्तर रहेंगे। प्रत्येक कमरे में संलग्न शौचालय और स्नानघर की सुविधा भी होगी। इस अवसर पर आयोजित समारोह में मंत्री दास ने कहा कि इस महिला छात्रावास का निर्माण वर्षों से महसूस की जा रही एक बड़ी जरूरत को पूरा करेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा, पूर्व केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री गिरिराज सिंह और वर्तमान मंत्री शिवराज सिंह चौहान को इसके लिए धन्यवाद दिया। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में इस संस्थान को दिवंगत मुख्यमंत्री गोलाप बोरबोरा के नाम पर नामित करने के बाद यह छात्रावास संस्थान की अधोसंरचना को और सुदृढ़ करेगा। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण हर कार्य की गुणवत्ता और सफलता की कुंजी है। उन्होंने जानकारी दी कि कल से नव-निर्वाचित पंचायत पदाधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हो रहा है, जिसमें पंचायत कार्यों से संबंधित विस्तृत जानकारी दी जाएगी। मंत्री ने यह भी कहा कि अधिकारी-कर्मचारियों के समन्वित प्रयासों से प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण समेत विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन में बीते चार वर्षों में असम ने खास उपलब्धि हासिल की है। इस कार्यक्रम में विभाग के विशेष सचिव व संस्थान के निदेशक मुनिंद्र शर्मा ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम में बरखला के पूर्व विधायक किशोर नाथ, संस्थान के संयुक्त निदेशक, फैकल्टी सदस्य, नव-निर्वाचित पंचायतों के अध्यक्ष एवं प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

मणिपुर में मानसून के साथ खेती शुरू, हिंसा और तनाव बना बाधा

इंफाल। मणिपुर में मानसून के आगमन के साथ किसानों ने अपने खेतों में धान और अन्य फसलों की बुवाई शुरू कर दी है। हालांकि, राज्य के कई संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में समुदायों के बीच चल रहे तनाव के कारण खेती की गतिविधियां बाधित हो रही हैं। विशेष रूप से घाटी और पहाड़ी क्षेत्रों की सीमाओं पर तनाव और हिंसक घटनाओं ने किसानों के लिए चुनौतियां बढ़ा दी हैं। हाल ही में लीटनपोकपी में एक घटना में कुकी समुदाय के सदस्यों द्वारा कथित तौर पर किसानों को खेती करने से रोका गया। वहीं, बिष्णुपुर जिले के फुबाला में एक किसान पर धान के खेत में काम करते समय गोली चलाई गई, जिससे वह घायल हो गया। इन घटनाओं ने स्थानीय किसानों में डर और असुरक्षा की भावना पैदा कर दी है। इसके जवाब में ग्रामीणों ने खेती के मौसम के दौरान सुरक्षा और संरक्षण की मांग को लेकर विरोध-प्रदर्शन किए। राज्य प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए त्वरित कदम उठाए हैं। अधिकारियों ने दोनों समुदायों को आश्वासन दिया है कि उन्हें पर्याप्त सुरक्षा-व्यवस्था के साथ खेती करने की अनुमति दी जाएगी। इसके लिए संवेदनशील क्षेत्रों, विशेष रूप से घाटी-पहाड़ी सीमाओं जैसे इंफाल पश्चिम के कांगचुप, कडांगबंद, कोत्रुक; इंफाल पूर्व के लामलाई, सनसाबी, थमनापोकपी; और बिष्णुपुर जिले के फुबाला जैसे इलाकों में सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है। इन तैनातियों का मुख्य उद्देश्य आगे की झड़पों को रोकना और किसानों को शांतिपूर्वक खेती करने में सक्षम बनाना है। कंगचुप-कडांगबंद क्षेत्र के एक किसान ने कहा कि हमें अभी भी डर बना हुआ है, लेकिन सुरक्षा बलों की मौजूदगी से कुछ राहत मिली है। हम चाहते हैं कि केंद्र सरकार इस संघर्ष को जल्द सुलझाए ताकि हम पहले की तरह शांति से रह सकें। बिष्णुपुर के डिप्टी कमिश्नर ने हाल ही में फुबाला सहित प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया था। उन्होंने स्थानीय समुदायों से शांति बनाए रखने की अपील की थी। इसके अलावा, इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम और काकचिंग जिलों में भी शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राज्य और केंद्रीय बलों को तैनात किया गया है।

सिलचर से लखीपुर तक नदी मार्ग पर कछार पुलिस की गश्त

कछार (हिंस)। कछार पुलिस ने सिलचर से लखीपुर तक नदी मार्ग पर गश्त अभियान चलाया। यह गश्त असम पुलिस ने आंध्र प्रदेश मुख्यालय द्वारा उपलब्ध कराई गई पेट्रोल बोट की मदद से की गई, जिसका उद्देश्य जलमार्गों पर निगरानी बढ़ाना और सुरक्षा सुनिश्चित करना था। इस पहल के तहत संवेदनशील क्षेत्रों में सतर्कता और उपस्थिति बढ़ाने पर जोर दिया गया ताकि अवैध गतिविधियों पर लगाम लगाई जा सके। अधिकारी इस अभियान को जलमार्ग सुरक्षा के लिहाज से एक महत्वपूर्ण कदम मान रहे हैं।

लामडिंग-बदरपुर हिल सेक्शन पर भूस्खलन, कई रेलगाड़ियों को किया गया रद्द और पुनर्निर्धारित

गुवाहाटी (हिंस)। लामडिंग-बदरपुर हिल सेक्शन में मुपा-डिहाखो स्टेशनों के बीच किलोमीटर संख्या 51/1-2 पर भूस्खलन के कारण ट्रेनों की आवाजाही बाधित हो गई है। लुमडिंग मंडल के अंतर्गत इस हिस्से में पटरियों पर गिरे बोल्डर और मलबा हटने तक ट्रैक निलंबित रहेगा। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कपिंजल किशोर शर्मा ने सोमवार को बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए गुवाहाटी, लुमडिंग, सिलचर, बदरपुर और अगरतला स्टेशनों पर हेल्प डेस्क स्थापित किए गए हैं। भूस्खलन के कारण रेलवे ने ट्रेनों को रद्द, आंशिक रूप से रद्द, पुनर्निर्धारित और नियंत्रित किया है। पूरी तरह रद्द ट्रेनें 15615 गुवाहाटी-सिलचर एक्सप्रेस (7 व 8 जुलाई), 15611/15612 रंगिया-सिलचर-रंगिया एक्सप्रेस (7 व 8 जुलाई), 15616 सिलचर-गुवाहाटी एक्सप्रेस (8 व 9 जुलाई), 15617 गुवाहाटी-दुल्लभछेरा एक्सप्रेस (7 जुलाई), 05638 सिलचर-नाहरलागुन एक्सप्रेस (7 जुलाई), 15618 दुल्लभछेरा-गुवाहाटी एक्सप्रेस (8 जुलाई) तथा 05637 नाहरलागुन-सिलचर एक्सप्रेस (8 जुलाई) आंशिक रूप से रद्द ट्रेनें 15616 सिलचर-गुवाहाटी एक्सप्रेस (7 जुलाई): बदरपुर तक चलेगी, 12513 सिकंदराबाद-सिलचर एक्सप्रेस (5 जुलाई): गुवाहाटी तक चलेगी तथा 12501 कोलकाता-अगरतला एक्सप्रेस (6 जुलाई): गुवाहाटी तक चलेगी। पुनर्निर्धारित ट्रेनें 13176 सिलचर-सियालदह कंचनजंघा एक्सप्रेस (7 जुलाई): अब 15:00 बजे चलेगी (पूर्व निर्धारित समय-11:35 बजे), 14037 सिलचर-आनंद विहार टर्मिनल एक्सप्रेस व 20501 अगरतला-आनंद विहार टर्मिनल तेजस एक्सप्रेस तथा (7 जुलाई): अब 8 जुलाई को सुबह 6-00 बजे चलेगी। नियंत्रित ट्रेनों में 12503 एसएमवीटी बेंगलुरू-अगरतला एक्सप्रेस (4 जुलाई), 13173 सियालदह-सबरूम कंचनजंघा एक्सप्रेस, 01666 अगरतला-रानी कमलापति स्पेशल तथा 15642 न्यू तिनसुकिया-सिलचर एक्सप्रेस (6 जुलाई) शामिल हैं।

मणिपुर में तीन उग्रवादी गिरफ्तार, दो किशोर हिरासत में

इंफाल। अधिकारी ने बताया कि प्रतिबंधित कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीडब्ल्यूजी)के दो कार्यकर्ताओं को रविवार को केइबी हेइकाक मापान अवांग लेइकाई क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। मणिपुर के इंफाल पूर्व जिले में सुरक्षा बलों ने दो प्रतिबंधित संगठनों के तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया जबकि दो किशोरों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रतिबंधित *पीपुल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी ऑफ कांगलीपाक* (पीआरईपीएके) के तीन सक्रिय कार्यकर्ताओं को रविवार को केइराओ खुनोऊ क्षेत्र से पकड़ा गया, जिनमें से दो किशोर हैं जिनके खिलाफ किशोर न्याय अधिनियम के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की गई है। अधिकारी ने बताया कि प्रतिबंधित कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीडब्ल्यूजी)के दो कार्यकर्ताओं को रविवार को केइबी हेइकाक मापान अवांग लेइकाई क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। अधिकारी ने बताया कि दोनों उग्रवादी जबरन वसूली की गतिविधियों में संलिप्त थे और वे जिस दौरान वसूली के लिए आए थे उस समय ही पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। पुलिस ने बताया कि शनिवार को बिष्णुपुर जिले के शांतिपुर इलाके में नेपाली बस्ती में एक अन्य अभियान में सुरक्षा बलों ने दो राइफल, दो खाली मैगजीन, सात हैंडसेट, दो मोर्टार और अन्य सामान बरामद किया।

इंडस टावर्स ने असम, मणिपुर और त्रिपुरा में बाढ़ प्रभावित समुदायों की सहायता के लिए एनईएआईडी के साथ साझेदारी की

गुवाहाटी। पूर्वोत्तर भारत में आई विनाशकारी बाढ़ के बीच, दुनिया की सबसे बड़ी दूरसंचार अवसंरचना कंपनियों में से एक ने संकट के समय सामुदायिक सहायता के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। अपनी प्रमुख कॉर्पोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी (सीएसआर) पहल, प्रगति के अंतर्गत, कंपनी ने असम के कछार, मणिपुर के इंफाल और त्रिपुरा के कई दूरदराज के क्षेत्रों सहित कुछ सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में परिवारों को 1, 030 सूखा राशन किट वितरित किए। यह मानवीय प्रयास नार्थईस्ट सेंटर फॉर इक्विटी एक्शन ऑन इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट (एनईएआईडी) के सहयोग से किया गया। इंडस टावर्स के कर्मचारी सक्रिय रूप से मौके पर मौजूद थे, वितरण में सहायता कर रहे थे और प्रभावित परिवारों को सहायता प्रदान कर रहे थे, जिससे कंपनी की करुणा और सामुदायिक लचीलेपन की भावना को बल मिला। इंडस टावर्स लिमिटेड के सर्किल सीईओ श्री राजेंद्र सिंह गुरुंग ने कहा कि हम इंडस टावर्स में बाढ़ से प्रभावित परिवारों को समय पर और सार्थक सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारे इंडस कर्मचारियों ने इस मानवीय कार्य के लिए सक्रिय रूप से स्वयंसेवा की है और तत्काल खाद्य आवश्यकताओं को पूरा किया है तथा परिवारों को उनके सुधार के मार्ग पर मदद की है। एनईएआईडी के सह-संस्थापक मेराज अहमद ने कहा कि विनाशकारी बाढ़ के कारण हजारों परिवार संघर्ष कर रहे हैं, तथा उन्हें आवश्यक वस्तुएं भी नहीं मिल पा रही हैं। इंडस टावर्स के सहयोग से, हम सबसे कमजोर लोगों की सहायता करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि तत्काल जरूरतमंदों तक समय पर राहत पहुंच सके और उनके तत्काल सुधार तथा दीर्घकालिक लचीलेपन में सहायता मिल सके। यह सहयोग भारत के सबसे कमजोर क्षेत्रों में सामुदायिक लचीलेपन, आपदा प्रतिक्रिया और सतत विकास के लिए इंडस टावर्स की निरंतर प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। अपनी सीएसआर पहलों के माध्यम से, कंपनी प्रभावशाली परिवर्तन लाने तथा समुदायों को प्रतिकूल परिस्थितियों में पुनर्निर्माण और उन्नति के लिए सशक्त बनाने का कार्य जारी रखे हुए है।

14.34 किग्रा गांजा, 108 ग्राम हेरोइन के साथ पांच गिरफ्तार

कछार (हिंस)। कछार पुलिस ने नशे के खिलाफ कार्रवाई को तेज करते हुए दो अलग-अलग अभियानों में भारी मात्रा में मादक पदार्थ जब्त किए हैं। कछार के पुलिस अधीक्षक ने सोमवार को बताया कि पहली कार्रवाई कछार जिले के काछुदराम थाना क्षेत्र के अंतर्गत डिडारकुश पार्ट-टू गांव में की गई, जहां सनथॉय सिंघा नामक व्यक्ति के पास से 14.340 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। बरामदगी स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में की गई। वहीं दूसरी कार्रवाई बरखोला थाना क्षेत्र के अंतर्गत बाला छेरा टोलगेट, सिलचर-डिमा हासाओ रोड (एनएच-27) पर की गई। नियमित नाका चेकिंग के दौरान एएस-02एआर 1545 नंबर की सफेद रंग की बलेनो गाड़ी को रोका गया, जिसमें चार लोग-तीन पुरुष और एक महिला-सवार थे। जिनकी पहचान इकरामुल इस्लाम (30), नजमुल उद्दीन (25), इस्माहिल (39) तथा लीलिमा खातून (36) के रूप में हुई है।

24वीं बटालियन एसएसबी रंगिया ने जब्त की अवैध भूटानी शराब

कुमारीकाटा। श्री एचके गुप्ता, कमांडेंट, 24वीं बटालियन सशस्त्र सीमा बल रंगिया (असम) के मार्गदर्शन में दिनांक 6 जुलाई को सीमा चौकी गुवाबाड़ी व बिमलानगर 24वी बटालियन, एसएसबी रंगिया एवं आवकारी विभाग, तामुलपुर के साथ में भारत-भूटान सीमा पर एक संयुक्त अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान सीमा स्तंभ संख्या 249 से 14 किमी दूर भारतीय सीमा में स्थित गांव-सिद्धनाथपुर, जिला तामुलपुर (असम) में अवैध भूटानी शराब-300.12 लीटर जब्त किया गया। अभियान के उपरांत, उक्त अवैध भूटानी शराब को आबकारी विभाग, तामुलपुर को सौंप दिया गया। इस अभियान के दौरान 24वीं बटालियन की सीमा चौकी गुवाबाड़ी व बिमालानगर के उप निरीक्षक (सामान्य), बिरेंद्र सिंह, एवं उप निरीक्षक (सामान्य), टीएच शरत सिंह व आबकारी विभाग तामुलपुर की ओर से एआईई सींगा, ईसी ज्योतिष दास, अजय टोपो, ब्रिदु बोड़ो, पिंटु डेका, भास्कर दास, राजीब टिरोन आदि शामिल थे। 24वीं बटालियन, सशस्त्र सीमा बल, रंगिया भारत-भूटान सीमा की सुरक्षा में अपने कर्तव्य के निर्वाहन हेतु निरंतर इस प्रकार के अभियान चला रही है व स्थानीय नागरिकों के सहयोग से उनके साथ निरंतर बैठक कर उन्हें सीमा क्षेत्र में होने वाली किसी भी प्रकार की अपराधिक गतिविधि या अवैध तस्करी के देखे जाने पर इसकी सूचना नजदीकी एसएसबी सीमा चौकी या बटालियन मुख्यालय को सूचित करने हेतु प्रोत्साहित कर रही है।

देशभगत विश्वविद्यालय ने असम में एक करोड़ रुपए की छात्रवृत्ति और विस्तार योजनाओं की घोषणा की

गुवाहाटी। देशभगत विश्वविद्यालय (डीबीयू), पंजाब ने असम पर विशेष ध्यान देते हुए, पूरे भारत में मेधावी और वंचित छात्रों का समर्थन करने के लिए 1 करोड़ की एक बड़ी छात्रवृत्ति पहल की घोषणा की है। विश्वविद्यालय ने शिक्षा, कौशल विकास और शोध-आधारित सामाजिक पहलों पर असम सरकार के साथ सहयोग करने की अपनी मंशा भी घोषित की जो समावेशी और सुलभ शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। यह घोषणा गुवाहाटी में आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान की गई, जिसका नेतृत्व देशभगत विश्वविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. हर्ष सदावर्ती और डीबीयू के अध्यक्ष के ओएसडी अमित कुकरेजा, डीबीयू के उत्तर पूर्व के प्रवेश प्रभारी डॉ. रंजीत सिंह ने किया। इस पहल के तहत, करियर मार्गदर्शन, प्रवेश सहायता और छात्रवृत्ति संबंधी जानकारी प्रदान करने के लिए पूरे असम में डीबीयू सूचना एवं परामर्श केंद्र (आईसीसी) स्थापित किए जाएंगे। इंटरनेशनल एडूकेशन कंसल्टेंसी के सहयोग से डीबीयू ने असम में एक सूचना एवं परामर्श केंद्र (आईसीसी) की स्थापना की है। इंटरनेशनल एडूकेशन कंसल्टेंसी के निदेशक डॉ. जिया उल इस्लाम ने इस पहल में भागीदारी की है, ताकि क्षेत्र में पहुंच का विस्तार किया जा सके और छात्र सहायता सेवाओं को मजबूत किया जा सके। डीबीयू ने मेधावी और आर्थिक रूप से वंचित लड़कियों को मुफ्त शिक्षा प्रदान करने के लिए शक्ति छात्रवृत्ति शुरू करने की घोषणा की, साथ ही आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस), खिलाड़ियों, रक्षा आश्रितों, विकलांग छात्रों और अन्य वंचित श्रेणियों के लिए समर्पित वित्तीय सहायता भी प्रदान की। देशभगत विश्वविद्यालय ने यूजीसी-प्रायोजित ऑनलाइन और ओपन डिस्टेंस लर्निंग (ओडीएल) कार्यक्रमों के विस्तार की भी घोषणा की, जो विशेष रूप से कार्यरत पेशेवरों, लचीलेपन की चाह रखने वाले छात्रों, दोहरी डिग्री के इच्छुक लोगों के लिए डिजाइन किए गए हैं। विश्वविद्यालय वर्तमान में इंजीनियरिंग, प्रबंधन, होटल प्रबंधन, कंप्यूटर विज्ञान आयुर्वेद, फार्मेसी, नर्सिंग, कानून, कृषि, संबद्ध और स्वास्थ्य देखभाल विज्ञान, दंत चिकित्सा विज्ञान, शिक्षा, विशेष शिक्षा और नैदानिक मनोविज्ञान सहित उच्च मांग वाले विषयों में 150 से अधिक कार्यक्रम प्रदान करता है। इस पर टिप्पणी करते हुए डॉ. हर्ष सदावर्ती ने कहा कि डीबीयू में हमारा मानना है कि किसी भी छात्र को आर्थिक तंगी के कारण शिक्षा से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। इस 1 करोड़ छात्रवृत्ति कार्यक्रम के माध्यम से हमारा लक्ष्य असम के युवाओं का उत्थान करना और उन्हें वैश्विक प्रासंगिकता वाली गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंचने में मदद करना है। डीबीयू ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के कार्यान्वयन के लिए असम सरकार के साथ सहयोग करने और शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण और अनुसंधान में सामाजिक प्रभाव परियोजनाओं का समर्थन करने में भी अपनी रुचि व्यक्त की।

संपादकीय

भारत ने एक बार फिर पाकिस्तान को घेरा

पहलगाम आतंकी हमले के बाद से आतंकवाद और उसके पोषक पाकिस्तान को लेकर भारत नयी रणनीति के साथ आगे बढ़ रहा है। भारत पहले भी यह प्रयास कर चुका है कि आतंकवाद को लेकर दुनिया के सभी देश व्यक्तिगत स्वार्थ त्यागें और आतंकवाद पर एक नीति का पालन करें। पहलगाम हमले के बाद से भारत ने एक बार फिर अपनी इस रणनीति को धरातल पर लाने के प्रयास तेज कर दिए हैं। भारत वैश्विक मंचों से आतंकवाद को लेकर दुनिया को एक संदेश देने के प्रयास में जुट गया है। संयुक्त राष्ट्र और क्वाड के बाद भारत ने अब ब्रिक्स के शिखर सम्मेलन में आतंकवाद पर कड़ा संदेश दिया है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्पष्ट कहा है कि "आतंकवाद के पीड़ितों और समर्थकों को एक ही तराजू पर नहीं तौला जा सकता तथा आतंकवादियों के खिलाफ प्रतिबंध लगाने में कोई हिचकिचाहट नहीं होनी चाहिए"। प्रधानमंत्री मोदी के इस बयान में अमेरिका और चीन को भी अपरोक्ष रूप से संदेश देने का प्रयास किया गया है। वैश्विक पटल पर भारत ने बिना किसी देश का नाम लिए सबका बता दिया है कि अभी भी आतंकवाद को लेकर एक दृष्टि नहीं है। अपने राजनीतिक एवं व्यापारिक स्वार्थों की पूर्ति के लिए वैश्विक ताकतें आतंकवाद के पोषक और आतंकवाद से पीड़ितों को एक तराजू पर रखने का बेहद ओछा प्रयास करती हैं। इसी तरह जब सबूतों के साथ आतंकवादियों एवं उनके संगठनों को प्रतिबंधित करने की माँग की जाती है तो कई ताकतें अपने अधिकारों का दुरुपयोग करे इसमें बाधा बनते हैं। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र में चीन की ओर से कई बार पाकिस्तान में रह रहे आतंकियों का बचाव करने का प्रयास किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने साफ कहा है कि आतंकवाद समूची मानवता के लिए खतरा है। इसलिए इसको लेकर सबको गंभीर हो जाना चाहिए। देखते हैं कि भारत की यह कोशिशें कितना रंग लाती हैं। फिलहाल तो आतंकवाद पर ब्रिक्स के शिखर सम्मेलन से संयुक्त प्रस्ताव जारी करवाकर भारत ने कूटनीतिक विजय प्राप्त की है। ब्रिक्स समूह ने पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की। इसके साथ ही, आतंकवाद को कतई बर्दाश्त न करने का दृष्टिकोण अपनाने और इससे मुकाबला करने में दोहरे मापदंड त्यागने के भारत के रुख को दोहराया। ब्रिक्स देशों के शीर्ष नेताओं ने आतंकवादियों की सीमा पार आवाजाही सहित आतंकवाद से निपटने में अपने दृढ़ दृष्टिकोण को भी स्पष्ट किया। आतंकवाद का पोषण करने और उन्हें सुरक्षित शरण उपलब्ध कराने की प्रवृत्ति से निपटने की अपनी प्रतिबद्धता को भी स्पष्टतर पर जाहिर किया है। ब्रिक्स समूह का यह संयुक्त बयान भारत के नजरिए से बहुत महत्वपूर्ण है। एक तरह से भारत ने आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को एक बार फिर से बेनकाब कर दिया है। जिस तरह भारत लगातार वैश्विक पटल पर पाकिस्तान को घेर रहा है, उसके परिणाम निकट भविष्य में सामने आएंगे। आतंकवाद पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दृष्टिकोण एकदम स्पष्ट है कि मानवता के लिए खतरा बने आतंकवाद को किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जा सकता है। आतंकवाद पर काबू पाना है तब भारत का दृष्टिकोण ही सर्वश्रेष्ठ और कारगर है।

> भारत वैश्विक मंचों से आतंकवाद को लेकर दुनिया को एक संदेश देने के प्रयास में जुट गया है। संयुक्त राष्ट्र और क्वाड के बाद भारत ने अब ब्रिक्स के शिखर सम्मेलन में आतंकवाद पर कड़ा संदेश दिया है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्पष्ट कहा है कि "आतंकवाद के पीड़ितों और समर्थकों को एक ही तराजू पर नहीं तौला जा सकता तथा आतंकवादियों के खिलाफ प्रतिबंध लगाने में कोई हिचकिचाहट नहीं होनी चाहिए"। प्रधानमंत्री मोदी के इस बयान में अमेरिका और चीन को भी अपरोक्ष रूप से संदेश देने का प्रयास किया गया है। वैश्विक पटल पर भारत ने बिना किसी देश का नाम लिए सबका बता दिया है कि अभी भी आतंकवाद को लेकर एक दृष्टि नहीं है। अपने राजनीतिक एवं व्यापारिक स्वार्थों की पूर्ति के लिए वैश्विक ताकतें आतंकवाद के पोषक और आतंकवाद से पीड़ितों को एक तराजू पर रखने का बेहद ओछा प्रयास करती हैं। इसी तरह जब सबूतों के साथ आतंकवादियों एवं उनके संगठनों को प्रतिबंधित करने की माँग की जाती है तो कई ताकतें अपने अधिकारों का दुरुपयोग करे इसमें बाधा बनते हैं। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र में चीन की ओर से कई बार पाकिस्तान में रह रहे आतंकियों का बचाव करने का प्रयास किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने साफ कहा है कि आतंकवाद समूची मानवता के लिए खतरा है। इसलिए इसको लेकर सबको गंभीर हो जाना चाहिए। देखते हैं कि भारत की यह कोशिशें कितना रंग लाती हैं।

आपातकाल में दर्ज किए संविधान की प्रस्तावना में संतों को हटाने की जरूरत

समाजवादी- धर्मनिरपेक्ष शब्दों की समीक्षा की जरूरत

प्रमोद भार्गव

> भारतीय लोकतंत्र कारागारों में बंधक था तब 1976 में संविधान की प्रस्तावना में 42वें संविधान संषोधन अधिनियम के तहत बदला गया, जिसमें 'समाजवादी', 'धर्मनिरपेक्ष' और 'अखंडता' षब्द जोड़ दिए गए थे। अब इन षब्दों को विलोपित करने की मांग राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने उठा दी है। केंद्र सरकार से इन षब्दों की समीक्षा करने का आवाहन संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने किया है। इस मांग के समर्थन में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सुर मिलाते हुए कहा कि 'संविधान की प्रस्तावना परिवर्तनशील नहीं है, लेकिन भारत में आपातकाल के दौरान इसे बदल दिया गया

आपातकाल में जब भारतीय लोकतंत्र कारागारों में बंधक था तब 1976 में संविधान की प्रस्तावना में 42वें संविधान संषोधन अधिनियम के तहत बदला गया, जिसमें 'समाजवादी', 'धर्मनिरपेक्ष' और 'अखंडता' षब्द जोड़ दिए गए थे। अब इन षब्दों को विलोपित करने की मांग राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने उठा दी है। केंद्र सरकार से इन षब्दों की समीक्षा करने का आवाहन संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने किया है। इस मांग के समर्थन में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सुर मिलाते हुए कहा कि 'संविधान की प्रस्तावना परिवर्तनशील नहीं है, लेकिन भारत में आपातकाल के दौरान इसे बदल दिया गया, जो संविधान निर्माताओं की बुद्धिमता के साथ विष्वासघात का संकेत है, जो षब्द जोड़े गए, वे नासूर थे और उथल-पुथल पैदा कर सकते हैं।' यह बदलाव हजारों वर्शों से इस देश की सभ्यतागत संपदा और ज्ञान को कमतर आंकने के साथ सनातन की भावना का अपमान भी है। प्रस्तावना संविधान का बीज होती है। इसी के आधार पर संविधान की मूल भावना विकसित होती है। भारत के अलावा किसी दूसरे देश में संविधान की प्रस्तावना में बदलाव नहीं किया गया। अतएव यह बदलाव न्याय का उपहास है। भारतीय समाज के बहुलतावादी धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्वरूप को ध्यान में रखते हुए संवैधानिक गणराज्य की नींव रखी थी। इसीलिए मूल संविधान में भारतीय परंपरा, संस्कृति, आध्यात्म जैसे ऊर्जावान तत्वों का समावेश संभव हुआ। तब संविधान निर्माताओं ने सोचा था कि भारत की संस्कृति, संस्कार और सभ्यतामूलक इतिहास के प्रवाह को भी विभिन्न छवियों के द्वारा स्थान मिलना चाहिए। तब उस समय के प्रसिद्ध चित्रकार नंदलाल बोस से आग्रह कर हजारों वर्षों की सांस्कृतिक सभ्यता के चित्रों को संविधान में जीवंत प्रस्तुति संभव हुई। इस क्रम में मोहनजोदड़ो के चित्रों से लेकर वैदिक युग के गुरुकुल हैं। मौलिक अधिकार के अध्याय में प्रभु राम, सीता और लक्ष्मण का चित्र है। चूंकि राम मौलिक अधिकारों की रक्षा के साथ रामराज्य के प्रतीक हैं। इसलिए, उनका चित्र तार्किक है। राज्य के नीति-निदेशक तत्व अध्याय में भगवान कृष्ण द्वारा गीता का उपदेश दिए जाने का चित्र है। यह चित्र एक हताश योद्धा को अपने कर्तव्य पालन के प्रति इंगित करता है। भगवान बुद्ध, महावीर, सम्राट विक्रमादित्य और नालंदा विश्वविद्यालय की चर्चा है। शिव के नटराज नृत्य की छवि प्रदर्शित है। मुगल काल में अकबर और मुगलकालीन स्थापत्य के चित्र हैं। लेकिन बाबर औरंगजेब की चर्चा नहीं है। क्योंकि ये क्रूर और मंदिरों के विध्वंसक रहे हैं। इसी क्रम में वीर षिवाजी, गुरु गोविंद सिंह, महारानी लक्ष्मीबाई, महात्मा गांधी और नेताजी सुभाष चंद्र बोस के योगदान से जुड़े चित्र हैं। इन चित्रों को छापना इसलिए संभव हुआ, क्योंकि संविधान निर्माताओं ने लोकतांत्रिक गणतंत्र के साथ भारतीय सनातन संस्कृति और सभ्यता को जानने पर जोर दिया था। क्या आज के परिप्रेक्ष्य में इन चित्रों का संविधान में प्रदर्शन संभव था? दरअसल स्वतंत्रता के कुछ वर्ष बाद से केवल हिंदू और हिंदुओं से जुड़े प्रतिरोध को धर्मनिरपेक्षता मान लेने की परंपरा सी चल निकली थी। जबकि वास्तविकता तो यह है कि मूल संविधान की प्रस्तावना में 'धर्मनिरपेक्ष' और 'समाजवाद' शब्द थे ही नहीं। ये शब्द तो आपातकाल के दौरान 42वां संविधान संशोधन लाकर 'समाजवादी धर्मनिरपेक्ष संविधान अधिनियम 1976' के माध्यम से जोड़े गए थे। आपातकाल के बाद जब जनता दल की केंद्र में सरकार बनी तो यह सरकार 43वां संशोधन विधेयक लाकर सेक्युलरिज्म मसलन धर्मनिरपेक्षता की व्याख्या स्पष्ट करना चाहती थी, प्रस्तावित प्रारूप में इसे स्पष्ट करते हुए वाक्य जोड़ा गया था, 'गणतंत्र शब्द जिसका विशेषण 'धर्मनिरपेक्ष' है का अर्थ है, ऐसा गणतंत्र जिसमें सब धर्मो के लिए समान आदर हो,' लेकिन लोकसभा से इस प्रस्ताव के पारित हो जाने के बावजूद कांग्रेस ने इसे राज्यसभा में गिरा दिया था। अब यह स्पष्ट उस समय के कांग्रेसी ही कर सकते हैं कि धर्मों का समान रूप से आदर करना धर्मनिरपेक्षता क्यों नहीं है? गोया, इसके लाक्षणिक महत्व को दरकिनार कर दिया गया। शायद ऐसा इसलिए किया गया जिससे देश में सांप्रदायिक सद्भाव स्थिर न होने पाए और सांप्रदायिकता बनाम धर्मनिरपेक्षता को अनंतकाल तक वोट की राजनीति के चलते तुष्टिकरण के उपायों के जरिए भुनाया जाता रहे। साथ ही इसका मनमाने ढंग से उपयोग व दुरुपयोग करने की छूट सत्ता-तंत्र को मिली रहे। जहां तक गणतंत्र शब्द का प्रश्न है तो विक्टर ह्यूगो ने इसे यूं परिभाषित किया है, 'जिस तरह व्यक्ति का अस्तित्व उसके जीने की इच्छा की लगातार पुष्टि है, उसी तरह देश का अस्तित्व उसमें रहने वालों का परस्पर तालमेल नित्य होने वाला जनमत संग्रह है।' दुर्भाग्य से हमारे यहां नरेंद्र मोदी सरकार के पहले तक परस्पर तालमेल खंडित होता रहा है। अलगाव और आतंकवाद की अवधारणाएं निरंतर देश की संप्रभुता व अखण्डता के समक्ष खतरा बनकर उभरती रही हैं। राष्ट्रवाद और भारत माता की जय को भी संकीर्ण और अल्प-धार्मिक दृष्टि से देखा जाता रहा है। जवाहरलाल नेहरू विष्वविद्यालय में वामपंथी मानसिकता के चलते जिस तरह से देष के हजार टुकड़े करने के नारे लगते रहे और उन्हें अभीव्यक्ति की आजादी के परिप्रेक्ष्य में संवैधानिक ठहराने की कोषिषें हुईं, उस संदर्भ में लगता है कि धर्मनिरपेक्षता और अभिव्यक्ति की आजादी के मायने राष्ट्रद्रोह को उकसाने और उन्हें संरक्षित करने के उपाय ही साबित हुए हैं। अतएव इस तरह की विकृतियों को आधार देने वाले संविधान के अनुच्छेदों में बदलाव जरूरी है। भारतीय संविधान जिस नागरिकता को मान्यता देता है, वह एक भ्रम है। सच्चाई यह है कि हमारी नागरिकता भी खासतौर से अल्पसंख्यक-बहुसंख्यक समुदायों में बंटी हुई है। लिहाजा इसका चरित्र उत्तरोत्तर सांप्रदायिक होता रहा है। हिंदु, मुसलमान और ईसाई भारतीय नागरिक होने का दंभ बढ़ता है। जबकि नागरिकता केवल देशीय मसलन भारतीय होनी चाहिए। यह इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि भारत में 4635 समुदाय हैं। जिनमें से 78 प्रतिशत समुदायों की न सिर्फ भाषाई एवं सांस्कृतिक बल्कि सामाजिक श्रेणियां भी हैं। इन समुदायों में 19.4 प्रतिशत धार्मिक अल्पसंख्यक हैं। गोया, धर्मनिरपेक्षता शब्द को विलोपित किया जाना जरूरी है। हालांकि आजादी के ठीक बाद प्रगतिशील बौद्धिकों ने भारतीय नागरिकता को मूल अर्थ में स्थापित करने का प्रयास किया था, लेकिन धर्मनिरपेक्षता के फेर में मूल अर्थ सांप्रदायिक खानों में विभाजित होता चला जा रहा है, जिसका संकट अब कुछ ज्यादा ही गहरा गया है। वर्तमान में हमारे यहां धर्मनिरपेक्ष शब्द का प्रयोग अंग्रेजी के शब्द 'सेक्युलर' के अर्थ में हो रहा है। अंग्रेजी के ऑक्सफोर्ड शब्दकोश में इसका अर्थ 'ईश्वर' विरोधी दिया है। भारत और इस्लामिक देश ईश्वर विरोधी कतई नहीं हैं। ज्यादातर क्रिश्चियन देश भी ईसाई धर्मावलंबी हैं। हां, बौद्ध धर्मावलंबी चीन और जापान जरूर ऐसे देश हैं, जो धार्मिक आस्था से पहले राष्ट्रप्रेम को प्रमुखता देते हैं। हमारे संविधान की मुश्किल यह भी है कि उसमें धर्म की भी व्याख्या नहीं हुई है। इस बाबत न्यायमूर्ति राजगोपाल आयंगर ने जरूर इतना कहा है, 'मैं यह जोड़ना चाहता हूं कि अनुच्छेद 25 और 26 में धार्मिक सहिष्णुता का वह सिद्धांत शामिल है, जो इतिहास के प्रारंभ से ही भारतीय सभ्यता की विशेषता रहा है।' इसी क्रम में यह भी कहा, 'धर्म शब्द की व्याख्या लोकतंत्र में नहीं हुई है और यह ऐसा शब्द है, जिसकी निश्चित व्याख्या संभव नहीं है।' संभवतः इसीलिए न्यायालय को कहना पड़ा था कि 'गणतंत्र का धर्मनिरपेक्ष स्वभाव राष्ट्रनिर्माताओं की इच्छा के अनुरूप होना चाहिए और इसे ही संविधान का आधार माना जाना चाहिए।' अब यहां संकट यह भी है कि भारत राष्ट्र का निर्माता कोई एक नायक नहीं रहा। गरम, नरम और नेताजी सुभाष के सैन्य दलों के विद्रोह से विभाजित स्वतंत्रता संभव हुई। नतीजतन धर्मनिरपेक्षता की व्याख्या को किसी एक इबारत में बांधना असंभव है। इसीलिए श्रीमद्भागवत गीता में जब यक्ष धर्म को जानने की दृष्टि से प्रश्न करते हैं तो धर्मराज युधिष्ठिर का उत्तर होता है, 'तर्क कहीं स्थिर नहीं हैं, श्रुतियां भी भिन्न-भिन्न हैं। एक ही ऋषि नहीं है, जिसका प्रमाण माना जाए। धर्म का तत्व गुफा में निहित है। अतः जहां से महापुरुष जाएं, वही सही धर्म या मार्ग है।' इसी संदर्भ में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि 'सत्य एक है। विद्वान उसे अलग-अलग तरीके से कहते हैं। भारतीय दर्शन इसे 'मुंडे मुंडे मतिर्भिन्ना' कहता है। अर्थात सर्वधर्म सद्भाव भारतीय-संस्कृति का मूल है, धर्मनिरपेक्ष हमारी संस्कृति का मूल नहीं है। इसलिए इसे हटाने पर विचार होना चाहिए।' वैसे भी भारतीय परंपरा में धर्म कर्तव्य के अर्थ में प्रचलित है। यानी मां का धर्म, पिता का धर्म, पुत्र का धर्म, स्वामी का धर्म और सेवक का धर्म, इस संदर्भ में कर्तव्य से निरपेक्ष कैसे रहा जा सकता है? सेक्युलर के लिए शब्दकोश में पंथनिरपेक्ष शब्द भी दिया गया है, पर इसे प्रचलन में नहीं लिया गया।

देश | दुनीया से

जाम के झाम से मुत्ति के हों पुख्ता इंतजाम

देश के शहरों में आए दिन जाम लगने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। शासन-प्रशासन को इसके तरकिक समाधान की दिशा में वैज्ञानिक तरीके से गंभीरता के साथ प्रयास करने चाहिए। जाम की सूचना मिलने पर उसे खुलवाने की तत्काल पहल होनी चाहिए। 27 जून को इंदौर-देवास हाईंवे पर करीब पर 40 घंटे तक 8 किलोमीटर लंबा जाम लग गया, जिसमें 4000 से ज्यादा वाहन पंस गए थे। इस दौरान 3 लोगों की जान चली गईं। 14 जून को केरल के कन्नूर में कोट्टियूर के पास एक तीन वषाय बच्चे की अस्पताल ले जा रही एम्बुलेंस के भीषण ट्रैफिक जाम में पंस जाने से मौत हो गईं। 7 जून दिल्ली से आए एक 62 वषाय पर्यटक कमल किशोर टंडन की मसूरी में भीषण ट्रैफिक जाम में पंसने के बाद अस्पताल ले जाते समय मौत हो गईं। 6 मईं उप्र के हमीरपुर जिले के सुमेरपुर थाना क्षेत्र में एक डंपर की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और राजमार्ग पर तीन घंटे तक जाम पंसे रहने की वजह से उसे वत्त पर उचित उपचार नहीं मिला और इस वजह से उसकी मौत हो गईं। 24 अप्रैल हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में मुख्य बाजार देहरा में समय सड़क निर्माण कार्यं के कारण लगे भारी जाम ने 75 साल के बुजुर्ग की ज़िंदगी छीन ली। 24 फरवरी कोटा राजस्थान के राष्ट्रीय राजमार्ग-52 पर दरा नाल में लगने वाले भीषण जाम ने एक मासूम की जान ले ली। ये तो बानगी भर है। इस तरह की खबरें अक्सर सुनने, पढ़ने और देखने को मिलती हैं। दो चार दिन के हो हल्ले के बाद गाड़ी पुराने ढें पर दौड़ने लगती है। ताजा प्रकरण इंदौर-देवास हाईंवे पर 40 घंटे के जाम का है। 40 घंटे का जाम था..कोईं सोच भी नहीं सकता कि आज़ादी के 75 साल बाद, 40 किलोमीटर का रास्ता तय करने में 40 घंटे लग सकते हैं। दिल्ली से न्यूयॉर्व जाने में आमतौर पर 16 से 20 घंटे लगते हैं। मतलब

जितने में दिल्ली से न्यूयॉर्व की फ्लाइट का आना जाना हो जाए, उतने में इंदौर से देवास नहीं पहुंच सके। इंदौर से देवास तक का रास्ता महज़ 40 किलोमीटर है। मध्य प्रदेश के हाईं कोर्ट ने फटकार लगाते हुए नेशनल हाईंवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया यानी एनएचएआईं को इस घटना के लिए जिम्मेदार बताया था। निाति रूप से इस दुर्घटना और हजारों लोगों के घंटों जाम में पंसे रहने के मामले में जहां एनएचएआईं की तरफ से माफी मांगने की जरूरत थी, वहीं उसने दुर्भाग्यपूर्ण घटना के लिये दोष लोगों पर लगाते हुए असंवेदनशील बयान दे डाला। 30 जून को अदालत में जवाब देते हुए एनएचएआईं के वकील ने कहा कि 'लोग बिना जरूरी काम के इतनी सुबह घर से बाहर निकलते ही क्यों हैं?' एनएचएआईं की इस टिप्पणी ने लोगों में आाोश पैदा कर दिया। उनके इस बयान को सुनकर लोगों को ऐसा लग रहा है कि एनएचएआईं घटना की जिम्मेदारी लेने से बच रहा है और घटना के लिए आम लोगों को ही दोषी बताने की कोशिश कर रहा है। यहां तक कि मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने भी एनएचएआईं के रुख को कठोर और संवेदनहीन बताया है, जो जमीनी हकीकत को नजरअंदाज करने वाला है। विवाद बढ़ने पर एनएचएआईं ने कहा कि, यह टिप्पणी अथॉरिटी के आधिकारिक विचारों को नहीं दर्शाती। देश में जहां एक तरफ ट्रैफिक की समस्या से निजात पाने के लिए सड़कों, हाईं-वेज और एक्सप्रेस- वेज को बनाने का काम जोरों-शोरों पर चल रहा है, वहीं दूसरी ओर वुछ ऐसे शहर भी हैं, जो अंदरूनी ट्रैफिक से काफी ज्यादा परेशान हैं। असल में, ट्रैफिक जाम की समस्या से बड़े ही नहीं बल्कि छोटे शहर भी जूझते हैं। लेकिन बड़े शहरों में यह एक संकट का रूप लेने लगा है। एक जानकारी के मुताबिक एक घंटे जाम में एक लीटर ईंधन बर्बाद होता है। जितनी ईंधन की खपत होगी, उतना ही ज्यादा सीओटू उत्सर्जन भी होगा, जो पर्यावरण और प्रदूषण के साथसाथ अर्थव्यवस्था के लिए भी नुकसानदायक होता है। एक अनुमान के अनुसार, महानगरों में और हाईंवे पर देश में हर साल लगने वाले ट्रैफिक जाम से हर साल तकरीबन 1.4 लाख करोड़ रुपये तक का नुकसान हो रहा है। टॉमटॉम ट्रैफिक इंडेक्स 2024 के अनुसार, देश में कोलकाता का ट्रैफिक सबसे धीमा है। बेंगलुरु ने इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर जगह बनाईं है। कमोबेश ऐसे हालात दिल्ली, मुंबईं, चेन्नईं, पुणे, चंडीगढ़, गुरुग्राम, लखनऊ, जयपुर, कानपुर, अमृतसर, अहमदाबाद, वाराणसी और देश के अन्य महानगरों और शहरों के हैं। डाक्टरों के अनुसार, जाम में पंसने वालों को अकसर ब्लड प्रेशर बढ़ने, बर्नआउट, सांस की बीमारी, डिहाईंड्रेशन, फीवर, घबराहट, सीने में दर्द आदि बीमारियों का सामना करना पड़ता है। गंभीर मरीज लंबे समय तक जाम में पंस जाए तो उसकी मौत भी हो सकती है। 2022 में इलाहाबाद हाईं कोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाईं करते हुए कहा था कि यदि अब जाम में एंबुलेंस पंसी तो इसे अपराध माना जाएगा और मरीज को नुकसान पहुंचाने के तहत कार्रवाईं की जाएगी। बावजूद इसके स्थिति में कोईं खास फर्व दिखाईं नहीं देता। इसमें दो राय नहीं कि सड़कों के नेटवर्व सुधार से उपभोत्ताओं के समय व धन की बचत हुईं है तो उद्योग-व्यापार को भी गति मिली है।

आप का | नजरीया

हिन्दी-मराठी को लड़ाने की राजनीति

अपनी राजनीतिक जमीन को तलाशने के लिए नेता किस हद तक उतर आते हैं, यह देखना है तो महाराष्ट्र की राजनीति में चल रही हलचल पर नजर जमा लीजिए। मराठी अस्मिता के नाम पर हिन्दी का विरोध करते हुए उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे दोनों 20 वर्ष बाद एक मंच पर आ गए हैं। महाराष्ट्र में शिवसेना (उद्धव गुट) यह प्रयोग पहले भी कर चुकी है, उस समय भी हिन्दी भाषायी को परेशान करना और उनके साथ मारपीट करना, ठाकरे एंड कंपनी का धंधा हो गया था। लेकिन बाद में शिवसेना के शीर्ष नेताओं को समझ आया कि हिन्दी का विरोध करके उनकी राजनीति सिमट रही है क्योंकि महाराष्ट्र की जनता का स्वभाव इस प्रकार का नहीं है। कहना होगा कि हिन्दी के विस्तार में महाराष्ट्र की बड़ी भूमिका रही है। चाहे वह भारतीय फिल्म उद्योग हो, जिसने देश में ही नहीं अपितु दुनिया में हिन्दी का विस्तार किया या फिर साहित्य एवं राजनीतिक नेतृत्व रहा हो। महाराष्ट्र की जमीन ऐसी नहीं रही, जिसने भाषायी विवाद का पोषण किया हो। इस प्रकार की राजनीति के लिए वहाँ कतई जगह नहीं है। ठाकरे बंधु मराठी अस्मिता के नाम पर जितना अधिक हिन्दी भाषी बंधुओं को परेशान करेंगे, उतना ही अधिक वह और उनकी राजनीति अप्रासंगिक होती जाएगी। महाराष्ट्र की भूमि से छत्रपति शिवाजी महाराज जैसा नेतृत्व निकला है, जिसने समूचे राष्ट्र को एक करने कार्य किया। मराठी अस्मिता के नाम पर हिन्दी का विरोध करने वाले नासमझ नेता यह भूल जाते हैं कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने अपने राज्य का नामकरण 'मराठी या मराठा साम्राज्य' नहीं किया अपितु उन्होंने उसे 'हिन्दवी स्वराज्य' जैसा संपूर्ण भारत का प्रतिनिधित्व करनेवाला नाम दिया। मजेदार बात यह है कि हिन्दी का विरोध करने वाले ये नेता छत्रपति शिवाजी महाराज के नाम पर भी अपनी राजनीति की दुकान चलाते हैं लेकिन ये भूल जाते हैं कि महाराज ने भारत की एकता-अखंडता के लिए अपना जीवन दिया। याद करें कि छत्रपति शिवाजी महाराज की राजमुद्रा किस भाषा में थी? उन्होंने उस समय देश को जोड़ने वाली संस्कृत भाषा में अपनी राजमुद्रा को तैयार कराया। महाराज ने भारत की भाषाओं को अपनाया और विदेशी भाषाओं (अरबी-फारसी) का विरोध किया, जो भारतीय भाषाओं को निकल रही थी। मजेदार तथ्य है कि भाषा के आधार पर अपनी राजनीति चमकानेवाले नेता तमिलनाडु से लेकर महाराष्ट्र तक हिन्दी का विरोध तो करते हैं लेकिन एक भी नेता अंग्रेजी का विरोध नहीं करता। जबकि भारतीय भाषाओं को वास्तविक खतरा अगर है तो वह अंग्रेजी से है। किंतु, ये नेता अंग्रेजी का विरोध नहीं करते। सच यह है कि भारतीय जनता पार्टी के नेता जब भारतीय भाषाओं की रक्षा के लिए अंग्रेजी के प्रभुत्व को चुनौती देते हैं, तब अंग्रेजी का समर्थन करने के लिए कई नेता खड़े हो जाते हैं। अभी हाल ही में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जब कहा कि एक समय आएगा जब अंग्रेजी में बोलने वालों को शर्म आएगी तब विपक्ष के प्रमुख नेताओं ने अंग्रेजी की जिस तरह वकालात की थी, उससे साफ दिखायी दिया कि अभी भी कुछ लोगों का दिमाग औपनिवेशकता का दास है। अंग्रेजी की गुलामी उन्हें पसंद है, अपनी भाषा नहीं। कोई कितना भी हिन्दी विरोध करे लेकिन सत्य यही है कि भारत में सबसे अधिक सहज संपर्क की कोई भाषा है, तो वह हिन्दी ही है। हिन्दी का यह स्थान अंग्रेजी इतने वर्षों में भी नहीं ले सकी है। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस के साथ गठबंधन में जाने से ठाकरे बंधुओं की राजनीतिक जमीन पूरी तरह खिसक गई है। हिन्दी विरोध की यह ओछी हरकतें महाराष्ट्र की राजनीति में कुछ स्थान बनाने का प्रयासभर है। उद्धव और राज ठाकरे ने अपने भाषणों में यह स्वीकार भी किया है कि वे मुम्बई नगर निगम और महाराष्ट्र की सत्ता को प्राप्त करना चाहते हैं। महाराष्ट्र सरकार को सुनिश्चित करना चाहिए कि मराठी अस्मिता के नाम पर कानून को हाथ में लेकर यदि कोई हिन्दी बोलनेवालों को प्रताड़ति करता है, तब उनका ठीक प्रकार से इलाज हो। भारत में भाषा, जाति, पंथ इत्यादि के नाम पर किसी को प्रताड़ति करने का अधिकार किसी को नहीं दिया जा सकता।

> मराठी अस्मिता के नाम पर हिन्दी का विरोध करते हुए उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे दोनों 20 वर्ष बाद एक मंच पर आ गए हैं। महाराष्ट्र में शिवसेना (उद्धव गुट) यह प्रयोग पहले भी कर चुकी है, उस समय भी हिन्दी भाषायी को परेशान करना और उनके साथ मारपीट करना, ठाकरे एंड कंपनी का धंधा हो गया था। लेकिन बाद में शिवसेना के शीर्ष नेताओं को समझ आया कि हिन्दी का विरोध करके उनकी राजनीति सिमट रही है क्योंकि महाराष्ट्र की जनता का स्वभाव इस प्रकार का नहीं है।

कुछ | अलग

संविधान की उद्देशिका

जिसे चारों दिशाओं का होश नहीं, जो दसवीं में तीन कोशिशों के बाद थर्ड डिवीजन से एनटायर मेट्रिक पास हुआ, जो अपने बाप का नाम तक सही लिख नहीं सकता, जो दुनिया के नक्शे में तत्काल भारत और अपना शहर नहीं ढूँढ़ सकता, जिसे दिन-रात, सूर्य-चंद्रग्रहण और सौर-मण्डल के बारे में सही से पता नहीं वह भी नीचे से पाद और ऊपर से मूली की डकार की तरह संविधान में संशोधन का सुझाव तो दे ही देता है । और बड़े बड़े पदों पर बैठे तथाकथित अपने को कानून का ज्ञाता कहने वाले लेकिन अक्ल से पैदल चापलूस लोग भी उनका समर्थन करने लग जाते हैं तो बड़ी चिंता होती है ।संविधान न हुआ गली का खजुआ कुत्ता हो गया जिसे आते जाते कोई भी लफंगा लात मार जाता है । समय समय पर जनता का जरूरी मुद्दों से ध्यान हटाने के राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम में आजकल संविधान में संशोधन पर बात चल रही है । इसलिए मित्रों से कई आलेखों का आदान-प्रदान हो जाता है जिनमें संविधान का प्रीऐम्बल भी आ जाता है जिसका हिन्दी अनुवाद 'उद्देशिका' किया गया है । मैं अभी तक उसे संविधान की प्रस्तावना मानता आया था । वैसे किसी भी पुस्तक से पहले उसके परिचय/सार के बतौर लेखक या कोई विद्वान जो कुछ लिखता है जिसे प्रस्तावना, आमुख, भूमिका आदि भी कहा जाता है ।

दृष्टि | कोण

लिथियम की होड़ में भारत-चीन आमने-सामने, अर्जेंटीना बना रणनीतिक रणभूमि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अर्जेंटीना की द्विपक्षीय यात्रा दोनों देशों के आपसी संबंधों को प्रगाढ़ बनाने की दृष्टि से तो महत्वपूर्ण है ही साथ ही इस यात्रा का एक और बड़ा रणनीतिक असर होने जा रहा है। हम आपको बता दें कि वर्तमान वैश्विक व्यवस्था में लैटिन अमेरिका और एशिया के देशों के बीच आर्थिक और रणनीतिक रिश्ते गहराते जा रहे हैं। अर्जेंटीना और चीन के संबंध इसी उभरते भू-राजनीतिक समीकरण का हिस्सा हैं। बीते एक दशक में अर्जेंटीना ने चीन के साथ अपने व्यापारिक, निवेश, और कूटनीतिक संबंधों को अत्यंत मजबूत किया है। यह संबंध न केवल क्षेत्रीय रणनीति को प्रभावित कर रहे हैं, बल्कि भारत के लिए भी कई अवसर और चुनौतियाँ उत्पन्न कर रहे हैं। हम आपको बता दें कि चीन अर्जेंटीना का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। दोनों देशों ने कृषि, अवसंरचना, ऊर्जा और रक्षा जैसे क्षेत्रों में कई समझौते किए हैं। चीन अर्जेंटीना से बड़ी मात्रा में सोयाबीन, मांस और कृषि उत्पाद आयात करता है। साथ ही चीन ने अर्जेंटीना में जलविद्युत परियोजनाओं और परमाणु संयंत्रों में भारी निवेश किया है। यही नहीं, अर्जेंटीना वर्ष 2022 में बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव BRI में शामिल हुआ, जिससे चीन की लैटिन अमेरिका में रणनीतिक उपस्थिति और गहराई। एक खास बात और है कि अर्जेंटीना "लिथियम ट्रायंगल" का हिस्सा है और चीन ने वहां की कई लिथियम परियोजनाओं में निवेश कर रखा है। चीन का अर्जेंटीना में गहराता प्रभाव भारत के लिए रणनीतिक दृष्टि से चिंता का विषय है, खासकर जब चीन की नीति Global South के देशों में कर्ज और निवेश के माध्यम से प्रभाव बढ़ाने की रही है। यहां यह भी काबिलेगौर है कि भारत इलेक्ट्रिक वाहनों और ऊर्जा भंडारण के लिए लिथियम पर निर्भर है। अर्जेंटीना में चीन की बढ़ती

हिस्सेदारी इस महत्वपूर्ण खनिज की वैश्विक आपूर्ति में भारत को पीछे धकेल सकती है। इसलिए भारत अर्जेंटीना के साथ अपने संबंधों को मजबूती देना चाहता है, लेकिन चीन की पहले से मौजूदगी भारत की कूटनीतिक पहुंच को सीमित कर सकती है। लेकिन भारत के ग्लोबल साउथ को जोड़ने की नीति अर्जेंटीना जैसे देशों में स्वीकार्यता पा रही है। देखा जाये तो भारत और चीन दोनों ही अर्जेंटीना को एक बड़ा कृषि, औद्योगिक और खनिज स्रोत मानते हैं। हालांकि चीन का आक्रामक निवेश मॉडल भारत के लिए प्रतिस्पर्धा को कठिन बना देता है, खासकर तब जब भारत सतर्क और स्थिर निवेश नीति पर चलता है। सवाल उठता है कि भारत की रणनीतिक दिशा क्या होनी चाहिए? इसका जवाब यह हो सकता है कि भारत को अर्जेंटीना सहित लैटिन अमेरिका के देशों में उच्च स्तरीय राजनीतिक और व्यापारिक संवाद को और गहरा करना होगा। साथ ही अर्जेंटीना में लिथियम जैसे संसाधनों के लिए भारत को चीन के समानांतर रणनीतिक साझेदारियाँ बनानी होंगी। इसके अलावा, "सॉफ्ट पावर" के माध्यम से भारत अर्जेंटीना में अपनी पहचान मजबूत कर सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अर्जेंटीना दौरे में देखने को आया कि भारत जिन उद्देश्यों और लक्ष्यों को लेकर चल रहा है उसमें सही रणनीति के साथ आगे बढ़ रहा है। वैसे भी हाल के वर्षों में भारत और अर्जेंटीना के द्विपक्षीय संबंध ऐतिहासिक, कूटनीतिक और आर्थिक दृष्टि से लगातार प्रगाढ़ हुए हैं।

पानीपत की बेटी नीतू ने अमेरिका में फहराया परचम

पानीपत (हिंस)। पानीपत के गांव नौल्था की बेटी नीतू जागलान ने पानीपत के साथ ही अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हरियाणा का नाम रोशन किया है। नीतू आईटीबीपी में कांस्टेबल है। नीतू जागलान ने अमेरिका के बर्मिंघम में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उन्होंने 21वें अंतर्राष्ट्रीय पुलिस और फायर गेम्स 2025 की कराटे प्रतियोगिता में एकल और युगल दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक जीते हैं। पानीपत के गांव नौल्था में पली बढ़ी नीतू के पिता गांव में खेती बाड़ी करते हैं। नीतू की यह पहली अंतर्राष्ट्रीय सफलता नहीं है। उन्होंने 2019 में चीन में आयोजित कराटे प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक और 2023 में नीदरलैंड में रजत पदक हासिल किया था। वर्तमान में वह पंचकूला, हरियाणा में आईटीबीपी (इंडो तिब्बत सीमा पुलिस) में कांस्टैबल के पद पर कार्यरत हैं।

पंजाब : होशियारपुर में कार से टकराकर पलटी बस, छह की मौत व 17 घायल

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के होशियारपुर जिले में सोमवार को एक यात्री बस के पलटने से छह यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 17 यात्री घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे में घायल बारह लोगों की हालत गंभीर होने पर अमृतसर के लिए रेफर किया गया। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने घटना पर शोक जताया और घायलों के स्वस्थ जल्द होने की कामना की है। घटना आज सुबह दसूहा-हाजीपुर रोड पर अड्डा सगरां के पास हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दसूहा की तरफ जा रही बस जब अड्डा सगरां के पास पहुंची तो सामने से आ रही एक कार से टकरा गई। बस तेज रफ्तार में होने के कारण चालक बस नियंत्रित नहीं कर सका और थोड़ी दूरी पर जाकर पलट गई। बस पलटते ही यात्रियों में चीख पुकार मच गई। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय ग्रामीण मौके पर जुट गए और उन्होंने पुलिस को सूचित किया। ग्रामीणों ने यात्रियों को बस से बाहर निकाला। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। दसूहा सिविल अस्पताल के एसएमओ डॉक्टर मनमोहन सिंह ने बताया कि हमारे पास कई मरीज जख्मी हालत में पहुंचे हैं। टीमें सभी का इलाज कर रही हैं। प्राथमिक तौर पर जब मरीजों को लाया गया, तब तीन लोग मृत पाए गए थे। उसमें एक छोटा बच्चा भी था। इसके अलावा तीन लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। डीएसपी कुलविंदर सिंह ने कहा कि जांच में पता चला है कि कार और बस का एक्सीडेंट हुआ है। शुरुआती जांच में बस की तेज रफ्तार को हादसे का मुख्य कारण माना जा रहा है। फिलहाल, जांच कर रही है। इस बीच पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा होशियारपुर के दसूहा के गांव सगरा में एक बड़ा हादसा हुआ है, जहां सवारियों से भरी एक मिनी बस और कार की आपसी टक्कर हुई है। इस हादसे में कई लोगों की दुखद मौत की खबर मिली है और कई लोग घायल बताए जा रहे हैं। प्रशासन को तुरंत घायलों की मदद करने के निर्देश दिए और मैं लगातार प्रशासन के संपर्क में हूं। इस हादसे में जान गंवाने वाले यात्रियों की आत्मा की शांति के लिए परमात्मा के आगे प्रार्थना करते है और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते है।

गोपाल खेमका हत्या मामले में एक दर्जन संदिग्धों को हिरासत में लिया : पुलिस महानिदेशक

पटना (हिंस)। राजधानी पटना में कारोबारी गोपाल खेमका हत्याकांड में करीब एक दर्जन लोगों को हिरासत में लिया गया है। उनसे गहनता से पूछताछ की जा रही है। पुलिस इस मामले को हर एंगल से जांच कर रही है। घटना में शामिल सभी अपराधियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। सोमवार को एक पत्रकार वार्ता में राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) विनय कुमार ने यह जानकारी दी। डीजीपी ने बताया कि पुलिस ने संदेह के आधार पर कई लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की है। घटना में शामिल सभी अपराधियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। डीजीपी ने कहा कि गोपाल खेमका हत्या मामले में पटना पुलिस और एसटीएफ की टीमें

लगातार कारगर ढंग से काम कर रही हैं। उन्होंने बताया कि वो खुद एसटीएफ मुख्यालय गए थे और अनुसंधान किया है, जिसमें काफी प्रगति हुई है। हालांकि जांच के संवेदनशील पहलुओं को सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। घटनास्थल पर पुलिस के देर से पहुंचने के सवाल पर उन्होंने कहा कि घटना के बाद पहली प्राथमिकता घायल को अस्पताल पहुंचाना था। गोपाल खेमका को घटनास्थल से अस्पताल ले जाया गया, जहां वे 12-30 बजे पहुंचे, और कुछ ही मिनटों में कंकड़बाग थाना प्रभारी भी मौके पर आ गए। हालांकि, डीजीपी ने माना कि पुलिस को घटनास्थल पर पहुंचने में कुछ देर हुई, यदि कोई लापरवाही पाई जाती है, तो दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। डीजीपी ने कहा कि गोपाल खेमका को लगातार 6 साल तक सुरक्षा मिली, लेकिन अप्रैल 2024 के बाद उनकी सुरक्षा वापस ले ली गई थी। इस पर भी जांच चल रही है कि क्या उन्होंने स्वयं सुरक्षा हटाने का अनुरोध किया था या फिर प्रशासनिक स्तर पर कोई लापरवाही हुई।

एसआई पेपर लीक को लेकर एजी ने याचिका पर उठाए सवाल

जयपुर (हिंस)। राजस्थान हाईकोर्ट में सोमवार को एसआई भर्ती-2021 पेपर लीक मामले में सुनवाई हुई। राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता की बहस अधूरी रहने पर अदालत ने मामले की सुनवाई मंगलवार को तय की है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश कैलाश चंद्र शर्मा व अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। सुनवाई करते हुए राज्य सरकार की ओर से प्रार्थना पत्र पेश किया गया। जिसमें याचिका को सारहीन होने के आधार पर खारिज करने की गुहार की गई। महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता ने समान मामले में पूर्व में भी याचिका दायर की थी। हालांकि बाद में याचिकाकर्ता की ओर से वापस लेने के आधार पर अदालत ने उसे खारिज कर दिया था। याचिकाकर्ता ने यह तथ्य अदालत से छिपाया है। इसके अलावा कैबिनेट सब कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में भर्ती को फिलहाल निरस्त नहीं करने की बात कही है और इसे मुख्यमंत्री स्तर पर भी सहमति दी जा चुकी है। इस याचिका में सब कमेटी के इस आदेश को चुनौती नहीं दी गई है। ऐसे में याचिका को सारहीन मानते हुए खारिज किया जाए। यदि याचिकाकर्ता सब कमेटी के निर्णय को चुनौती देना चाहे तो उसके लिए अलग से याचिका दायर कर सकते हैं। इस दौरान अदालत ने कहा कि मुख्यमंत्री स्तर पर मामला इतने दिनों तक लंबित क्यों रहा। इसके साथ ही अदालत में पहले की राय को लेकर सारी नोटशीट पेश क्यों नहीं की गई। इस पर महाधिवक्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री कार्यालय में पत्रावली का परीक्षण चल रहा था और मामले में पूरी पारदर्शिता से निर्णय लिया गया है। दूसरी ओर राज्य सरकार के प्रार्थना पत्र का जवाब देते हुए याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता हरेन्द्र नील ने कहा कि भर्ती रद्द करने की मांग आज भी जीवित है। कोर्ट की ओर से बार-बार कहने के बाद ही भर्ती निरस्त नहीं करने का निर्णय पेश किया गया है। ऐसे में याचिका को सारहीन नहीं कहा जा सकता। गौरतलब है कि गत एक जुलाई को राज्य सरकार की ओर से कैबिनेट सब कमेटी की रिपोर्ट पेश कर कहा था कि फिलहाल भर्ती को निरस्त नहीं किया जा सकता। अभी तक की जांच में काफी कम अभ्यर्थी दोषी पाए गए हैं। रिपोर्ट में कहा गया की 313 अभ्यर्थी पहली बार किसी सरकारी सेवा में चयनित हुए हैं। इनमें से सिर्फ 35 अभ्यर्थी ही दोषी पाए गए हैं। वहीं यदि कुल पदों की बात के जाए तो कुल 838 अभ्यर्थियों में से केवल 53 अभ्यर्थी की दोषी पाए गए हैं और 785 अभ्यर्थियों के खिलाफ कोई प्रमाण नहीं मिला है। ऐसे में दोषी अभ्यर्थियों को अलग किया जा सकता है। दूसरी ओर सफल अभ्यर्थियों की ओर से सीनियर एडवोकेट आरएन माथुर ने कहा था कि कैबिनेट सब कमेटी के निर्णय के बाद अब याचिका सारहीन हो गई है। इसलिए इस याचिका को खारिज किया जाए और याचिकाकर्ता चाहे तो सब कमेटी के इस निर्णय को अलग से याचिका दायर कर चुनौती दे सकते हैं। इस पर अदालत ने 7 जुलाई को सुनवाई तय की थी।

चंडीगढ़ कोर्ट से प्रीति जिंटा को मिली अस्थाई राहत

चंडीगढ़ (हिंस)। चंडीगढ़ की एक अदालत ने फिल्म अभिनेत्री एवं पंजाब किंग्स क्रिकेट टीम की सह-मालकिन प्रीति जिंटा को राहत दी है। कोर्ट ने उनके पार्टनरों द्वारा कंपनी के संबंध में लिए गए फैसलों पर रोक लगा दी है। हालांकि प्रीति जिंटा के लिए यह अस्थाई राहत है। प्रीति जिंटा ने अपनी ही कंपनी केपीएच ड्रीम क्रिकेट प्राइवेट लिमिटेड के दो साथी डायरेक्टर मोहित बर्मन और नेस वाडिया के खलाफ शिकायत की थी। याचिका में कहा गया था कि 21 अप्रैल को हुई बैठक कंपनी के नियमों के खिलाफ थी, इसलिए उसे रद्द किया जाना चाहिए। बीती 31 मई को ट्रायल कोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद प्रीति ने ऊपरी अदालत में अपील की और मांग की कि जब तक अपील चल रही है, तब तक कंपनी की कोई नई मीटिंग या फैसला ना हो। कोर्ट ने फिलहाल कहा है कि कंपनी की मीटिंग में लिए गए सभी फैसले प्रीति की अपील और केस के अंतिम फैसले पर निर्भर रहेंगे। यानी, जब तक केस का पूरा फैसला नहीं हो जाता, कोई भी फैसला पक्का नहीं माना जाएगा। अब अगली सुनवाई 7 अगस्त को होगी। तब तक कोर्ट ने सभी पक्षों से कहा है कि वे अपने दस्तावेज और जवाब दाखिल करें। कोर्ट ने साफ किया कि अभी सीधे कोई रोक (स्टे) नहीं लगाई जा सकती क्योंकि सभी पक्षों के जवाब और जरूरी दस्तावेज कोर्ट में नहीं आए हैं। लेकिन कोर्ट ने यह भी कहा कि मीटिंग और उसके बाद लिए गए फैसले अभी मान्य नहीं माने जाएंगे और इन पर कोर्ट के अंतिम फैसले का असर होगा।

प्रीति जिंटा ने कुछ दिन पहले निचली अदालत में याचिका दायर कर 21 अप्रैल 2025 को केपीएच ड्रीम क्रिकेट प्राइवेट लिमिटेड की हुई एक्स्ट्रा ऑर्डिनरी जनरल मीटिंग को अमान्य घोषित करने की मांग की थी। उनका आरोप था कि यह बैठक कंपनी अधिनियम और नियमों का उल्लंघन कर बुलाई गई थी। साथ ही उन्होंने तत्काल स्टे की अपील भी की थी।

वक्फ बोर्ड को जमीन आवंटन का विरोध, सर्व समाज ने बाजार बंद रख निकाला जुलूस

चित्तौड़गढ़ (हिंस)। जिले के भदेसर कस्बे में स्थित भैरूनाथ मंदिर के निकट स्थित आम बाग की भूमि को वक्फ बोर्ड के नाम पर पूर्व वर्षों में आवंटन का विरोध शुरू हो गया है। इस आवंटन के विरोध में हिंदूवादी संगठनों ने सोमवार को आधा दिन भदेसर कस्बे के बाजार को पूरी तरह से बंद रखा। लोगों ने जुलूस निकाला तथा उपखंड कार्यालय पहुंच कर उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। इसमें भैरूजी बाग की भूमि को निरस्त करने की मांग की। जानकारी के अनुसार भदेसर भैरुजी मंदिर के पास निंबाहेड़ा सड़क मार्ग के किनारे खाली भूमि पड़ी है। यहां पर बड़ी संख्या में कस्बेवासियों ने वर्षों पहले यहां आम के पेड़ लगाकर बहुत बड़ा आम का बाग विकसित किया था। लेकिन पूर्ववर्ती सरकार के शासन में इस भूमि को वक्फ बोर्ड के नाम आवंटन कर दी थी। इस आम के बाग के नीचे बड़ी संख्या में भैरूनाथ मंदिर में आने वाले श्रद्धालु रसोई बनाते थे तथा विश्राम करते थे। लेकिन यह जमीन पिछले वर्षों में वक्फ बोर्ड के नाम से गलत तरीके से दर्ज किए। इसके बाद समुदाय विशेष द्वारा चार दीवारी निर्माण कर देने तथा यात्रियों को परेशान करने से आक्रोशित होकर प्रदर्शन का आह्वान किया। इसके तहत सोमवार को कस्बे के हिंदूवादी संगठनों और आम नागरिकों ने सुबह से ही बाजार नहीं खोले। सभी पंचायत समिति परिसर के बाहर बड़ी संख्या में महिला पुरुष की एकत्रित हुए। यहां से जुलूस के रूप में कस्बे के विभिन्न मार्गों से होते हुए उपखंड कार्यालय पहुंचे। इस दौरान संगठन के कार्यकर्ता हाथ में तख्तियां लिए तथा इस भूमि को निरस्त करने, इस भूमि को भैरूजी यात्रियों के लिए सुरक्षित रखने की मांग कर रहे थे। यह विरोध जुलूस उपखंड कार्यालय में पहुंच कर सभा में परिवर्तित हो गया। सभा को भाजपा जिलाध्यक्ष, पूर्व सरपंच अशोक रायका, रघुवीर सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष पवन आचार्य पूर्व पंचायत समिति सदस्य तेजपाल रेगर, भदेसर प्रशासक रतन कंवर, प्रकाश भट्ट, सुरेशचंद्र जैन, सीपी खोड़पिया, प्रकाश खटीक, हीरालाल रायका, गिरधारी लाल सोनी, ख्यालीलाल खटीक सहित अन्य वक्ताओं ने संबोधित किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने इस भूमि का आवंटन निरस्त करने तथा यहां पर सामाजिक तत्वों पर निगरानी करने, खोले गए गलत दरवाजे को बंद करने की मांग प्रमुखता से की।

उपमुख्यमंत्री ने प्रदेशभर से आए लोगों की समस्याएं सुन तत्काल समाधान के दिए निर्देश

जयपुर (हिंस)। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने सोमवार को अपने कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे, जिन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, जल आपूर्ति, सड़क निर्माण, पेंशन, और प्रशासनिक मामलों से जुड़ी समस्याएं रखीं। उपमुख्यमंत्री ने सभी मामलों को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। कई मामलों में तो मौके पर ही समाधान की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। इस मौके पर उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हमारी सरकार संवेदनशील और जवाबदेह प्रशासन देने के लिए प्रतिबद्ध है। जनसुनवाई के दौरान उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों से स्पष्ट रूप से कहा कि किसी भी शिकायत को अनसुना न किया जाए और तय समयसीमा में समाधान सुनिश्चित किया जाए।

गहलोत को सुर्खियों में रहना पसंद, धरातल पर आए : पटेल

जोधपुर (हिंस)। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि पूर्व सीएम अशोक गहलोत को सुर्खियों में रहना बंद करके धरातल पर आना चाहिए, क्योंकि उनके बयानों को उनकी पार्टी के अध्यक्ष ही खारिज कर रहे हैं। पटेल ने सोमवार को सर्किट हाउस में मीडिया से बात करते हुए पूर्व सीएम गहलोत की ओर से गत दिनों सीएम भजनलाल शर्मा को हटाने के षड्यंत्र संबंधी बयान को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में यह बात कही। पटेल ने कहा कि वे कहते हैं, सीएम हट जाएंगे जबकि उनके नेता गोविंद डोटासरा कहते हैं कि सरकार पांच साल चलेगी, गहलोतजी के पास कोई शिगूफा आया होगा। ऐसे में उनको

सुर्खियों में रहना बंद करके धरातल पर आना चाहिए। पटेल ने कहा कि गहलोत ने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के साथ समझौते के लिए बात की है, जिसका जवाब केंद्रीय मंत्री ने दिया है, क्योंकि एक पुत्र के मन में अपनी मां के अपमान के प्रति स्वभाविक पीड़ा होती हैं। पटेल ने गहलोत पर तंज कसते हुए कहा कि उनको यह समझना चाहिए कि समय के साथ धीरे-धीरे सभी लोग किनारे आते हैं, इसलिए इसे सहन करना चाहिए। अपनी पार्टी के नए लोगों को आशीर्वाद देना चाहिए। पटेल ने कहा कि प्रदेश में सीएम बदलने की कोई कवायद नहीं है। हमारे नेतृत्व ने साफ कहा है कि हमारे यहां सीएम पांच साल के लिए बनता है, इसलिए सीएम बदलने का सवाल ही नहीं हैं। राजस्थान में भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में विकास हो रहा है। इस कारण पीएम खुद तीन दौरे लगातार कर चुके हैं, इसलिए भजनाल शर्मा पूरे पांच साल काम करेंगे और प्रदेश का विकास करते रहेंगे और अगले टर्म में भी सीएम भजनलाल शर्मा ही होंगे। पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के बीच मानहानि के मामले को लेकर चल रहे विवाद पर पटेल ने कहा कि अशोक गहलोत ने रिपोर्ट को देखकर उनकी माताजी का नाम लिया, यदि ऐसा है तो वे उसे सामने रखें। पटेल ने दावा किया कि जो रिपोर्ट जांच एजेंसी एसओजी ने कोर्ट में पेश की है।

मायावती ने बिहार की कानून व्यवस्था पर उठाए सवाल, चुनाव आयोग ले संज्ञान

लखनऊ (हिंस)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने बिहार में बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर नीतीश सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने चुनाव आयोग से बिहार में बढ़ती आपराधिक घटनाओं का संज्ञान लेकर कार्रवाई करने की मांग की है। बसपा प्रमुख मायावती ने सोमवार को एक्स पर एक पोस्ट लिखी। उन्होंने कहा कि बिहार में खासकर दलितों, पिछड़ों, शोषितों, गरीबों और महिलाओं आदि के खिलाफ अत्याचार, हत्या और जाति आधारित शोषण की वारदातें सामने आती रहती हैं। साथ ही इन वर्गों के लोगों को उनके अधिकारों से वंचित करने के मामले हमेशा से ही काफी चर्चा का विषय रहे हैं। राज्य में विधानसभा आम चुनाव से पहले हिंसक घटनाएं और हत्या की वारदातें हो रही है। हाल ही में पटना

में एक प्रमुख उद्योगपति और सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा के नेता गोपाल खेमका की सनसनीखेज हत्या ने राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था के साथ-साथ राज्य की राजनीति को नए तरीके से गरमा दिया है। अगर चुनाव आयोग इस खूनखराबे का संज्ञान लेकर अभी से उचित कार्रवाई करे तो शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराना बेहतर होगा। उन्होंने कहा है कि बिहार में चुनाव से पूर्व मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण के दौरान ये सारी हिंसक घटनाएं किसके द्वारा और किसके स्वार्थ के लिए की जा रही हैं। इसको लेकर न केवल राज्य की गठबंधन सरकार कटघरे में है, बल्कि इसको लेकर राजनीति भी काफी गरम है। देखना यह है कि भविष्य में इसका राज्य के राजनीतिक समीकरणों और चुनाव पर क्या असर होगा। वैसे हमारी पार्टी बहुजनों, खासकर दलितों, अन्य पिछड़े वर्गों, वंचितों, शोषितों, गरीबों और मजदूरों आदि की पार्टी हैं, जो अपने कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों के तन, मन और धन के बल पर राजनीति करने के सिद्धांत और नीति के तहत अपने बल पर बिहार विधानसभा का आम चुनाव लड़ रही है। इसलिए चुनाव आयोग से अपील है कि बिहार चुनाव को सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग के साथ-साथ बाहुबल, धनबल और आपराधिक बल आदि से मुक्त करने के लिए जो भी सख्त कदम उठाने की आवश्यकता है, वह समय रहते उठाए ताकि चुनाव प्रचार स्वतंत्र और निष्पक्ष साबित हो।

आधार कार्ड और मनरेगा जॉब कार्ड को पहचान दस्तावेज के रूप में स्वीकार करे चुनाव आयोग : तेजस्वी

पटना (हिंस)। बिहार में चुनाव आयोग द्वारा कराए जा रहे मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर राजनीतिक तापमान पूरे उबाल पर है। खासकर विपक्षी पार्टियां इसे मुद्दा बनाए हुए है। सोमवार को महागठबंधन की ओर से एक संयुक्त पत्रकार वार्ता में विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने चुनाव आयोग (ईसी) की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए। तेजस्वी यादव ने चुनाव आयोग से आधार कार्ड और मनरेगा जॉब कार्ड को पहचान दस्तावेज के रूप में स्वीकार करने की मांग की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण और वंचित तबकों के पास अक्सर वही दस्तावेज होते हैं। इसलिए आयोग को चाहिए कि वह इन दस्तावेजों को भी वैध माने। तेजस्वी ने पत्रकार वार्ता में कहा कि बीते दिन हमने एक प्रतिनिधिमंडल के तौर पर चुनाव आयोग से मुलाकात की थी लेकिन हमारे किसी भी सवाल का संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया। आयोग एक ही दिन में तीन अलग-अलग दिशानिर्देश जारी कर देता है। इससे मतदाता भ्रमित हो रहे हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि, छह जुलाई को ईसी ने विज्ञापन निकाला। उसी दिन तीन

अलग-अलग विज्ञापन के माध्यम से अलग-अलग जानकारियां दी गईं। एक विज्ञापन में कहा गया कि अगर आपके पास फोटो या पहचान पत्र नहीं है, तब भी गणना प्रपत्र भरकर बीएलओ को जमा कर सकते हैं। लेकिन दूसरे विज्ञापन में कुछ और लिखा है और तीसरे में कुछ और। उन्होंने कहा कि ईसी अपने फेसबुक पोस्ट के जरिए भी अलग-अलग जानकारी दे रहा है। इससे मतदाता और लोकतंत्र की पवित्र प्रक्रिया के प्रति गहरा अविश्वास पैदा हो रहा है। तेजस्वी ने कहा कि हमारी कुछ मांगें हैं। पहली मांग है कि भारतीय निर्वाचन आयोग तत्काल इस मामले में लिखित और आधिकारिक आदेश जारी करें।

कपड़ा व्यापारी की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या, लॉरेंस गैंग ने ली जिम्मेदारी

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के अबोहर में सोमवार की सुबह कपड़ा व्यापारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। व्यापारी आज सुबह अपने शोरूम न्यू वियरवेल पहुंचे थे। इस घटना के बाद लॉरेंस गैंग के आरजू बिश्नोई ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर इस हत्या की जिम्मेदारी ली है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कपड़ा व्यापारी संजय वर्मा अपनी कार से शोरूम के बाहर पहुंचे थे। वहां पंजाब नंबर की लाल रंग की स्प्लेंडर बाइक पर बैठे तीन हमलावर संजय वर्मा के आने का इंतजार कर रहे थे। जैसे ही संजय वर्मा कार से उतरे तभी हमलावरों ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। संजय वर्मा को कई गोलियां लगने के बाद खून से लथपथ होकर सड़क पर गिर गए थे। घटना के बाद बदमाश एक बाइक छीनकर भागे, लेकिन कुछ दूरी पर उन्होंने बाइक छोड़कर एक गाड़ी से फरार हो गए। दिन दहाड़े ताबड़तोड़ फायरिंग से इलाके में अफरा तफरी मच गई।

श्रावण मास में गंगा घाटों की सफाई व्यवस्था रहे दुरुस्त : गणेश केसरवानी

प्रयागराज (हिंस)। श्रावण मास में शहर में स्थित दशाश्वमेध घाट व अन्य घाटों पर जल भरने के लिए आने वाले कांवरियों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए प्रयागराज महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी ने निरीक्षण किया। महापौर ने जिम्मेदार अधिकारियों को निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की समस्या नहीं आनी चाहिए। महापौर ने कहा कि दशाश्वमेध घाट के आसपास का क्षेत्र में अतिक्रमण होने की वजह से श्रद्धालुओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसके साथ ही अस्थाई शौचालय, पेयजल की व्यवस्था, सफाई व्यवस्था तथा संपूर्ण क्षेत्र में जहां-जहां से कांवरिया आते-जाते है। वहां प्रकाश व्यवस्था व घाट पर बैरिकेडिंग की व्यवस्था की जाय। सावन के दौरान घाट के आस-पास के संपूर्ण क्षेत्र में तीनों समय सफाई व तत्काल अतिक्रमण हटाये जाने की व्यवस्था, मार्गों पर समुचित सफाई, मलवा एवं कूड़ा निस्तारण, कीट नाशक का छिड़काव, लीकेज, सीवर के टूटे ढक्कनों को बदलने का कार्य, पैच वर्क, चोक सीवर एवं नालियों की सफाई तथा समुचित मार्ग प्रकाश की व्यवस्था आवारा पशुओं के पकड़ने का कार्य, अस्थाई टायलेट, चेंजिग रूम, शुद्ध पेयजल हेतु टैंकर की व्यवस्था, बैरिकेडिंग की व्यवस्था किया जाना सुनिश्चित किया जाय। इसमें किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाय, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न होनी चाहिए। इस दौरान पार्षद उमेश मिश्रा, विनय कुमार मिश्र, सोनू पाठक व विमल किशोर मिश्रा, अपर आयुक्त पुलिस दीपेन्द्र यादव, अपर नगर आयुक्त विकास सेन, संयुक्त नगर आयुक्त एवं जोनल-4, दिनेश सचान, मुख्य अभियंता कुमार गौरव, महाप्रबंधक जलकल, संघ भूषण अधिशाषी अभियंता जलकल, आशुतोष सहायक अभियंता जल निगम, राम सक्सेना, अवर अभियन्ता, रंजन श्रीवास्तव सफाई निरीक्षक उपस्थित थे।

आरटीआई एक्टिविस्ट ने लगाया खैरा पंचायत की विकास योजना में घोटाले का आरोप

नालंदा, बिहारशरीफ (हिंस)। नालंदा जिले के बेन अंतर्गत खैरा पंचायत में वर्षों से चल रही विकास योजनाओं पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। आरटीआई एक्टिविस्ट एवं सामाजिक कार्यकर्ता अरविंद कुमार उर्फ भोली बाबू ने पंचायत में करोड़ों रुपए के घोटाले का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2021 से अब तक खैरा पंचायत में कई दर्जन वृक्षारोपण योजनाओं पर कार्य हुआ है जिन पर करोड़ों रुपए खर्च किए जा चुके हैं लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि कई स्थलों पर अब उन वृक्षों का कोई अस्तित्व नहीं है, इसके बावजूद संबंधित विभागों द्वारा नियमित रूप से वन पोषण की राशि का भुगतान जारी है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पंचायत में मुखिया और प्रखंड प्रमुख के कार्यकाल में सैकड़ों योजनाओं पर कार्य किया गया है जिनमें से अधिकांश में अनियमितता की आशंका है। उन्होंने कहा कि यदि ईंट सोलिंग, मिट्टी भराई, पैन खुदाई, पीसीसी, आरसीसी, षष्टम

वित्त आयोग, चौदहवीं और पंद्रहवीं वित्त आयोग के अंतर्गत संचालित योजनाओं की निष्पक्ष जांच कराई जाए, तो करोड़ों रुपए के घोटाले का खुलासा हो सकता है। उन्होंने यह भी दावा किया कि पंचायत में भ्रष्टाचार की जांच संभव नहीं है, क्योंकि मुखिया और प्रमुख को बिहार सरकार के एक कैबिनेट मंत्री का संरक्षण प्राप्त है। अरविंद कुमार ने कहा कि इसी राजनीतिक संरक्षण के चलते ना तो मंत्री और ना ही मुख्यमंत्री इस मामले में कोई कार्रवाई कर रहे हैं। आरटीआई एक्टिविस्ट ने पंचायत की सभी योजनाओं की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग करते हुए कहा कि पंचायत के विकास कार्यों में व्याप्त भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाना जरूरी है, ताकि जनता का पैसा सही तरीके से खर्च हो सके और विकास का आयाम दिखे।

देश के प्रमुख 8 शहरों में कार्यालय पट्टा मांग होगी नौ करोड़ वर्गफुट के पार : सीएंडडब्ल्यू

नई दिल्ली

रियल एस्टेट सलाहकार कंपनी कुशमैन एंड वेकफील्ड (सीएंडडब्ल्यू) की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के शीर्ष आठ शहरों में कार्यालय स्थलों की सकल पट्टा मांग वर्ष 2025 में नौ करोड़ वर्ग फुट को पार कर जाएगी।

पुणे, चेन्नई और दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में कार्यालय स्थल की मांग बढ़ी

कोविड-19 महामारी के बाद भी भारतीय कार्यालय बाजार में मजबूती का दौर जारी है और यह तेजी से वृद्धि कर रहा है। कंपनी द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी से जून 2025 के बीच इन आठ शहरों में कार्यालय पट्टा मांग 4.17 करोड़ वर्ग फुट रही, जो पिछले वर्ष इसी अवधि की तुलना में बढ़ी है। पुणे, चेन्नई और दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में कार्यालय स्थल की मांग में इजाफा देखने को मिला, जबकि मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, अहमदाबाद और कोलकाता में थोड़ा कमी आई है। 2024 में इन शहरों में कुल पट्टा मांग 8.9 करोड़ वर्ग फुट थी। कुशमैन एंड वेकफील्ड ने अनुमान लगाया है कि वर्ष 2025 में यह आंकड़ा नौ करोड़ वर्ग फुट के पार हो जाएगा, जो भारतीय कार्यालय बाजार के लिए एक नया मील का पत्थर साबित होगा। कंपनी के भारत, दक्षिण-पूर्व एशिया और एशिया-प्रशांत क्षेत्र के 'टेनेंट रिप्रेजेंटेशन' प्रभाग के एक मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने कहा कि भारत का कार्यालय बाजार मजबूत आर्थिक विकास के कारण वैश्विक प्रतिस्पर्धा में बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने कहा कि तकनीक, बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं एवं बीमा (बीएफएसआई), और इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, जो कार्यालय स्थलों की मांग को बढ़ावा दे रही है।

न्यूज़ ब्रीफ

जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने 261 मेगावाट नई अक्षय ऊर्जा क्षमता की शुरुआत की

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एनर्जी लिमिटेड ने सोमवार को 261 मेगावाट की नई अक्षय ऊर्जा क्षमता की सफल शुरुआत की घोषणा की। कंपनी ने अपने बयान में बताया कि इसमें 189 मेगावाट सौर ऊर्जा और 72 मेगावाट पवन ऊर्जा परियोजनाएं शामिल हैं। इस नई शुरूआत के साथ कंपनी की कुल स्थापित उत्पादन क्षमता बढ़कर 12,760 मेगावाट हो गई है। कंपनी ने बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में कुल 1.9 गीगावाट की संचयी क्षमता में वृद्धि दर्ज की गई है। यह उपलब्धि कंपनी की हरित ऊर्जा की ओर तेज़ी से बढ़ती प्रतिबद्धता को दर्शाती है। जेएसडब्ल्यू एनर्जी का लक्ष्य वित्त वर्ष 2029-30 तक अपनी कुल उत्पादन क्षमता को 30 गीगावाट तक पहुंचाना है। इसके साथ ही कंपनी 40 गीगावाट की ऊर्जा भंडारण क्षमता भी विकसित करने की योजना पर कार्य कर रही है। यह भंडारण क्षमता सौर और पवन जैसे अस्थिर ऊर्जा स्रोतों को स्थायित्व प्रदान करने में अहम भूमिका निभाएगी। कंपनी ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के तहत 2050 तक पूरी तरह से कार्बन तटस्थता हासिल करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य भी निर्धारित किया है।

प्रमोटरों ने बेचे 90 हजार करोड़ के शेयर , एयरटेल और इंडिगो समेत बड़ी कंपनियों में मचा हड़कंप

नई दिल्ली। देश की प्रमुख कंपनियों जैसे एयरटेल और इंडिगो के प्रमोटरों ने हाल ही में लगभग 90 हजार करोड़ रुपये के शेयर बाजार में बेचे हैं, जिससे निवेशकों में असमंजस और बाजार में हलचल देखने को मिली है। यह बड़ी रकम प्रमोटरों द्वारा अपने शेयर बेचने की दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि प्रमोटरों द्वारा इतने बड़े पैमाने पर शेयर बेचना कई तरह के मायने रखता है। कुछ मामलों में यह प्रमोटरों की नकदी जरूरत को दर्शाता है, तो कहीं यह निवेश डाइवर्सिफिकेशन का हिस्सा हो सकता है। हालांकि, ऐसे कदम बाजार में निवेशकों की चिंता भी बढ़ा सकते हैं, क्योंकि प्रमोटर के शेयर बेचना कंपनी की स्थिरता पर सवाल खड़े कर सकता है। एयरटेल और इंडिगो जैसी कंपनियां देश की अग्रणी सेक्टर्स में हैं, इसलिए इन प्रमोटर गतिविधियों का बाजार पर व्यापक प्रभाव पड़ता है। निवेशकों को सलाह दी जा रही है कि वे कंपनी के फंडामेंटल्स और प्रमोटर की रणनीति को ध्यान में रखते हुए निवेश निर्णय लें।

एफडी से ज्यादा रिटर्नः अडानी का नया एनसीडी इश्यू 9 जुलाई से खुलेगा

नई दिल्ली। अडानी ग्रुप की प्रमुख कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) ने निवेशकों के लिए एक नया मौका पेश किया है। कंपनी ने 1,000 करोड़ रूपए तक जुटाने के उद्देश्य से सिक्योरड, लिस्टेड, रिडीमेबल नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर (एनसीडी) का दूसरा पब्लिक इश्यू लॉन्च करने की घोषणा की है। यह इश्यू 9 जुलाई 2025 से खुलेगा और 22 जुलाई 2025 तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला रहेगा। यह एनसीडी इश्यू कुल 8 सीरीज में उपलब्ध है, जिसकी अवधि 24, 36 और 60 महीनों की होगी। निवेशकों को सालाना अधिकतम 9.30 फीसदी की यील्ड (ब्याज) का विकल्प मिलेगा, जो मौजूदा फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी), विशेष रूप से एसबीआई जैसी बैंकों की एफडी दरों (6.5-7 फीसदी) से कहीं ज्यादा है। एइएल द्वारा यह रकम पुराने कर्ज चुकाने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए उपयोग की जाएगी। ब्याज भुगतान के विकल्पों में तिमाही, सालाना और संचयी भुगतान शामिल हैं, जिससे निवेशक अपनी सुविधा अनुसार विकल्प चुन सकते हैं। एनसीडी यानी कि निवेशक कंपनी को एक तय समय के लिए पैसा उधार देते हैं, जिसके बदले उन्हें निश्चित ब्याज और अवधि पूरी होने पर मूलधन वापस मिलता है। चूंकि ये नॉन-कन्वर्टिबल हैं, इन्हें शेयरों में बदला नहीं जा सकता। इससे पहले सितंबर 2024 में एईएल का पहला एनसीडी इश्यू आया था, जो पहले ही दिन पूरी तरह सब्सक्राइब हो गया था।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत एशिया में भी बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में इंडिपेंडेंस डे की छुट्टी के कारण पिछले सत्र के दौरान कोई कारोबार नहीं हुआ था। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजारों में पिछले सत्र के दौरान कमजोरी बनी रही। एशियाई बाजार में भी आमतौर पर गिरावट का रुख बना हुआ है।

रेसिप्रोकल टैरिफ को लेकर ग्लोबल मार्केट में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा टैरिफ को लेकर दी गई डेडलाइन 9 जुलाई को खत्म होने वाली है। हालांकि टैरिफ को लेकर अमेरिका की दुनिया के कई देशों के साथ ट्रेड डील के लिए बातचीत चल रही है, लेकिन अभी तक कोई स्पष्ट स्थिति नजर नहीं आ रही है। इस कारण दुनिया भर के बाजारों में दबाव बना हुआ है। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 149.03 अंक यानी 0.33 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 44,679.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव में कारोबार करने के बाद बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.29 अंक की सांकेतिक गिरावट के साथ 8,822.91 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.76 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,696.27 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया था। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 146.68 अंक यानी 0.62 प्रतिशत टूट कर 23,787.45 अंक के स्तर पर बंद हुआ। बाजारों में भी आमतौर पर गिरावट का रुख बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से 7 के सूचकांक कमजोरी के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि दो सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.24 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,023.09 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,057.22 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.13 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,493.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 175.18 अंक यानी 0.44 प्रतिशत की गिरावट के साथ 39,635.70 अंक तक के स्तर तक आ गया है। इसके अलावा ताइवान वेटेड इंडेक्स 170.88 अंक यानी 0.76 प्रतिशत फिसल कर 22,376.62 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.54 प्रतिशत टूट कर 1,113.94 अंक के स्तर पर, हैंग सेंग इंडेक्स 104.85 अंक यानी 0.44 प्रतिशत लुढ़क कर 23,811.21 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.21 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,465.05 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ 6,862.59 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

जून में वाहनों की खुदरा बिक्री में 5 फीसदी वृद्धि

नई दिल्ली । जून 2025 में भारत में मोटर वाहनों की खुदरा बिक्री में सालाना आधार पर 4.84 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोटिव डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अनुसार इस महीने कुल वाहन पंजीकरण 20,03,873 इकाई रहा, जो पिछले साल जून में 19,11,354 इकाई था। यात्री वाहनों की बिक्री 2 फीसदी बढ़कर 2,97,722 इकाई हो गई, जबकि दोपहिया वाहनों की बिक्री में 5 फीसदी वृद्धि दर्ज की गई और यह 14,46,387 इकाई पर पहुंच गई। तिपहिया वाहनों की बिक्री 7 फीसदी बढ़कर 1,00,625 इकाई रही, और वाणिज्यिक वाहनों का पंजीकरण भी 7 फीसदी बढ़कर 73,367 इकाई हो गया। ट्रैक्टरों की बिक्री सबसे ज्यादा 9 फीसदी की वृद्धि के साथ 77,214 इकाई रही। दोपहिया और ट्रैक्टरों की मांग में तेजी एफएडीए के एक अधिकारी ने बताया कि भारी वर्षा और नगदी की कमी के कारण ग्राहकों की आमद प्रभावित हुई, लेकिन कुछ हद तक नई बुकिंग और प्रोत्साहन योजनाओं ने बिक्री को सहारा दिया। अप्रैल-जून तिमाही में कुल खुदरा बिक्री 5 फीसदी बढ़कर 65,42,586 इकाई हो गई। इसी अवधि में यात्री वाहनों की बिक्री 3 फीसदी, दोपहिया वाहनों की बिक्री 5 फीसदी, तिपहिया वाहनों की बिक्री 12 फीसदी और ट्रैक्टर बिक्री 6 फीसदी बढ़ी।

ट्रंप ने ब्रिक्स देशों पर अतिरिक्त 10 फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी दी

नई दिल्ली

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को अमेरिका विरोधी नीतियों का समर्थन करने वाले ब्रिक्स देशों को सख्त लहजे में चेतावनी दी है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका विरोधी नीतियों के साथ जुड़ने वाले देशों को 10 फीसदी का अतिरिक्त टैरिफ झेलना पड़ेगा।

ट्रंप के नए ऐलान के बाद वैश्विक व्यापार में और अनिश्चितता पैदा होने के संकेत हैं, क्योंकि अमेरिका भारत सहित अपने कई व्यापारिक साझेदारों के साथ टैरिफ पर वार्ता जारी रखे हुए है, जिसकी मियाद 9 जुलाई को खत्म हो रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति का यह रुख ब्रिक्स देशों के वित्त मंत्रियों और सेंट्रल बैंक गवर्नर्स (एफएमसीबीजी) की बैठक के संयुक्त बयान के बाद सामने आया है, जिसमें टैरिफ और गैर-टैरिफ उपायों को बढ़ाने सहित व्यापार और वित्त से संबंधित कार्रवाइयों के एकतरफा थोपे जाने के खिलाफ आवाज उठाई गई है। इससे पहले 9 अप्रैल को ट्रंप प्रशासन ने टैरिफ के कार्यान्वयन को 3 महीने के लिए रोक दिया था। यह अवधि 9 जुलाई को समाप्त हो रही है।

अमेरिका और भारत के बीच टैरिफ को लेकर बातचीत में गतिरोध जारी है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा था कि भारत हमेशा मजबूत स्थिति के साथ बातचीत करता है, किसी तरह की समय-सीमा के दबाव में नहीं रहता है। अमेरिका की ओर से दुनिया के देशों के खिलाफ लगाए गए जवाबी टैरिफ की समय-सीमा 9 जुलाई को समाप्त हो रही है। दूसरी ओर बाजील में 17वां ब्रिक्स समिट जारी है।

ब्रिक्स समूह में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका जैसे देश हैं। इसके अलावे कई अन्य विकासशील देश पिछले कुछ वर्षों में ब्रिक्स में शामिल हैं, जो बढ़कर 10 हो गया है। ब्रिक्स समूह में दुनिया की लगभग आधी आबादी और वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 40 फीसदी शामिल है। ब्रिक्स समूह के देशों के पास वैश्विक व्यापार और निवेश प्रवाह का लगभग एक चौथाई हिस्सा है।

स्मार्टवर्क्स का आईपीओ 10 जुलाई से खुलेगा

स्मार्टवर्क्स कोवर्किंग स्पेसेज लिमिटेड ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 387 से 407 रुपए प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। यह इश्यू 10 जुलाई को खुलेगा और 14 जुलाई को बंद होगा, जबकि एंकर निवेशक 9 जुलाई को बोली लगा सकेंगे। कंपनी ने अपने आईपीओ का आकार घटाकर अब कुल 583 करोड़ कर दिया है। इसमें से 445 करोड़ का फ्रेश इश्यू और 33.79 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। प्राइस बैंड 387-407 रुपए तय पहले यह आकार 617.5 करोड़ था, जिसे बाजार की स्थितियों को देखते हुए घटाया गया है। स्मार्टवर्क्स एक प्रमुख सह-कार्यस्थल सेवा प्रदाता है, जो बेंगलुरु, मुंबई, गुरुग्राम, हैदराबाद और चेन्नई जैसे शहरों में काम कर रही है। इस आईपीओ के जरिए कंपनी अपनी कार्यक्षमता विस्तार और कर्ज चुकाने जैसे उद्देश्यों को पूरा करना चाहती है।

एआई प्लस नोवा 5जी और एआई प्लस पल्स 5जी की लांचिंग आज

नई दिल्ली

भारतीय बाजार में अगले हफ्ते कई बड़े ब्रांड्स अपने स्मार्टफोन्स लॉन्च करने जा रहे हैं। जल्द ही हॉनर, वनप्लस, मोटो और इनफिनिक्स जैसे ब्रांड्स की डिवाइसेज खास फीचर्स के साथ आने वाली हैं। सबसे पहले हॉनर एक्स9सी 5जी की बात करें तो इसमें 108एमपी कैमरा और 6600एमएएच बैटरी होगी। इसकी अल्ट्रा-बाउंस एंटी-ड्रॉप टेक्नोलॉजी 2.0 इसे 2 मीटर की ऊंचाई से गिरने पर भी सुरक्षित रखेगी। फोन बेहद मजबूत होगा और 360 डिग्री वॉटर रेजिस्टेंट डिजाइन के साथ आएगा। 8 जुलाई को एआई प्लस नोवा 5जी और एआई प्लस पल्स 5जी भी भारत में दस्तक देंगे। दोनों फोन फलीपकार्ट पर उपलब्ध होंगे।

इनमें 50एमपी मेन रियर कैमरा, 5000एमएएच बैटरी और 1टीबी तक एक्सपेंडेबल स्टोरेज की सुविधा मिलेगी। ये पांच रंगों में पेश किए जाएंगे। वनप्लस भी 8 जुलाई को दो फोन लॉन्च करेगा नोर्ड सीई 5 और नोर्ड 5।

नोर्ड सीई 5 की बिक्री 12 जुलाई से अमेजन पर होगी। इसमें 7100 एमएएच बैटरी मिलेगी जो 2.5 दिन तक चलेगी। इसमें डाइमेंसिटी 8350 चिपसेट और 50एमपी ओआईएस कैमरा होगा। नोर्ड 5 की बिक्री 9 जुलाई से शुरू होगी। इसमें स्नैपड्रैगन 8एस जेन 3 चिपसेट, 7300एमएएच का वीसी कूलिंग चैंबर और 50एमपी सेल्फी कैमरा भी मिलेगा।

मोटो जी 96 5जी 9 जुलाई को फलीपकार्ट पर लॉन्च होगा। 11 जुलाई को इनफिनिक्स हॉट 60 5जी प्लस लॉन्च होगा। यह फलीपकार्ट पर मिलेगा और गेमिंग के लिए खास होगा।

इसमें मीडियाटेक डाइमेंसिटी 7020 चिपसेट, 90एफपीएस गेमिंग सपोर्ट, 12जीबी तक एलपीडीडीआर5एक्स रैम और 7.8एमएम स्लिम प्रोफाइल दी जाएगी। इसमें स्नैपड्रैगन 7 एस जेन 2 चिपसेट, 50 एमपी सोनी लिटिया कैमरा और 32 एमपी सेल्फी कैमरा होगा।

साइबर क्राइम की चपेट में निष्क्रिय जनधन खाते, आरबीआई उठाएगा सख्त कदम

- रिजर्व बैंक ने इन खातों का पता लगाने के लिए म्यूल हंटर नाम से एक पहल की
- बैंक निष्क्रिय खातों को बंद या अस्थायी रूप से फ्रीज़ करने की बना रहा है योजना
- खातों को पुनः सक्रिय करने के लिए केवाईसी प्रक्रिया जरूरी होगी

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत खोले गए लाखों बैंक खाते, जो लंबे समय से निष्क्रिय पड़े हैं, अब साइबर अपराधियों के निशाने पर हैं। इन खातों का इस्तेमाल धोखाधड़ी, मनी लॉन्ड्रिंग और फर्जी लेनदेन के लिए किया जा रहा है। इसे देखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ऐसे निष्क्रिय खातों को बंद या अस्थायी रूप से फ्रीज़ करने की योजना बना रहा है। खातों को पुनः

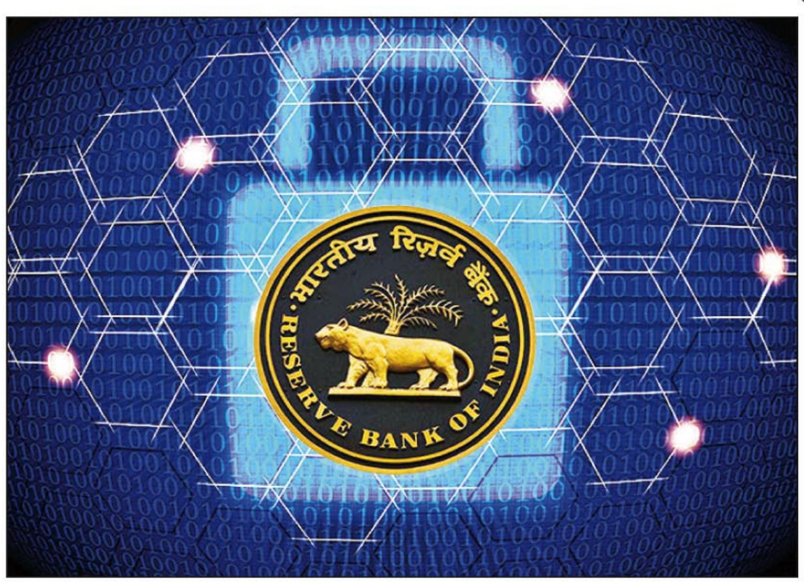

सक्रिय करने के लिए केवाईसी प्रक्रिया जरूरी होगी। आरबीआई का मानना है कि निष्क्रिय खातों पर निगरानी बढ़ाकर बैंकिंग प्रणाली को सुरक्षित किया जा सकता है। इससे पहले भी कई मामलों में पाया गया कि साइबर अपराधी इन खातों का दुरुपयोग कर रहे थे। खाताधारकों को सलाह दी गई है कि वे अपने खातों में समय-समय पर लेनदेन करें और बैंकिंग जानकारी किसी के साथ साझा न करें। निष्क्रिय जनधन खातों को तब माना जाता है जब खाते में लगातार 24 महीने तक कोई लेनदेन न हो। बैंक इन खातों को नए सिरे से सक्रिय करने के लिए री-केवाईसी प्रक्रिया अपनाने में जुटे हैं। यदि खाताधारक खाता सक्रिय रखना नहीं चाहता है तो बैंक खाते को बंद कर देते हैं। एक वरिष्ठ सरकारी बैंकर ने बताया कि अधिकांश निष्क्रिय खाते ग्रामीण इलाकों से हैं, जहां बैंकिंग गतिविधि कम होती है। जनधन खातों का दुरुपयोग बढ़ने के कारण भारतीय रिजर्व बैंक ने 'म्यूल हंटर' नामक एक मॉडल विकसित किया है, जो म्यूल खातों की पहचान करता है। यह मॉडल साइबर अपराधियों द्वारा धोखाधड़ी के जरिये जमा की गई रकम को रखने वाले खातों को ट्रैक करता है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 में डिजिटल भुगतान से जुड़े 13,516 धोखाधड़ी के मामले सामने आए, जिनमें से 56.5 प्रतिशत बैंकिंग से संबंधित थे।

कुल धोखाधड़ी की राशि 520 करोड़ रुपये के आसपास रही। भारतीय स्टेट बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि डीबीटी (प्रत्यक्ष लाभ अंतरण) योजना के तहत अधिक खाते खुलवाने की गलत धारणा के कारण 2014-15 में बहुत से खाते खोले गए थे। अब जब डीबीटी प्रणाली स्थिर हो गई है, तो साफ हो गया है कि किन खातों को लाभ मिल रहा है और किन्हें नहीं। जिन खातों में लेनदेन नहीं होता, वे निष्क्रिय हो जाते हैं और धोखाधड़ी के लिए खतरा बन जाते हैं। हालांकि, बैंकों द्वारा खातों को बंद करने के फैसले से जटिलताएं भी उत्पन्न हो सकती हैं, खासकर उन लाभार्थियों के लिए जो खाते बंद होने से प्रभावित हो सकते हैं।

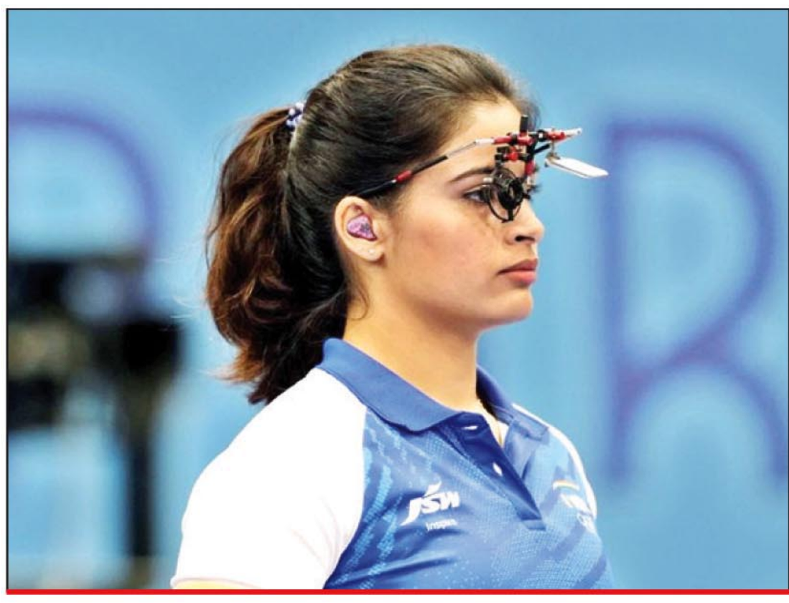

मनु भाकर के नेतृत्व में एशियन शूटिंग चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम घोषित

नई दिल्ली

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने सोमवार को कजाखस्तान के शिमकेन्ट में 16 से 30 अगस्त तक होने वाली 16वीं एशियन शूटिंग चैंपियनशिप के लिए 35 सदस्यीय सीनियर भारतीय टीम की घोषणा कर दी है।

इस टीम की कप्तानी डबल ओलंपियन मनु भाकर करेंगी, जो दो व्यक्तिगत इवेंट में भाग लेने वाली एकमात्र भारतीय शूटर हैं।

मनु भाकर दो इवेंट्स में लेंगी हिस्सा

मनु भाकर महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल और 25 मीटर पिस्टल स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगी। उनका चयन इस बार भी बताता है कि वह भारतीय शूटिंग में अपना दबदबा बनाए हुए हैं।

स्वप्निल कुसेले और राही सरनोबत की वापसी

ओलंपिक ब्रॉन्ज मेडलिस्ट स्वप्निल कुसेले और एशियन गेम्स की पूर्व स्वर्ण पदक विजेता व ओलंपियन राही सरनोबत को निंगबो (चीन) में 7 से 15 सितंबर तक होने वाले इ्स्स्स्न वर्ल्ड कप के लिए टीम में शामिल किया गया है।

जूनियर टीमों की भी घोषणा

एनआरएआई ने सितंबर-अक्टूबर में भारत में होने वाले इ्स्स्स्न जूनियर वर्ल्ड कप और साथ ही जूनियर एशियन चैंपियनशिप के लिए भी टीमें घोषित की हैं। दोनों 36 सदस्यीय जूनियर टीमों में एकमात्र बदलाव ओलंपियन राइज़ा ढिल्लों के रूप में आया है, जो दिल्ली वर्ल्ड कप की जूनियर वीमेन स्कीट टीम में शामिल हैं, जबकि मानसी रघुवंशी को जूनियर एशियन चैंपियनशिप टीम में जगह दी गई है। एनआरएआई की यह घोषणा आगामी अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में भारत की रणनीति और युवा प्रतिभाओं को मंच देने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है।

सीनियर टीम में अनुभवी और ओलंपियन शूटर शामिल

सीनियर टीम में कई अनुभवी और ओलंपियन शूटर भी शामिल हैं। इनमें पूर्व वर्ल्ड चैंपियन रुद्रांक्श पाटिल (पुरुष 10 मीटर एयर राइफल), ओलंपियन अंजुम मौदगिल (महिला 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन), ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, सौरभ चौधरी (पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल), और किनान चेनई (ट्रैप शूटिंग) शामिल हैं। इसके अलावा ईशा सिंह (25 मीटर पिस्टल), मेहुली घोष (एयर राइफल) और किरण अंकुश जाधव (एयर राइफल) जैसे नाम भी दोनों सीनियर स्क्वॉड्स का हिस्सा होंगे।

न्यूज़ ब्रीफ

हरिद्वार की संगीता राणा ने जापान में जीते दो रजत पदक, पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में बढ़ाया उत्तराखंड का मान

हरिद्वार। धर्मनगरी हरिद्वार की अंतरराष्ट्रीय पावरलिफ्टर संगीता राणा ने जापान के हिमेजी शहर में आयोजित दस दिवसीय एशियन एफ्रीकन पैसिफिक मास्टर्स एंड क्लासिक पावरलिफ्टिंग एंड बेंच प्रेस चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए 69 किलोग्राम वर्ग में दो रजत पदक जीतकर उत्तराखंड का नाम रोशन किया।संगीता ने बताया कि उन्होंने शनिवार को इक्विप्ड बेंच प्रेस स्पर्धा में 80 किलो वजन उठाकर रजत पदक हासिल किया, जहां जापान को स्वर्ण और ऑस्ट्रेलिया को कांस्य मिला। रविवार को क्लासिक स्पर्धा में 70 किलो वजन उठाकर उन्होंने दूसरा रजत पदक जीता। इस स्पर्धा में स्वर्ण महाराष्ट्र की पावरलिफ्टर को और कांस्य ऑस्ट्रेलिया को मिला।रानीपुर के टिहरी विस्थापित कॉलोनी निवासी संगीता पावरलिफ्टिंग को बढ़ावा देने के साथ-साथ युवा खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दे रही हैं। वह दो बेटों की मां भी हैं। उनका बड़ा बेटा बास्केटबॉल और छोटा बेटा ताइक्वांडो खिलाड़ी है।

एशियन ताइक्वांडो प्रतियोगिता के लिए मुरादाबाद का आशीष मलेशिया रवाना

मुरादाबाद। जिले के ताइक्वांडो खिलाड़ी आशीष सिंह का चयन बीते दिनों 6वीं कैडेट एशियन ताइक्वांडो प्रतियोगिता के लिए भारतीय ताइक्वांडो टीम में हुआ था। यह प्रतियोगिता 24 से 29 जुलाई तक मलेशिया के कुचिंग शहर में आयोजित होगी। आशीष सिंह सोमवार का मलेशिया के लिए रवाना हुआ। इस दौरान जिला ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव व कोच शाहवेज़ अली के साथ पदाधिकारी डॉ जी कुमार, डॉ विनोद कुमार, डॉ अजय शर्मा, डॉ गरिमा शर्मा, केशव थापा, सुमित शर्मा, शोभित भारद्वाज, अरविंद सिंह, संदीप कुमार, अर्जुन थापा आदि ने आशीष को रवाना होने के दौरान शुभकामनाएं दी। जिला ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव व कोच शाहवेज़ अली ने बताया कि आशीष सिंह ने राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता था। जिसके आधार पर 22 जून से 24 जून तक जालंधर कैंट में स्थित लवली प्रोविजनल यूनिवर्सिटी में 6वीं कैडेट एशियन ताइक्वांडो सिलेक्शन ट्रायल कराए गए। ट्रायल में स्वर्ण पदक विजेता को भारतीय टीम में चयनित किया गया। उन्होंने बताया कि आशीष सिंह पिछले पांच वर्षों से आरएसडी एकेडमी में संचालित साईं ताइक्वांडो एकेडमी में अभ्यास कर रहा है और मेरे नेतृत्व में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहा है।

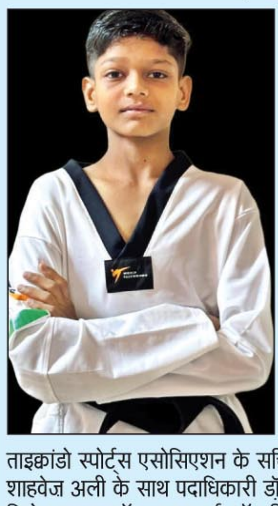

विंबलडन 2025: कार्लोस अल्कराज़ क्वार्टरफाइनल में, रूबलेव को दी शिकस्त

लंदन। दूसरे वरीय स्पेनिश टेनिस स्टार कार्लोस अल्कराज़ ने रविवार को सेंटर कोर्ट पर खेले गए चौथे दौर के मुकाबले में रूस के आंद्रेई रूबलेव को एक कड़े मुकाबले में 6-7(5), 6-3, 6-4, 6-4 से हराकर विंबलडन 2025 के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया। इस जीत के साथ अल्कराज़ ने टूर्नामेंट में अपनी लगातार 22वीं जीत दर्ज की और लगातार तीसरा विंबलडन खिताब जीतने की उम्मीदें बरकरार रखीं। मैच की शुरुआत में अल्कराज़ थोड़े संघर्ष में दिखे, और रूबलेव ने पहले सेट में उन्हें 4-1 की बढ़त के साथ चौंका दिया। हालांकि, अल्कराज़ ने वापसी की कोशिश की, लेकिन रूबलेव ने शानदार खेल दिखाते हुए टाईब्रेक में पहला सेट अपने नाम कर लिया। दबाव में होने के बावजूद अल्कराज़ ने संयम बनाए रखा और दूसरे सेट में रूबलेव की एक डबल फॉल्ट का फायदा उठाते हुए मैच को बराबरी पर ला दिया। तीसरे सेट में रूबलेव ने आक्रामक रुख अपनाया, लेकिन ब्रेक प्वाइंट्स को भुना नहीं पाए, जबकि अल्कराज़ ने मौके का पूरा फायदा उठाते हुए सेट अपने नाम किया। चौथे सेट में अल्कराज़ पूरी तरह नियंत्रण में नजर आए। उन्होंने एक अहम ब्रेक हासिल किया और फिर बिना कोई गलती किए मैच को अपने पक्ष में खत्म कर दिया। अब क्वार्टरफाइनल में अल्कराज़ का सामना ब्रिटेन के कैमरन नॉरी से होगा, जो घरेलू दर्शकों के बीच एक रोमांचक मुकाबले की उम्मीद जगा रहा है। इस जीत के साथ अल्कराज़ एक बार फिर साबित कर चुके हैं कि वह ग्रास कोर्ट के बादशाह बनते जा रहे हैं।

वॉशिंगटन फ्रीडम ने एमआई न्यूयॉर्क को 6 विकेट से हराकर टॉप-2 में किया स्थान पक्का

लाडरहिल

वॉशिंगटन फ्रीडम ने एमआई न्यूयॉर्क के खिलाफ सोमवार (भारतीय समयानुसार) अपने आखिरी लीग मुकाबले में 6 विकेट से शानदार जीत दर्ज की और टॉप-2 में अपनी जगह पक्की कर ली। बारिश के कारण 18 ओवर प्रति पारी के इस मुकाबले में ग्लेन मैक्सवेल ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट झटके और 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुने गए।

बारिश के चलते टॉस में देरी हुई, जिसके बाद वॉशिंगटन ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया। एमआई न्यूयॉर्क की शुरुआत बेहद खराब रही और कप्तान निकोलस पूरन व मोनांक पटेल पहले तीन ओवरों में ही पवेलियन लौट गए। हालांकि कुंवरजीत सिंह ने 33 रनों की संयमित पारी खेली, लेकिन मिडिल ऑर्डर पूरी तरह से लड़खड़ा गया। ग्लेन मैक्सवेल ने तजिंदर ढिल्लों और शरद लुंबा को लगातार गेंदों पर आउट कर पारी को झकझोर दिया। इसके बाद ग्लेन फिलिप्स ने भी दो विकेट लेकर एमआई न्यूयॉर्क की कमर तोड़ दी। टीम निर्धारित 18 ओवरों में 112/8 का ही स्कोर बना सकी। लक्ष्य का पीछा करने उतरी वॉशिंगटन फ्रीडम की शुरुआत भी कुछ खास नहीं रही और मिशेल ओवेन जल्दी आउट हो गए। लेकिन एंड्रिस गौस (नाबाद 46 रन, 34 गेंद) ने एक छोर संभाले रखा। बीच के ओवरों में मार्क चैपमैन ने 18 गेंदों में दो छक्कों की मदद से 27 रन बनाकर रन गति को तेज किया। हालांकि चैपमैन और मैक्सवेल एक के बाद एक आउट हो गए, लेकिन गौस ने ग्लेन फिलिप्स के साथ मिलकर टीम को तीन ओवर पहले ही जीत दिला दी।

संक्षिप्त स्कोर:

एमआई न्यूयॉर्क: 112/8 (18 ओवर) (कुंवरजीत सिंह 33, ग्लेन मैक्सवेल 3/29)।

वॉशिंगटन फ्रीडम: 113/4 (15 ओवर)एंड्रिस गौस 46, ट्रिस्टन लूस 2/39)*।

नतीजा: वॉशिंगटन फ्रीडम ने 6 विकेट से जीत दर्ज की।

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को दूसरे टेस्ट में ,133 रन से हराया, टेस्ट सीरीज़ पर किया कब्जा

ग्रेनेडा। ऑस्ट्रेलिया ने चौथे दिन वेस्टइंडीज को 133 रन से हराकर तीन मैचों की टेस्ट सीरीज़ में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। ऑस्ट्रेलिया ने चौथे दिन की शुरुआत 221/7 के स्कोर से की और केवल 22 रन जोड़ते हुए 243 पर ऑलआउट हो गई। हालांकि यह बढ़त उनके गेंदबाजों के लिए पर्याप्त साबित हुई। दिन की शुरुआत वेस्टइंडीज के शमार जोसेफ के धमाकेदार गेंद से हुई, जिन्होंने पैट कमिंस को पवेलियन भेजा। इसके बाद एलेक्स कैरी को भी उन्होंने एलबीडब्ल्यू आउट किया। जोश हेज़लवुड को अल्ज़ारी जोसेफ ने बोल्ड कर ऑस्ट्रेलियाई पारी समाप्त की। वेस्टइंडीज को 277 रनों का लक्ष्य मिला, लेकिन ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों के सामने उनकी पारी ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। जोश हेज़लवुड ने महज आठ गेंदों में जॉन कैंपबेल को पगबाधा आउट कर वेस्टइंडीज को पहला झटका दिया। इसके बाद मिशेल स्टार्क ने कीसी कार्टर को कैरी के हाथों कैच कराया। ब्रैंडन किंग ने आते ही तीन चौके जड़े, लेकिन कप्तान क्रेग ब्रैथवेट को ब्यू वेबस्टर ने अपना शिकार बनाया। किंग भी ज्यादा देर नहीं टिक पाए और पैट कमिंस की गेंद पर उनकी गिल्लियां बिखर गईं। स्कोर जल्द ही 33/4 हो गया। दोपहर के बाद शाई होप और रोस्टन चेज़ ने कुछ संघर्ष दिखाया लेकिन हेज़लवुड ने होप को आउट कर साझेदारी तोड़ी। चार ओवर बाद चेज़ भी चलते बने और वेस्टइंडीज की हार तय हो गई। अंत में अल्ज़ारी जोसेफ, शमार जोसेफ और जेडन सील्स ने मिलकर छह छक्के जरूर लगाए लेकिन हार की मार्जिन को ज्यादा नहीं घटा सके। नाथन लायन ने इन तीनों को आउट कर वेस्टइंडीज की पारी को महज 143 रन पर समेट दिया। मेजबान टीम की दूसरी पारी सिर्फ 35 ओवर में सिमट गई।

अरब देश बहरीन में झांसी की नन्ही जलपरी जिया यादव भारत की ओर से दिखाएगी दमखम

झांसी

वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई की वीर भूमि झांसी के किसान की नन्ही जलपरी बेटी जिया यादव का चयन भारतीय यूथ स्विमिंग टीम में किया गया है। बहरीन में 23 से 27 अक्टूबर तक आयोजित होने वाली एशियन यूथ गेम्स में जिया ग्रुप ए कैटिगरी (15 से 17) वर्ष आयु वर्ग की 50 मी.एवं 100 मी. बैक स्ट्रोक स्पर्धा में अपना दम दिखाएंगी। जिया यादव ने राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में दमदार प्रदर्शन कर भारतीय टीम में जगह बनाई है। गत वर्षों में सब जूनियर एवं जूनियर वर्ग की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में कई स्वर्ण पदक की जीत कर भारतीय टीम में जगह बनाने में कामयाब हो सकी।

एशियन यूथ गेम्स की बैक स्ट्रोक स्पर्धा में दिखाएगी अपना दम

बेक स्ट्रोक में महारथ रखने वाली जिया यादव ने खेल विश्लेषक बृजेंद्र यादव से बातचीत में बताया कि वह माध्यम वर्गीय परिवार से आती हैं, उनके पिता विजय यादव हंसारी में दुग्ध डेरी का व्यवसाय कर परिवार का भरण पोषण करते हैं। जिया ने बताया कि झांसी में 15 मीटर के स्विमिंग पूल से ही मैंने तैराकी का शुरुआत सफर शुरू किया था, कुछ ही समय में मुझे राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में खेलने का अवसर मिला जहां मैं पदक जीत कर सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। यह पहला मौका होगा जब मैं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में अपने देश का प्रतिनिधित्व करुंगी। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश स्विमिंग एसोसिएशन के सचिव शिवम कपूर ने मेरी प्रतिभा को देख कर नई दिल्ली में एस.एफ.आई. ग्लेनमार्क स्विमिंग अकादमी में ट्रेनिंग के लिए दाखिला कराया। वहां मुझे राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षक पार्थ मजूमदार ट्रेनिंग प्रदान कर रहे हैं। उनसे जब पूछा गया कि भारत देश का प्रतिनिधित्व करने पर कैस लग रहा है, तो जिया ने कहा देश के लिए खेलना हर खिलाड़ी का सपना होता है।

बर्न में यूईएफए यूरो कप महिला फुटबॉल

बर्न में यूईएफए यूरो कप महिला फुटबॉल में आईसलैंड व स्विटजरलैंड के बीच मैच में खेलती हुई खिलाड़ी।

ज्वाला देवी के छात्र आदेश सिंह का अंडर-16 एशियाई वॉलीबॉल चैम्पियनशिप के लिए भारतीय टीम में चयन

प्रयागराज

खेल के गलियारों में प्रयागराज का नाम एक बार फिर गर्व से ऊंचा हो गया है। ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, सिविल लाइंस के कक्षा 10 के होनहार छात्र आदेश सिंह को अंडर-16 एशियाई वॉलीबॉल चैम्पियनशिप के लिए भारतीय टीम में चयनित किया गया है। यह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता 12 से 19 जुलाई तक थाईलैंड में आयोजित की जाएगी, जहां आदेश भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए देश का मान बढ़ाएंगे।

विद्यालय के प्रधानचार्य विक्रम बहादुर सिंह परिहार ने मीडिया को बताया कि आदेश सिंह ने एसजीएफआई प्रतियोगिता में विद्यालय की वॉलीबाल टीम का प्रतिनिधित्व किया था, जिसने प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता था। भारतीय टीम में चयन उनकी अथक मेहनत, अदम्य इच्छाशक्ति और वॉलीबॉल के प्रति उनके गहन समर्पण का प्रत्यक्ष प्रमाण है। वॉलीबॉल एक ऐसा खेल है जिसमें शारीरिक दक्षता के साथ-साथ मानसिक दृढ़ता, टीम वर्क और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता का विशेष महत्व होता है। आदेश ने इन सभी गुणों का प्रदर्शन करते हुए

चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर खींचा। यह चयन प्रक्रिया अत्यंत कठिन और प्रतिस्पर्धी थी, जिसमें देश भर से सैकड़ों प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों ने भाग लिया। ऐसे में, आदेश का शीर्ष स्तर पर चुना जाना उनकी असाधारण प्रतिभा को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि आदेश पढ़ाई में भी एक होनहार छात्र है और खेल के साथ-साथ अपनी शिक्षा पर भी पूरा ध्यान देते हैं।

क्षेत्रीय सह संगठन मंत्री डॉ. राम मनोहर ने आदेश को आशीर्वाद देते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी और उन्हें खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करेगी। उन्होंने आदेश के उवल भविष्य की कामना की और उम्मीद जताई कि वह थाईलैंड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे।

काशी प्रान्त के प्रदेश निरीक्षक शेषधर द्विवेदी ने आदेश की मेहनत और लगन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रतिभाशाली युवा ही देश के भविष्य हैं। उन्होंने आदेश को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वह अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का नाम रोशन करेंगे।

ज्वाला देवी के मीडिया प्रभारी सरोज दुबे ने बताया कि आदेश ने अपनी प्रतिभा से सभी को प्रभावित किया है और उन्हें भारतीय टीम में स्थान मिलना न केवल विद्यालय अपितु पूरे विद्या भारती परिवार के लिए गौरव का विषय है। विद्यालय प्रबंध समिति ने भी आदेश को बधाई देते हुए उनके उवल भविष्य की कामना की है।

संजोग गुप्ता बने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के नए सीइओ

दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सोमवार को संजोग गुप्ता को अपना नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीइओ) नियुक्त किया है। वह आईसीसी के सातवें सीइओ बनेंगे। संजोग गुप्ता, खेल और मीडिया जगत में दो दशकों से अधिक का अनुभव रखने वाले, भारत के प्रमुख स्पोर्ट्स मीडिया नेतृत्वकर्ताओं में गिने जाते हैं। वह आज पदभार ग्रहण करेंगे और आईसीसी के सातवें सीईओ बनेंगे।

वर्तमान में जियोस्टार के सीइओ -स्पोर्ट्स एंड लाइव एक्सपीरियंस के रूप में कार्यरत संजोग को

खेल रणनीति, कमर्शियल डेवलपमेंट और टेक्नोलॉजी इनोवेशन में महारत हासिल है। उन्हें भारत में आधुनिक खेल इकोसिस्टम का प्रमुख शिल्पकार माना जाता है। आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने सोमवार को एक आधिकारिक बयान में कहा, हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि संजोग गुप्ता को आईसीसी का सीइओ नियुक्त किया गया है। उनका वैश्विक खेल और मीडिया क्षेत्र का अनुभव, खेल को वैश्विक स्तर पर विस्तार देने में बेहद उपयोगी साबित होगा। उनका तकनीक के प्रति रुझान और फैन-फर्स्ट सोच हमें पारंपरिक सीमाओं से बाहर निकलकर क्रिकेट को ओलंपिक जैसे मंचों तक ले जाने में मदद करेगा। जय शाह ने बताया कि इस पद के लिए कई शानदार नामों पर विचार किया गया, लेकिन नामांकन समिति ने सर्वसम्मति से संजोग गुप्ता के नाम की सिफारिश की, जिसे आईसीसी बोर्ड ने मंजूरी दी।

2500 से अधिक वैश्विक आवेदकों में चुने गए संजोग

मार्च 2025 में शुरू हुई इस वैश्विक चयन प्रक्रिया में 25 देशों से 2,500 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए। इनमें खेल प्रशासन, मीडिया, और अन्य कॉर्पोरेट क्षेत्रों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। आईसीसी की एचआर एवं पारिश्रमिक समिति ने 12 शॉर्टलिस्टेड उम्मीदवारों की प्रोफाइल नामांकन समिति को भेजी, जिसमें बीसीसीआई, इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी), श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) और आईसीसी के वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल थे।

नियुक्ति के बाद संजोग गुप्ता ने कहा, यह मेरे लिए गर्व और सौभाग्य की बात है कि मुझे ऐसे समय आईसीसी का नेतृत्व करने का अवसर मिला जब क्रिकेट वैश्विक स्तर पर तेज़ी से फैल रहा है। लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी और तकनीक की तेजी से हो रही प्रगति इस खेल को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकती है।

उन्होंने यह भी कहा कि वह आईसीसी के सदस्य बोर्डों के साथ मिलकर खेल को और विकसित करने, प्रशंसकों के अनुभव को बेहतर बनाने और क्रिकेट की वैश्विक पहुंच को और गहरा करने के लिए तत्पर हैं।

भारतीय स्पोर्ट्स मीडिया में महत्वपूर्ण योगदान

संजोग गुप्ता ने अपने करियर की शुरुआत पत्रकारिता से की थी और 2010 में स्टार इंडिया से जुड़े। 2020 में वह डिज्नी-स्टोर स्पोर्ट्स के प्रमुख बने और आईपीएल, आईसीसी टूर्नामेंट्स, प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) और इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) जैसे आयोजनों को नए मुकाम पर पहुंचाया।

... तो क्रैश हो जाएंगे सारे कंप्यूटर?

कंप्यूटर सॉफ्टवेयर के हिसाब ठीक से न कर पाने की वजह से 2038 में दुनियाभर के कंप्यूटर क्रैश हो जाएंगे? यह दावा कुछ कंप्यूटर प्रोग्रामर्स ने किया है। उनकी माने तो 19 जनवरी, 2038 को ग्रीनिच मान समय के मुताबिक सुबह 3 बजकर 14 मिनट और 7 सेकेंड पर सारे कंप्यूटर क्रैश हो जाएंगे। उनका अनुमान है कि एक जनवरी, 1970 के बाद से सेकेंड की संख्या कंप्यूटरों के अंदर स्टोर एक अहम अधिकतम संख्या को पार करेगी। कई कंप्यूटर कई तरह की गड़बड़ियों के शिकार हो सकते हैं। इस पर नये सिरे से बहस छिड़ गई है क्योंकि कैंब्रिज यूनिवर्सिटी के कंप्यूटर वैज्ञानिकों का कहना है कि 2038 में होने वाली यह घटना मिलेनियम बग से कम नुकसान पहुंचाएगी। हालांकि सवाल यह भी है कि आज के कंप्यूटर 23 साल बाद कितने काम में रहेंगे। आम लोग भले ही कंप्यूटर को बहुत समर्थ मानते हैं। लेकिन क्या ऐसा संभव है कि कंप्यूटर ही नंबरों का हिसाब न कर पाए? 4 जून, 1996 को यूरोपियन एजेंसी का बिना मानव रहित एरियन 5 रॉकेट, चार महंगे सेटेलाइट को लेकर अंतरिक्ष की ओर रवाना हुआ था। लेकिन 39 सेकेंड के बाद ही रॉकेट में धमाका हुआ और वो आग में तब्दील हो गया। यह कंप्यूटर सॉफ्टवेयर के हिसाब ठीक से न कर पाने की वजह से हुआ। विश्लेषकों की माने तो अगर 248 दिनों को सेकेंड के 100वें हिस्से में गिना जाए तो जो संख्या सामने आती है वो वही 2,147,483, 647 है।

बड़ी इलायची में समाए चमत्कारी गुण

बड़ी इलायची जहां खाने में स्वाद का काम करती है। वहीं यह हमें कई बीमारियों में निजात दिलाने में भी हमारी मदद करती है। खांसी जुकाम हो जाए तो बडी इलायची की चाय या काढा बना के पीने से ठंड से राहत मिलेगी। इलायची का प्रयोग हमारे शरीर कई बीमारियों से छुटकारा दिलाती है। साथ ही बड़ी का प्रयोग करने से आपकी त्वचा में निखार भी आता है।

कॉपर के अधिक सेवन से अल्जाइमर का खतरा

मस्तिष्क को प्रोटीन को कम करने के लिए संघर्ष करना पड़ता है। डिमेंशिया का कारण बनने वाले प्रोटीन को कम करने के लिए मस्तिष्क का संघर्ष। रेड मीट, शेल फिश और सब्जियां भोजन में तांबे के प्रमुख स्रोत। दिमाग के रक्षा करने वाले तंत्र में हस्तक्षेप करता है कॉपर। लंबे समय तक कॉपर का अधिक सेवन करने वाले अब सावधान हो जाए क्योंकि अमरीकी वैज्ञानिकों ने चूहों पर अपने प्रयोग के बाद ताज़ा शोध में यह जानकारी दी कि लंबे समय तक भोजन में कॉपर का अधिक सेवन अल्जाइमर बीमारी की वजह बन सकता है।

नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेस ने कहा कि कॉपर की अधिक मात्रा के कारण मस्तिष्क को उस प्रोटीन को कम करने के लिए संघर्ष करना पड़ता है जिसे डिमेंशिया का प्रमुख कारण माना जाता है। शोध के निष्कर्ष पर वैज्ञानिकों के बीच बहस जारी है क्योंकि कुछ अन्य शोधों का कहना है कि कॉपर वास्तव में मस्तिष्क की सुरक्षा करता है। रेड मीट, शेल फिश और सब्जियां भोजन में तांबे के प्रमुख स्रोत हैं। कॉपर के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए वैज्ञानिकों ने चूहों पर शोध किया। इस टीम ने पाया कि कॉपर दिमाग के रक्षा करने वाले तंत्र में हस्तक्षेप करता है। जिन चूहों को पानी में घोलकर ज़्यादा कॉपर दिया गया। उनके दिमाग़ की रक्त वाहिनियों में कॉपर की मात्रा बढ़ गई और उनके दिमाग की सक्रियता प्रभावित हुई।

वैज्ञानिकों का कहना है कि दिमाग की झिल्ली के काम करने के तरीके पर असर पड़ा। इसके साथ-साथ चूहों के दिमाग का बीटा एम्लॉयड के उस प्रोटीन से छुटकारा पाना कठिन हो गया, जो डिमेंशिया का प्रमुख कारण है। एल्जाइमर सोसायटी के डॉक्टर डाउग ब्राउन कहते हैं, तांबा शरीर के लिए अहम खनिज है, लोगों को इस शोध को सावधानी के साथ लेना चाहिए और अपने खाने से तांबे को हटाना नहीं चाहिए

भूख लगने पर ही खाएं

अक्सर देखा जाता है कि कुछ लोग भूख न होने पर भी कुछ न कुछ खाते रहते हैं, इस तरह से कुछ न कुछ खाने की आदत आपकी सेहत पर बुरा असर डाल सकती है। में हुए एक रिसर्च में बताया गया है कि भूख न होने पर खाना सेहत के लिए अच्छा नहीं है। वैज्ञानिकों ने इस रिसर्च के लिए स्नातक के 45 छात्रों को शामिल किया। इन छात्रों से सबसे पहले इनके भूख के स्तर की जानकारी ली गई। इसके बाद इन्हें कार्बोहाइड्रेट युक्त भोजन दिया गया।

भोजन की नियमित खुराकें स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव डालती हैं, इसे जानने के लिए रिसर्चर्स ने प्रतिभागियों द्वारा भोजन करने के बाद उनके रक्त शर्करा का स्तर मापा गया। रिसर्च में पाया कि कार्बोहाइड्रेट युक्त भोजन करने के बाद रक्त शर्करा स्तर में वृद्धि हुई।

मधुमेह रोगियों के लिए सर्वश्रेष्ठ आहार योजना

मधुमेह से पीड़ित लोग स्वस्थ खान-पान और जीवन भर हेल्दी डाइट योजना पर अमल कर ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित कर सकते हैं। मधुमेह को रोकने और नियंत्रित करने के लिए कदम उठाते हुए अभाव का कष्ट सहने की जरूरत नहीं है। न ही आपको मिठाई को पूरी तरह छोड़ने की जरूरत है। बल्कि जीवन भर हेल्दी डाइट लेना महत्वपूर्ण है। फाइबर से उच्च और शुगर और फैट में कम और दिल के लिए स्वस्थ आहार मधुमेह प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण होता है। मधुमेह से पीड़ित लोग स्वस्थ खान-पान और दैनिक आहार योजना बनाकर ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित कर सकते हैं।

मधुमेह नियंत्रण के सुझाव

मधुमेह को नियंत्रण करने के लिए आपको कुछ उपायों पर अमल करना होगा। इसके लिए आपको अपने आहार को छोटे भागों में विभाजित करना होगा। नियमित रूप से अपने सभी आहार को लेने कोशिश करें। इसके अलावा अपने आहार में कार्बोहाइड्रेट, मिनरल और फाइबर से परिपूर्ण खाने की कई आइटम को जोड़ने का प्रयास करें।

मिथक : मधुमेह होने पर चीनी बिल्कुल नहीं लेनी है।

तथ्य: मधुमेह होने पर चीनी को बिल्कुल नहीं लेना यह हम सभी के दिमाग में बैठा हुआ है। लेकिन अच्छी खबर यह है कि स्वस्थ आहार योजना को ठीक से लागू करने पर आप अपने पसंदीदा खाद्य पदार्थों का आनंद ले सकते हैं। मिठाई को सीमा से दूर रखने की जरूरत नहीं है जब तक यह एक स्वस्थ भोजन योजना का हिस्सा है या व्यायाम के साथ जुड़ा हुआ है।

मिथक: हाई प्रोटीन आहार सबसे अच्छा होता है।

तथ्य: अध्ययन से पता चला है कि बहुत ज्यादा प्रोटीन, विशेष रूप से पशु प्रोटीन, खाना इंसुलिन प्रतिरोध का कारण बन सकता है। जो वास्तव में मधुमेह का एक महत्वपूर्ण कारक है। संतुलित आहार एक कुंजी है। एक स्वस्थ आहार में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और वसा शामिल होता है। हमारे शरीर को ठीक ढ़ंग से काम करने के लिए तीनों की जरूरत होती है।

मिथक: कार्बोहाइड्रेट में कटौती करें।

तथ्य: संतुलित आहार खाना सेहत की कुंजी होती है। सर्विंग का साइज और कार्बोहाइड्रेट का प्रकार विशेष रूप से महत्वपूर्ण होता हैं। इसलिए होलग्रेन कार्बोहाइड्रेट पर ध्यान दें क्योंकि यह फाइबर का अच्छा स्रोत होता हैं। आसानी से पच जाता है और रक्त में शुगर के स्तर को सही रखता है।

दूध का सेवन

दूध कार्बोहाइड्रेट और प्रोटीन का सही संयोजन होता है और यह रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है। दैनिक आहार में दूध के दो गिलास पीना एक अच्छा विकल्प है।

उच्च फाइबर सब्जियां

अपने आहार में उच्च फाइबर सब्जियां जैसे मटर, सेम, ब्रोकोली, पालक और हरी पत्तेदार सब्जियों को शामिल करें। इसके अलावा दालें भी एक स्वस्थ विकल्प हैं और इसे आपके आहार का हिस्सा होना चाहिए।

उच्च फाइबर फल

फाइबर से भरपूर फल जैसे पपीता, सेब, संतरा, नाशपाती और अमरूद का सेवन भी करना चाहिए। आम, केले और अंगूर में शुगर की उच्च मात्रा होने के कारण इन फलों को सेवन कम करना चाहिए।

कृत्रिम स्वीटनर का कम इस्तेमाल

कृत्रिम स्वीटनर मूल रूप से शुगर से मिलने वाली कैलोरी को कम करता है। इन गोलियों का सेवन एक दिन में 6 गोलियों से कम होना चाहिए क्योंकि ज्यादा लेने से इसके साइड इफेक्ट होने लगते है। हालांकि, संयम एक बेहतर तरीका से जीवित रहने के लिए महत्वपूर्ण होता है। मधुमेह नियंत्रित किया जा सकता है अगर डॉक्टर और रोगी संयोजन के साथ काम करें।

अतिरिक्त वजन कम करें

यदि आप मोटे हैं, तो मधुमेह की रोकथाम वजन घटाने पर निर्भर हो सकती है। वजन का हर एक किलो कम करना आपके स्वास्थ्य में सुधार कर सकता हैं और आपके लिए आश्चर्यजनक हो सकता है। कम कार्बोहाइड्रेंट आहार और आहार योजना आपको वजन कम करने में मदद कर सकती हैं।

महत्वपूर्ण है विटामिन डी

हम में से ज्यादातर लोग विटामिन डी को महत्वपूर्ण नहीं समझते हैं। लेकिन यह मधुमेह से लड़ने के लिए महत्वपूर्ण होता है। इसलिए विटामिन डी के स्तर की जांच की जानी चाहिए। कम विटामिन डी मधुमेह का कारण भी हो सकता है। विटामिन डी का सबसे अच्छा स्रोत धूप पड़ना है।

खाना पकाने की युक्तियां

मधुमेह रोगियों के लिए बिना तेल के खाना बनाना सीखना होगा। परिष्कृत उत्पाद (चीनी, सफेद आटा, सफेद चावल, फलों का रस आदि) खाना बंद करना होगा। साथ ही प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ खाने बंद करने होगें। इसके अलावा डेयरी उत्पाद खाने और पीने बंद करने होगें।

मधुमेह रोगियों के लिए आहार योजना

सुबह जल्दी: 6-7 बादाम / 1-2 अखरोट।

नाश्ते में आइटम: 1 कटोरी ओट्स/ दूध/ 2 अंडे के स्लाइस/मल्टीग्रेन ब्रेड/सब्जियां/दही/टोस्ट।

सुबह का नाश्ता: आप पपीता, नारियल और छाछ आदि सहित मौसमी फल जोड़ सकते हैं।

दोपहर का भोजन: सलाद, सब्जियां, दाल, चपाती, दही, चावल, पनीर चिकन आदि।

शाम का नाश्ता: फल और स्नैक्स जैसे ढोकला, इडली, भुना हुआ नमकीन और मुरमुरा आदि।

रात का खाना: मिक्स्ट सब्जियों का सूप। चपाती, सब्जी, दाल/चिकन, हरा सलाद।

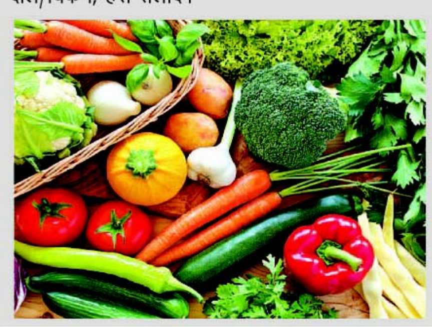

बच्चों पर साइबर बुलिंग का खतरा...

इंटरनेट के बिना आज हमारा जीवन अधूरा है और जहां तक आज के बच्चों का सवाल है, उनके लिए इंटरनेट के बिना दुनिया का कोई मतलब ही नहीं है। दुर्भाग्य से आमतौर पर माता-पिता अपने बच्चों की इंटरनेट गतिविधियों को लेकर अधिक जानकारी नहीं रखते हैं। वास्तविक दुनिया की तरह इंटरनेट की दुनिया में भी बच्चे कई तरह के खतरों के प्रति अनजान होते हैं। नार्टन ऑनलाइन फैमिली रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि 79 फीसदी बच्चे नकारात्मक ऑनलाइन स्थिति का सामना करते हैं और 60 फीसदी किसी न किसी रूप में साइबर क्राइम के शिकार हैं। साइबर बुलिंग में गलत अफवाहों का फैलना, धमकी भरे संदेशों का प्रसार और अपमानजनक तस्वीरें पोस्ट किए जाना आदि शामिल हैं। साइबर बुलिंग करने वाला टेक्स मैसेज, ईमेल, इंस्टेंट मैसेज, सोशल नेटवर्किंग मैसेज भेजता है या ब्लॉग, वेब पेज पर या ऑनलाइन गेम प्लेटफार्म पर ऐसी सामग्री पोस्ट करता है, जो दूसरों को परेशान, अपमानित करने या डराने-धमकाने के लिए होती है। तकनीक का लाभ उठाकर वे ऐसे संदेश और सामग्री व्यापक रूप से प्रसारित करते हैं।

क्या हैं कारण?

साइबर बुलिंग के कारण अक्सर उसी तरह के होते हैं, जो आम तौर से स्कूल परिसरों में दी जाने वाली धौंस-धमकी के होते हैं। मसलन शक्ति का प्रदर्शन करना, बदला लेने की इच्छा या हुए नुकसानों की भरपाई। कोई पीड़ित जब अपना बचाव करने के लिए ऑनलाइन गलत संदेश का प्रसार करता है तो उसे भी साइबर बुलिंग के रूप में देखा जा सकता है। साइबर बुलिंग प्रायः गुमनाम

रहकर की जाती है और इसे बार-बार दोहराया जाता है। यह किसी एक व्यक्ति या ऑनलाइन ग्रुप का काम हो सकता है। दुर्भाग्य से अन्य नकारात्मक ऑनलाइन अनुभवों की तरह साइबर बुलिंग का भी बच्चों पर विपरीत असर पड़ता है।

प्यार से लाएं राह पर

बच्चों के लिए इंटरनेट का अनुभव सुरक्षित बनाने के लिए उनके माता-पिता की भूमिका महत्वपूर्ण है। आधुनिक माता-पिता उस पहली पीढ़ी के माता-पिता हैं जिन्हें अपने बच्चों को न केवल वास्तविक दुनिया में बल्कि तेजी से विस्तृत होती आभासी दुनिया में भी सुरक्षित रखने के सभी उपाए करने होंगे।

नकारात्मक अनुभव: एक रिपोर्ट के मुताबिक विश्वभर के लगभग 62 फीसद बच्चों ने प्रतिक्रिया दी कि ऑनलाइन होने के समय उन्होंने कोई नकारात्मक अनुभव प्राप्त किया। 10 में लगभग 4 के लिए हालांकि ऐसा ऑनलाइन नकारात्मक अनुभव अधिक गंभीर रहा, जैसे कि अजनबियों से कोई अनुचित तस्वीर प्राप्त करना, धमकाया जाना या साइबरक्राइम का शिकार हो जाना। आज प्रत्येक चार में एक भारतीय माता-पिता इस बात से चिंतित हैं कि उनके बच्चे को ऑनलाइन धमकाया जा सकता है।

कैसे बचाएं बच्चों को: बच्चों के साथ बेहतर संवाद कायम रखें। बच्चों के साथ तकनीक का सुरक्षित व समुचित उपयोग करने के महत्व के बारे में खुलकर बात करें। बच्चे की इंटरनेट गतिविधियों व सेलफोन इस्तेमाल पर निगाह रखें। देखी गई साइटों पर चर्चा करें और जरूरी हो तो कॉल लॉग भी ब्राउज करें। यदि बच्चे को ऐसा करना दखलंदाजी लगे तो अपने बच्चे की भलाई के लिए वास्तविक सरोकारों पर जोर दें। साइबर बुलिंग के संकेतों को पहचानें। अनेक लक्षण हैं जिन्हें लेकर सचेत रहें, मसलन फ्रस्ट्रेशन या डिप्रेशन, खासतौर से सेलफोन या कंप्यूटर उपयोग करने के बाद ऐसा बर्ताव करना, दोस्तों या रोजमर्रा की सामान्य मनोरंजक गतिविधियों से कट जाना या फिर स्कूल में बच्चे के शैक्षणिक प्रदर्शन में किसी प्रकार की गिरावट दिखाई देना या अरूचि होना आदि।

सतर्कता जरूरी: ऑनलाइन पैरेंटिंग, वास्तविक जीवन में पैरेंटिंग से कोई अलग नहीं है। माता-पिता को केवल नियम नहीं बनाने हैं, उन्हें समझना होगा कि उनके बच्चे ऑनलाइन क्या कर रहे हैं और उनके बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर पूरी निगाह रखनी होगी। माता-पिता द्वारा बच्चों को इंटरनेट संबंधी ऐटिकेट की जानकारी देना, सामाजिक कौशल सिखाने के समान ही महत्वपूर्ण है। ऑनलाइन किसी भी अप्रिय स्थिति से रूबरू होने पर भारतीय बच्चे, अपने माता-पिता को बताते हैं, वहीं अभिभावकों को इसके बदले में अपने बच्चों को शिक्षित और सशक्त बनाने हैं।

रेसिपी

राजमा गलाउटी कबाब

सामग्री

3/4 कप सलाईस्ड प्याज, 2 टेबल-स्पून घी, 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ अदरक, 1 1/2 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 1/2 कप पनीर, 3/4 कप भिगोए , उबले और हलके मसले हुए राजमा, 1/2 कप उबले , छिले और मसले हुए आलू, 1 टेबल-स्पून कटा हुआ हरा धनिया, नमक स्वादअनुसार, 1/2 टी-स्पून गरम मसाला, 1 टेबल-स्पून तेल

विधि

कढ़ाई मे मध्यम आंच पर तेल गरम करें और प्याज़ डालकर उनके सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज़ पर निकालकर एक तरफ रख दें। पैन में घी गरम करें, अदरक और हरी मिर्च डालकर 30 सेकेन्ड तक भुन लें। तेल छोड़कर, बची हुई सामग्री डालकर 3-4 मिनट तक पका लें। मिश्रण को 5 बराबर भाग में बांट लें और प्रत्येक भाग के चपटे गोल कबाब बना लें। कढ़ाई में मध्यम आंच पर तेल गरम कर लें और कबाब डालकर उनके सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज़ पर निकालकर गरमा गरम परोसें।

सान्वा पान्की

सामग्री

2 कप सामा , पीसकर मुलायम पाउडर बना हुआ, 1/2 कप राजगीरे का आटा, 4 टेबल-स्पून आरारोट आटा, 2 टेबल-स्पून घी, 1 टी-स्पून ज़ीरा, 3/4 कप खट्टा दही , फेंटा हुआ, सेंधा नमक , स्वादअनुसार, 1 टेबल-स्पून बारीक कटा धनिया, 1 1/2 टी-स्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, 4 से 6 केले के पत्ते, 150 मि.मी. चौकोर टुकड़ो में कटे हुए, चुपड़ने और पकाने के लिए तेल, **परोसने के लिए:** हरी चटनी, भावनगरी मिर्च

विधि

सामे का पाउडर, राजगीरे का आटा, अरारोट आटा, दही, सेंधा नमक, धनिया, अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, जीरा और 1/2 कप पानी को एक बाउल में डालकर अच्छी तरह से मिलाएं और मुलायम घोल बना लें। ढ़ककर खमीर उठने के लिए 1 घंटा एक तरफ रख दें। केले के पत्तों के एक तरफ को तेल से चुपड़े और एक जगह रख दें। 2 टेबल-स्पून घोल को केले के पत्ते के एक तरफ रखें और पतली परत में फैला लें। पत्ते की दुसरी तरफ को घोल के उपर रखें और मोड़ लें। एक नॉन-स्टिक पैन या तवा गरम करें और पान्की को थोड़े से तेल का प्रयोग कर दोनों तरफ से पान्की के पत्ते से अलग होने तक पका लें। बचे हुए घोल को प्रयोग कर 14 और पान्की बना लें। हरी चटनी और भावनगरी मिर्च के साथ तुरंत परोसें।

पुरुषों के लिए फिट रहने के टिप्स

फिटनेस की परिभाषा पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग नहीं होती है। बल्कि शारीरिक फिटनेस शरीर और मस्तिष्क दोनों को स्वस्थ रखने में मदद करता है। नियमित एक्सरसाइज से न केवल मांसपेशियों में ताकत आती है बल्कि इससे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता में विकास होता हैं, ढलती उम्र धीमी पड़ जाती है और कई अन्य तरह के रोगों से बचाव होता है। इसलिए पुरुषों को फिट रहने के लिए इन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

आरामफरामोश न बनें

आधुनिक और आराम तलब जीवनशैली के कारण पुरूष 20 साल के बाद ही हृदयघात के खतरों की चपेट में आने लगते हैं। जो लोग आराम तलब जीवन जीते हैं, एक्सरसाइज करने से जी चुराते हैं और जंक व डिब्बा बंद आहार पर जीते हैं उनमें खराब कोलेस्ट्रोल या निम्न घनत्व वाले लिपोप्रोटीन का स्तर रक्त में हमेशा उच्च रहता है। अपने शरीर में एलडीएल के स्तर को कम करने के लिए नियमित एक्सरसाइज करके एचडीएल के स्तर को उंचा उठाया जा सकता है।

रक्तचाप सामान्य रखें

जीवन में कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण पैदा हुए निराशा और तनाव के कारण पुरूषों में उच्च रक्तचाप की बीमारी होना एक आम बात हो गई है। नियमित व्यायाम से रक्तचाप के स्तर को सामान्य रखने में मदद मिलती है और इस वजह से हृदयघात और हृदय रोगों के खतरे भी कम हो जाते हैं।

बढ़ाएं ब्लड सर्कुलेशन

जब आप एक्सारसाइज करते हैं तब शरीर का ब्लड सर्कुलेशन तेज हो जाता है और शरीर में ब्लड की सप्लाई भी अधिक होने लगती है। रक्त धमनी शरीर में ब्लड की जरूरत के अनुसार फैलता और सिकुड़ता रहता है। लेकिन जब अदमी आराम तलबी का जीवन जीने लगता है कोई श्रम या एक्सरसाइज नहीं करता हैं तब उसके रक्त धमनी में कोलेस्ट्रोल जमा होने से रक्त धमनी सिकुड़ जाती है जो अंततः हृदय घात का कारण बनती है।

बीमारियों के खतरे कम करें

अस्वस्थ जीवनशैली और खानपान में अनियमितता के कारण वर्तमान में डायबिटीज, कैंसर, अर्थराइटिस, हृदय की बीमारियां, पेट की समस्याएं आदि बढ़ रही हैं। इन बीमारियों से बचाव की कोशिश कीजिए। इसके लिए रोज व्यायाम करें और नियमित जांच कराए।

वजन कम करें

वजन बढ़ने से कई तरह की बीमारियां होने लगती हैं, इसलिए अपने वजन को नियंत्रण में रखें। वजन कम करने से दिल की बीमारियां नहीं होती हैं। इसलिए इसपर काबू पाने के लिए रोज व्यायाम करें और हेल्दी आहार का सेवन करें। पुरुष इन सामान्य सी बातों को ध्यान में रखकर न केवल फिट रह सकते हैं बल्कि बीमारियों से भी बच सकते हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**